दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

भोपाल ■ बुधवार 02 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -09 ■ अंक-37 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार

धर्म, व्यक्ति एवं समाज, दोनों के लिए आवश्यक है।
– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

कैबिनेट ने दी मंजूरी: 101 करोड़ रुपए स्वीकृत

मध्यप्रदेश में अब हाईटेक 'सुगम परिवहन सेवा'

ई-बस और चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे, प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के हिसाब से मिलेंगे हाउस रेंट

- सीएम राइस स्कूल का नामकरण संदीपनी विद्यालय नाम पर होगा
- औद्योगिक क्षेत्र, महिलाओं के लिए 284 करोड़ का हॉस्टल बनेगा
- भोपाल के बाद 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी सेक्टर की कॉन्क्लेव
- गेहूं खरीदी में 2600 का रेट तय किए गए

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्य में सुगम, सुरक्षित और विनियमित यात्री परिवहन सुविधा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू करने कैबिनेट ने मंजूरी दी है। मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया है। इस योजना की शुरुआत के लिए सरकार ने 101 करोड़ की स्वीकृति दी है। योजना के तहत ग्रामीण और साधारण मार्गों पर संगठित बस परिवहन सेवा को विकसित करने के लिए निजी बस ऑपरेटरों की भागीदारी तय की जाएगी। यह योजना पीपीपी मॉडल के तहत लागू की जाएगी, जिससे बस संचालन, अधोसंरचना निर्माण और विनियमन में पारदर्शिता आएगी। राज्य सरकार ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एकीकृत परिवहन मॉडल तैयार किया है। इसमें बस अधोसंरचना का विकास किया जाएगा। जिसमें पीपीपी मॉडल के तहत बस स्टैंड, बस डिपो और अन्य सुविधाओं का निर्माण होगा। वहीं, बस संचालन एवं संधारण पर काम होगा। इसमें निजी ऑपरेटरों को आईटी प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लाइसेंस जारी किए जाएंगे। सख्त निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। इसमें बस सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सर्विस लेवल एग्रीमेंट और की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स पर आधारित निगरानी होगी।

सात संभागीय कंपनियां

वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन कंपनियां कार्यरत हैं। इनमें से 16 कंपनियां सक्रिय हैं, जबकि चार कंपनियां निष्क्रिय हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि इन सभी को मिलाकर सात संभागीय कंपनियों में विलय किया जाएगा।

बस संचालन की होगी प्रभावी निगरानी

यात्रियों की सुविधा और बस संचालन की प्रभावी निगरानी के लिए एक उन्नत आईटी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिसमें यात्री मोबाइल ऐप के जरिए बसों की ट्रैकिंग, सीट उपलब्धता और यात्रा प्लानिंग कर सकेंगे। संभागीय और राज्य स्तरीय कार्यालयों में कंट्रोल एवं कमांड सेंटर होंगे।

मॉनिटरिंग समिति देगी सुझाव

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें सांसद, विधायक, महापौर, जिपं अध्यक्ष और अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति बस परिवहन की प्रभावी निगरानी करेगी और रूट परिवर्तन, बस स्टॉप विकास और चार्जिंग स्टेशनों को लेकर सुझाव देगी।

सात प्रमुख संभागीय कंपनियों की भूमिका

सरकार द्वारा गठित होल्डिंग कंपनी के तहत सात संभागीय कंपनियां कार्य करेंगी, जिनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और रीवा शामिल हैं। ये कंपनियां यात्री बस परिवहन सेवा का संचालन करेंगी। आईटी प्लेटफॉर्म के जरिए मॉनिटरिंग करेंगी।

पांच लाख से अधिक कर्मचारियों को सौगात

मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को राज्य सरकार सातवें वेतनमान के अनुरूप भत्ते देगी। मध्य प्रदेश सरकार ने आठ साल बाद सातवें वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता, परिवहन भत्ता सहित विभिन्न भत्तों में बढ़ोत्तरी की है। प्रदेश के लगभग 5.50 लाख शासकीय कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। कैबिनेट ने कर्मचारियों के भत्ता बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कर्मचारियों के भत्ते में वृद्धि से शासन पर 1500 करोड़ का भार आएगा। राज्य सरकार का हिंदू नव वर्ष में मप्र के कर्मचारियों को यह उपहार है।

माता बंबरबैनी मंदिर पवित्र क्षेत्र घोषित

छतरपुर जिले के लवकुशनगर स्थित माता बम्बरबैनी के प्राचीन मंदिर को पवित्र क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। यह मंदिर क्षेत्र 0.012 हेक्टेयर और 30.375 हेक्टेयर जमीन पर फैला है।

ब्रीफ न्यूज

कॉमर्शियल सिलेंडर 44.50 रुपए हुआ सस्ता

नई दिल्ली। मंगलवार से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर ?44.50 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 41 घटकर 1762 हो गईं। हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है।

भाजपा नेता बोले- 75 वर्ष में रिटायरमेंट का नियम नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को कहा कि पार्टी में 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट का कोई नियम नहीं है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल देश की जनता तय करेगी। दरअसल, बावनकुले ने यह प्रतिक्रिया संजय राउत के बयान के बाद आई है।

पूर्व सेवी चीफ बुच पर एफआईआर टली

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सेवी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच और 5 अन्य के खिलाफ एफआईआर आदेश पर रोक बढ़ा दी है। वहीं मामले की अगली सुनवाई 7 मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

निपटा ले काम! अप्रैल में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अप्रैल महीना शुरू हो चुका है। इस महीने में अलग-अलग राज्यों और शहरों में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 10 दिन अलग-अलग जगहों पर कामकाज नहीं होगा।

बजिंदर सिंह को रेप केस में अंतिम सांस तक कारावास

मोहाली। येशु-येशु वाले बाबा के नाम से पहचाने जाने वाले बजिंदर सिंह को रेप केस में अंतिम सांस तक उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। ये सजा मोहाली कोर्ट ने सुनाई है। बजिंदर को कोर्ट ने 3 दिन पहले दोषी करार दिया था। इसके बाद उसे पटियाला जेल में बंद कर दिया गया था। बजिंदर विदेश में बसाने के बहाने महिला को घर ले गया और रेप कर वीडियो बनाया।

बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटा, फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले

गुजरात में मध्यप्रदेश के 20 मजदूरों की मौत

- तीन गंभीर: दो दिन पहले ही मजदूरी करने गए थे
- धमाके से फैक्ट्री का मलबा 100 मीटर दूर तक फैला
- सीएम मोहन ने श्रमिकों की मौत पर दुःख व्यक्त किया

सत्ता सुधार ■ भोपाल/अहमदाबाद

गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह आठ बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के हरदा और देवास के 20 मजदूरों की मौत हो गई। तीन की हालत गंभीर है। वहीं, पांच घायल हैं। इधर, मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव ने श्रमिकों की मौत पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र सरकार का गुजरात सरकार से घटना के संबंध में लगातार संपर्क बना हुआ है। श्रमिकों की सहायता और परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक प्रयास होंगे। बताया जाता है कि फैक्ट्री डीसा तहसील के धुनवा रोड पर है। मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में पांच से छह घंटे लगे।

हरदा से पुलिस-प्रशासन की टीम रवाना

हादसे के शिकार सभी मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हैं। इसमें आठ श्रमिक हरदा और छह श्रमिक देवास के रहने वाले है। बाकी 6 की पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि कहा जा रहा है कि सभी मप्र के ही हैं। हरदा जिला प्रशासन ने एडीएम के नेतृत्व में एक टीम गठित की है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस की एक टीम को हरदा से बनासकांठा रवाना कर दिया गया है।

पटाखा बनाने का नहीं था लाइसेंस

दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वह इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखा बनवाते थे। हालांकि जांच में पता चला है कि कंपनी मालिक के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस था, बनाने का नहीं, इसलिए स्थानीय पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

बंगाल में सिलेंडर ब्लास्ट आठ लोगों की गई जान

इधर, प. बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा इलाके में देर रात सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। हादसे में मरने वालों की संख्या मंगलवार को 8 हो गई। पहले यह आंकड़ा 7 था। अधिकारियों के मुताबिक मृतकों में 4 बच्चे और 4 महिलाएं शामिल हैं। सुंदरबन जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि हादसा ढोलाघाट गांव में रात 9 बजे का है। मरने वाले एक ही परिवार के हैं। शुरुआती जांच में 2 गैस सिलेंडर में ब्लास्ट की जानकारी है। वहीं भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यहां क्रूड बम बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पुलिस प्रशासन घटना को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

- प्रशासन ने कहा- मृतकों में 4 बच्चे, 4 महिलाएं
- भाजपा बोली- बम बनाने की अवैध फैक्ट्री थी

सोना तीन महीने में 15 हजार महंगा

अब 10 ग्राम सोना 90,966 रुपए हुआ

- दावा-94 हजार रुपए तोला होगा भाव
- महंगाई-मार्केट उतार-चढ़ाव का असर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मंगलवार को सोना एक बार फिर रिकॉर्ड महंगा हो गया। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,802 रुपए बढ़कर 90,966 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इससे पहले सोना 89,164 रुपए पर था। दरअसल, जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 14,804 रुपए बढ़कर 90,966 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 13,815 रुपए बढ़कर 99,832 रुपए पर पहुंच गया है।

भोपाल में 92,890 रु. तोला

महानगरों की बता की जाए तो दिल्ली में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,990 रुपए है। मुंबई में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,840 रुपए। चेन्नई में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,840 रुपए और भोपाल में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,890 रुपए हो गई है।

सेंसेक्स में साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट

इधर, वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 1390 अंक (करीब 1.80 फीसदी) गिरकर 76,024 के स्तर पर बंद हुआ। यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सेंसेक्स में 28 फरवरी को 1414 (1.90 फीसदी) अंक की गिरावट रही थी। निफ्टी में भी करीब 353 अंक (करीब 1.50 फीसदी) की गिरावट रही, ये 23,165 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट रही। बजाज फाइनेंस और इंफोसिस में सबसे ज्यादा करीब 4 प्रतिशत गिरकर बंद हुए।

1390 अंक नीचे 76,024 पर बंद, निफ्टी 353 लुढ़का

अप्रैल में ही भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की हो जाएगी घोषणा

- अगले सप्ताह प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव हो जाएगा
- मोदी-भागवत की मुलाकात के बाद कवायद तेज

नई दिल्ली। भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष इसी महीने मिल जाएगा। पीएम मोदी के नागपुर दौरे के बाद चुनावी प्रक्रिया तेज हो गई है। दावा किया जा रहा है कि 30 मार्च को मोदी और संघ प्रमुख भागवत की मुलाकात में नए अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई है। मोदी के नागपुर से लौटने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष से राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पर चर्चा की। पीएम ने नड्डा और बीएल संतोष से कहा है कि इसी महीने भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पूरा करें। भाजपा ने अब तक 13 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों में चुनाव पूरे करने जरूरी हैं। अगले हफ्ते तक यूपी, प.बंगाल समेत बाकी बचे राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

लोकसभा में आज वक्फ संशोधन बिल होगा पेश, 8 घंटे होगी चर्चा

- इंडिया गठबंधन के अखिलेश बोले- हम सदन में करेंगे विरोध
- सीएम योगी ने कहा- बदलाव समय की मांग

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल बुधवार को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय तय किया है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने जब इस बात की जानकारी दी, तब विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि विपक्ष ने बीएसी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि हम बिल का विरोध करेंगे। वहीं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ में सुधार समय की मांग है।

जिनपिंग ने एक बार फिर भारत की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ

कहा- ड्रैगन-हाथी टैंगो के रूप में मजबूत हों रिश्ते

एजेंसी ■ बीजिंग

चीन ने एक बार फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कहा कि चीन और भारत को और अधिक निकटता से मिलकर काम करना चाहिए। दोनों देशों रिश्ते को ड्रैगन-हाथी टैंगो का रूप लेना चाहिए। यह हमारे प्रतीकात्मक जानवरों के बीच नृत्य है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चीन-भारत के राजनयिक संबंधों की शुरुआत की 75वीं वर्षगांठ पर बधाई संदेश में चीनी राष्ट्रपति ने यह बात कही। इस मौके पर मुर्मू ने भी चीनी राष्ट्रपति को बधाई दी। शी जिनपिंग ने कहा कि पड़ोसियों को शांतिपूर्ण ढंग से सह-अस्तित्व के तरीके ढूंढने चाहिए। वह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मामलों में संचार और समन्वय को बढ़ाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति की रक्षा करने के लिए तैयार हैं।

ट्रम्प आज से दुनियाभर में लगाएंगे टैक्स

इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार से दुनियाभर में जैसे को तैसा टैक्स लगाएंगे। इस बीच ट्रम्प ने दावा किया कि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ को काफी हद तक कम करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कई देश अपने टैरिफ कम कर देंगे, क्योंकि उन्हें पता है कि वे अमेरिका के साथ गलत कर रहे हैं। यूरोपीय संघ पहले ही अपने टैरिफ 2.5 फीसदी तक घटा चुका है। मुझे हाल ही में पता चला कि भारत भी अपने टैरिफ को काफी हद तक घटाने जा रहा है। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को मुक्ति दिवस नाम दिया है।

उपलब्धि लगातार 13वां महीना जब जीएसटी वसूली 1.70 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रही

मार्च ने किया मालामाल! 1.96 लाख करोड़ हुआ जीएसटी संग्रह

आयात से जीएसटी वसूली में इस बार सबसे ज्यादा उछाल देखने को मिला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वित्त वर्ष-2025 जाते-जाते सरकार का खजाना भर गया। मार्च महीने में सरकार का जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ के करीब पहुंच गया, जो पिछले पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले करीब 10 फीसदी ज्यादा है। आंकड़ों से साफ पता चलता है कि इस बार आयात से सरकार की कमाई सबसे ज्यादा उछाल आया है। वैसे घरेलू उपभोक्ताओं ने भी सरकारी खजाना भरने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी और पिछले साल के मुकाबले करीब 9 फीसदी ज्यादा जीएसटी कलेक्शन हुआ है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च महीने में कुल जीएसटी कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रहा है, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 9.9 फीसदी ज्यादा है। सरकार ने बताया कि घरेलू लेनदेन से जीएसटी कलेक्शन में 8.8 फीसदी का उछाल दिखा और 1.49 लाख करोड़ पहुंच गया, जबकि आयात शुल्क के जरिये होने वाली कमाई भी 13.56 फीसदी बढ़कर 46,919 करोड़ रुपए पहुंच गई है।

पिछले साल बना था रिकॉर्ड

वित्तीय वर्ष 2025 के अंतिम महीने में मोदी सरकार ने जीएसटी से 1.96 लाख करोड़ की कमाई की। इसमें से केंद्रीय जीएसटी संग्रह 38,100 करोड़ रहा, जबकि राज्य जीएसटी संग्रह 49,900 करोड़ रहा। इस महीने के लिए एकीकृत जीएसटी संग्रह 95,900 करोड़ रहा। मार्च 2025 में जीएसटी उपकर 12,300 करोड़ रहा। अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन मार्च-2024 में था, जब सरकार ने 2.10 लाख करोड़ जुटाए थे।

रिफंड भी जमकर बांटा

ऐसा नहीं है कि सरकार ने सिर्फ जीएसटी कलेक्शन ही किया है, इस बार मार्च महीने में सरकार ने जमकर जीएसटी रिफंड भी बांटा है। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 41 फीसदी बढ़कर 19,615 करोड़ पहुंच गया है। रिफंड का समायोजन करने के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 1.76 लाख करोड़ रहा है। यह पिछले साल के मार्च महीने के मुकाबले 7.3 फीसदी की ग्रोथ दिखाता है।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in

पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री ने ओडिशा के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओडिशा राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि मुख्यमंत्री मोहन माझी के नेतृत्व में ओडिशा की पुण्यधरा पल्लवित एवं प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाप्रभु जगन्नाथ से देशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और संपन्नता के लिए मंगलकामना की है।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का सामूहिक गायन

भोपाल। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, संजय दुबे, सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय में अनुदान आंवटन प्रक्रिया पारदर्शी

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से संबंधी सभी शासकीय और मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाएं वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाया गया है। अब संस्थाएं ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सोनाली वायंगणकर ने कहा कि विभाग द्वारा शासकीय और अशासकीय मान्यता प्राप्त संस्थाओं, जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र को अनुदान के आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। यह संस्थाएं विभागीय पोर्टल पर अपनी संस्था की सम्पूर्ण जानकारी सहित मांग पत्र जिला कार्यालय को प्रेषित करेंगी। जिला कार्यालयों द्वारा स्वीकृति और अस्वीकृति पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। जिला स्तर पर आवंटन की अनुपलब्धता की स्थिति में अनुशंसा सहित मांग पत्र संचालनालय को प्रेषित किया जाएगा। संस्थाओं को प्रति माह किए गये व्यय की जानकारी भी विभागीय पोर्टल पर दर्ज करानी होगी।

कांग्रेस ने मंत्री बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर खोला मोर्चा

भोपाल। मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर एमपी कांग्रेस के अनुसूचित जनजाति विभाग ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि मंत्री बागरी का जाति प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से बनाया गया है। अनुसूचित जाति कल्याण विकास विभाग छानबीन समित में शिकायत दर्ज कराई है। मध्यप्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर एमपी कांग्रेस के अनुसूचित जनजाति विभाग ने मोर्चा खोल दिया है।

सीएम राइज स्कूल अब 'सांदीपनि' : सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री बोले-सीएम राइज नाम अंग्रेजों के जमाने जैसा, स्कूल चलें हम अभियान शुरू, भगवान श्रीकृष्ण ने की थी सबसे पहले 'स्कूल चलें हम' अभियान की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने नवप्रवेशी छात्रों का माला पहनाकर किया अभिनंदन, उपहार भी दिए

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सीएम राइस स्कूल के नाम से जाने जाने वाले स्कूलों का नाम बदल दिया गया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने राज्य के सभी सीएम राइज स्कूलों का नाम बदलकर सांदीपनि स्कूल रखने की घोषणा की। सीएम ने कहा कि है कि सीएम राइज स्कूल का नाम ऐसा लगता था जैसे अंग्रेजों के जमाने का हो, इसलिए इसे बदलकर सांदीपनि ऋषि के नाम पर किया गया है। मध्य प्रदेश में अभी तक सीएम राइस स्कूल के नाम से जाने जाने वाले स्कूलों का नाम बदल दिया गया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने राज्य के सभी सीएम राइज स्कूलों का नाम बदलकर सांदीपनि स्कूल रखने की घोषणा की। सीएम ने कहा कि है कि सीएम राइज स्कूल का नाम ऐसा लगता था जैसे अंग्रेजों के जमाने का हो, इसलिए इसे बदलकर सांदीपनि ऋषि के नाम पर किया गया है। प्रदेश के स्कूलों में आज एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान- 2025 का शुभारंभ किया गया है। भोपाल के शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे।

शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों की शिक्षा भी किसी से कमतर नहीं है। सरकारी स्कूलों में पढ़कर भी कई महान व्यक्तित्वों ने विश्वभर में भारत का नाम रोशन किया है। छात्रों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और कड़ी मेहनत के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में सीएम के अलावा जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप भी मौजूद रहे।

नव प्रवेशी विद्यार्थियों का किया स्वागत

कार्यक्रम में सबसे पहले, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी किया गया।गौरतलब है कि प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2025 में सभी शासकीय-अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्यवाही एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर (स्टूडेंट डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम) प्रणाली पर की जा रही है। एजुकेशन पोर्टल में स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सभी कार्यों को शामिल किया है। विभाग से संबंधित जानकारी पोर्टल के माध्यम से सुलभ तरीके से प्राप्त की जा सकेगी।

सीएम ने विद्यार्थियों को दिए टिप्स

- विद्यार्थी समय का पूर्ण सदुपयोग करें
- विद्यार्थी खूब पढ़े भी और खेलें भी
- विद्यार्थी मित्रता का भी सम्मान करें
- कृष्ण और सुदामा की मैत्री से सीखें
- शासन द्वारा सुविधाओं का लाभ लें
- अपनी प्रतिभा से राष्ट्र और प्रदेश का नाम रोशन करें

शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार का हरसंभव प्रयास

कार्यक्रम में मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इस साल 1 अप्रैल से, जब छात्र अपने विद्यालय में प्रवेश करेंगे, तो शासन द्वारा दी जाने वाली किताबें उनके बैग में पहले से उपलब्ध होंगी। यह पहली बार हुआ है कि पूरे राज्य के प्रत्येक जिले में शैक्षणिक सामग्री समय पर वितरित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक कौशल और आत्मनिर्भर बनने के अवसर मिलेंगे। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में पहली बार शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं।

मंत्री भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला में प्रवेश करवाया

महिला-बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की। कलेक्टर नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें। इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गयी।

लड़कियों को जुलाई में मिलेगी साइकिल

उदय प्रताप सिंह ने बताया की कि जुलाई में बेटियों को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे आसानी से शिक्षा प्राप्त कर सकें। साथ ही, उन्होंने शिक्षा विभाग और शिक्षकों को बधाई दी कि इस बार 1 अप्रैल से ही सभी विद्यार्थी अपनी नई कक्षा में प्रवेश कर रहे हैं, जो एक ऐतिहासिक पहल है।

प्रदेश में रोजगार के नए अवसर होंगे सृजित

कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग मंत्री चेतन कश्यप भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर और सागर संभागों में इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया गया। इन समिट्स के माध्यम से 60 फीसदी से अधिक निवेशकों ने उद्योग स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, जिससे प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मप्र उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाला पहला राज्य

वर्ष-2024-25 में वृहद इकाइयों को दिया गया 3100 करोड़ का लंबित इन्सेन्टिव

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहन देने वाला ऐसा राज्य है जहां औद्योगिक इकाइयों को राशि के भुगतान का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ऐसा कोई भी भुगतान लंबित नहीं है जो औद्योगिक इकाइयों को देय था। ऐसा कार्य करने वाला मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक के पहले मंत्रिगण को दिए संबोधन में राज्य शासन की प्राथमिकताओं और गतिविधियों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा एकमात्र राज्य है जहां वृहद और लघु सूक्ष्म, मध्यम उद्योगों के समस्त देयकों का भुगतान पूर्ण हो चुका है। राज्य

शासन औद्योगिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। वृहद औद्योगिक इकाइयों को वर्ष 2024-25 में कुल 3100 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। औद्योगिक विभाग के अंतर्गत वृहद औद्योगिक इकाइयों को आज 702 करोड़ रुपए के इन्सेन्टिव का भुगतान करने का कार्य किया गया। एमएसएमई विभाग के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों को 1075 करोड़ रुपए के लम्बित इन्सेन्टिव का भुगतान किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में एमएसएमई इकाइयों को कुल 2162 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसी तरह आज राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से एमएसएमई और वृहद इकाइयों के लिए 1777 करोड़ रुपए की देय इन्सेन्टिव राशि का भुगतान कर रही है। इससे 2500 से अधिक औद्योगिक इकाइयां लाभान्वित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सफलता के लिए मंत्री परिषद सदस्यों को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। सूचना प्रौद्योगिकी की दृष्टि से मध्यप्रदेश में इंदौर संभावना से भरा क्षेत्र है। यहां देश-विदेश की लगभग 200 कंपनियों की भागीदारी रहेगी।

गोदामों के निरीक्षण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही

सत्ता सुधार ■ भोपाल

गोदामों का नियमानुसार निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। उपार्जित खाद्यान्न के भंडारण के साथ ही शासकीय गोदामों में उपलब्ध रिक्त क्षमता के उपयोग के लिये अन्य वैकल्पिक व्यवसाय प्राप्त करने के प्रयास करें। शासकीय गोदामों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने यह निर्देश मध्यप्रदेश

वेयरहॉउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये।मंत्री राजपूत ने कहा कि निगम की वर्ष 2016 के बाद प्रतिवर्ष की जाने वाली भंडारण शुल्क दरें पुनरीक्षित नहीं की गई हैं। उन्होंने नियमानुसार 1 अप्रैल 2025 से नवीन दरें लागू करने की स्वीकृति भी दी। मंत्री राजपूत ने कहा कि निगम द्वारा प्रस्तावित नवीन बीमा पॉलिसी में पुरानी पॉलिसी में लागू प्रावधानों के साथ ही अन्य नुकसानों का अधिकतम कवरेज करने का भी प्रावधान करें। साथ ही नवीन पॉलिसी तत्काल लागू करने की कार्यवाही करें।

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढ़ाई गुना हुई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश और टर्न ओवर (कारोबार) का दायरा बढ़ाकर ढ़ाई गुना कर दिया गया है। राज्य शासन ने एक अप्रैल 2025 से नए नियम प्रभावी कर दिए हैं। एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि इस नए बदलाव से मध्यप्रदेश में नवीन उद्योग धंधों का विकास होगा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की दक्षता में वृद्धि, तकनीकी उन्नयन और बेहतर वित्तीय पहुंच हो सकेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार 1 अप्रैल 2025 से सूक्ष्म उद्यम के निवेश की सीमा एक करोड़ से बढ़ा कर 2 करोड़ 50 लाख और कारोबार की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रूपये थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और करोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यमों में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा।

13 हजार से अधिक वेटलैंड्स का भौतिक सत्यापन हुआ पूरा

पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखकर ही करेंगे पर्यटन विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यटन विकास के प्रयासों में पर्यावरण का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। प्रकृति और पर्यावरण को क्षति पहुंचाए बिना ही पर्यटन विकास के सभी प्रकल्प क्रियान्वित किए जाएंगे। इस संबंध में समुचित परीक्षण के बाद आवश्यक निर्णय लिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की पांचवीं बैठक मंगलवार को मंत्रालय में संपन्न हुई। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में प्रदेश में वेटलैण्ड्स के भौतिक सत्यापन और सीमांकन कार्य की जानकारी प्राप्त कर सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि इसरो-एसएसी-2021 एटलस के अनुसार प्रदेश में भौतिक सत्यापन और सीमांकन का कार्य पर्यावरण विभाग के राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। यह वेटलैण्ड्स 2.25 हैक्टेयर क्षेत्रफल से अधिक के हैं। यह कार्य राजस्व विभाग और वन विभाग के सहयोग और संबंधित जिला प्रशासन के नेतृत्व में सम्पन्न करवाया जा रहा है।

सभी नगरों में सीवरेज प्रोजेक्ट्स जल्द से जल्द पूरा करें : सीएम

सॉलिड वेस्ट के साथ ही लिक्विड वेस्ट के समुचित निदान पर भी दें ध्यान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी नगरों में चल रहे सीवरेज प्रोजेक्ट्स जल्द से जल्द पूरे किये जायें। सीवरेज के लिए स्थायी प्रकृति के काम हों। शहरों के वेस्ट वाटर का नदियों में निस्तारण (डिस्पोजल) न होने पाए, इससे हमारी नदियां प्रदूषित होने से बचेंगी। उन्होंने कहा कि सॉलिड वेस्ट के साथ लिक्विड वेस्ट (गंदा पानी) के समुचित निस्तारण पर भी विशेष ध्यान देकर प्रभावी कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के संचालक मंडल की 10वीं बैठक की अध्यक्षता कर संबोधित कर रहे थे। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं संचालक कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव एवं मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं संचालक अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कंपनी के संचालक डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं कंपनी के संचालक नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास एवं कंपनी के संचालक संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव वित्त एवं कंपनी संचालक मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पीएचई एवं कंपनी के संचालक पी.नरहरि, मुख्यमंत्री के सचिव एवं आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास एवं कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सिबी चक्रवर्ती एम. सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल और इंदौर जल्द ही मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए अपने कार्य में महारत हासिल करने वाले अच्छे शहर नियोजकों को अर्बन कंपनी से जोड़ें।

बैठक — भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद बोले- भाजपा के स्थापना दिवस पर करें मिठाई का वितरण

भारत रत्न अंबेडकर जयंती की तैयारियों में जुट जाएं

बस्तियों का दौरा कर स्वच्छता अभियान में भाग लें पार्टी पदाधिकारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ के व्हाट्सअप और लाभार्थी प्रमुख 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को जोड़ें। कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की तैयारियों में जुट जाएं। मंडल समितियों में महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मनाने के लिए विशेष तैयारियां करें और अपने निवास और पार्टी कार्यालय पर पार्टी का ध्वज लगाकर पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएं। कार्यालय को सजावट कर रंगोली सजाएं तथा मिठाई बांटें। सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर 'हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत' के साथ पोस्ट करें। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया।

बस्तियों में स्वच्छता व सेवा कार्यों में जुटें पदाधिकारी

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर भाजपा की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर नए प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना सुनिश्चित करें। 7 से 12 अप्रैल के बीच जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि व मंडल अध्यक्ष दिन में 8 घंटे बस्ती चलो अभियान के तहत सेवा बस्ती का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल व गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लें। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत करें, आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करें। स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजन तथा अलग-अलग समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के घर पहुंचना है। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता, मीसा बंदी तथा कारसेवकों का सम्मान करने के साथ बूथ समितियों की बैठक आयोजित करना है।

भोपाल आज का तापमान
MIN 23 MAX 34

ब्रीफ न्यूज

वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस के फाइनलिस्ट की घोषणा

भोपाल। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ संयुक्त भागीदारी में इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन ने वेव्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप और इंटरनेशनल एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन असिफा इंडिया ने वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस के फाइनलिस्ट की घोषणा मंगलवार को भोपाल में आयोजित एक समारोह में की। इन्हें मुंबई में 1 से 4 मई, 2025 को आयोजित होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट में पुरुस्कार प्रदान किये जाएंगे। कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पीआईबी, भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने वेव्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है जो पेशेवर उद्यमी, निवेशक, निर्माता और नवप्रवर्तकों को मनोरंजन क्षेत्र में जुड़ने, सहयोग करने, नवप्रवर्तन करने और योगदान करने के लिए शानदार वैश्विक मंच प्रदान करता है। यह कन्टेंट निर्माण, बौद्धिक संपदा और तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।

पिता ने छह वर्षीय बच्ची को पिलाई शराब

भोपाल। हबीबगंज इलाके में एक पिता ने छह वर्षीय की मासूम बच्ची को शराब पिला दी। बच्ची एक एनजीओ के सदस्यों को नशे में मिली तो उन्होंने हबीबगंज थाने में बच्ची को ले जाकर शिकायत की। पुलिस को शुरूआत में दिए बयानों में बच्ची ने छेड़छाड़ बात कही है, लेकिन बाद में वह उसने इनकार कर दिया, जिससे पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया है। बच्ची का मेडिकल टेस्ट करवा लिया गया है, जिसमें कुछ भी स्पष्ट नहीं हो सका। पुलिस का कहना है कि मंगलवार को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की काउंसलिंग के बाद बच्ची के आधिकारिक बयान दर्ज किए जाएंगे। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि रविवार को एनजीओ के पदाधिकारी इलाके में रहने वाली छह साल की बच्ची को लेकर थाने आए।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को करें पूर्ण : संभागायुक्त

सत्ता सुधार ■ भोपाल

संभागायुक्त संजीव सिंह ने प्रचलित एवं स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने,खेत तालाबों, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं ऐतिहासिक धार्मिक तालाबों जलस्त्रोतों तथा देवालयों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों को जिओ टैग कर समेकित रूप से जानकारी संग्रह करने एवं सभी शासकीय विभागों के बिल्डिंग्स में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को जिले में सहभागी विभागों द्वारा अभियान के लिए प्रस्तावित गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त संजीव सिंह ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, सीईओ स्मार्ट सिटी अंजू अरुण कुमार, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश

संभागायुक्त सिंह ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शहरी क्षेत्रों के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास करने, जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी के लिए अमृत मित्र बनाने एवं नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने भूजल संवर्धन, नल जल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन लीकेज, टपकते नल ओर अपव्यय के निराकरण करने एवं पेयजल स्त्रोतों के पुनर्भरण के लिए रिचार्ज शाफ्ट संरचना के निर्माण कार्य के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी को औद्योगिक इकाइयों में रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग के प्रावधान का पालन करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी एवं प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को जन अभियान परिषद के साथ समन्वय स्थापित कर जल संचय और संवर्धन के महत्व और संवेदनशीलता का प्रचार-प्रसार कर जनसहभागिता से जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के कार्य करने के निर्देश दिए।

दूर कर दी हैं, हमने सारी बाधाएं आप उद्योग लगाएं, सरकार करेगी मदद

पीएम मोदी के विश्वास पर खरी उतरी प्रदेश सरकार जीआईएस में मिले 30 लाख करोड़ के निवेश

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश एक नई उड़ान पर है। सरकार की रीति-नीति से निवेशकों में विश्वास का माहौल बना है। प्रदेश में उद्यमी, उद्योगपति, व्यापारी, व्यवसायी सब उत्साहित हैं। हम उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए एक नई धारा, एक नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में बिजनेस को सहज बनाने के लिए हमने सारी बाधाएं, सारी रूकावटें दूर कर दी हैं। आप बस उद्योग लगाएं, हमारी सरकार उद्योग लगाने से लेकर इसे संचालित करने तक आपकी हर जरूरी मदद करेगी, प्रोत्साहन इन्सेटिव देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की ओर से एक निजी होटल में आयोजित उद्योग निवेश सब्सिडी के वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में स्थापित करीब 2500 सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को 1075 करोड़ और छोटे-बड़े (वृहद श्रेणी के) उद्योगों को करीब 703 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 1778 करोड़ रुपए की उद्योग निवेश सब्सिडी हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट दबाकर सिंगल क्लिक से डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सब्सिड़ी राशि उद्यमियों (निवेशकों) के बैंक खाते में ट्रांसफर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्यमियों का बढ़ता हौसला ही हमारी पूंजी है। जीआईएस से हमें बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला है। मध्यप्रदेश में हर निवेशक का स्वागत है, सम्मान है। हमने छोटे-बड़े सभी उद्योगों को प्रोत्साहन दिया है, नए वित्त वर्ष के सालाना राज्य बजट में भी हमने सबका ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि बीते साल हमने 5 हजार 260 करोड़ की उद्योग निवेश सब्सिडी राशि पूरी पारदर्शिता के साथ डीबीटी के जरिए ही निवेशकों के खातों में हस्तांतरित की। यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

दुग्ध उत्पादन में सहकारिता बढ़ाएं, दुग्ध उत्पादक समितियों और संघों को भी दें प्रोत्साहन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक सम्मेलन 13 अप्रैल को नीमच में

मुख्यमंत्री ने नीमच में होने वाले सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए दुग्ध उत्पादन में सहकारिता बढ़ाएं। इस काम के लिए गांव-गांव में उपलब्ध दुग्ध उत्पादक समितियों और दुग्ध उत्पादकों संघों को भी जोड़कर उन्हें प्रोत्साहन दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में आगामी 13 अप्रैल को नीमच मं राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक (गोपाल) सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में राज्य शासन एमपीसीडीएफ, दुग्ध संघों एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य सहकार्यता अनुबंधों का निष्पादन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में 13 अप्रैल को नीमच में होने वाले सम्मेलन की प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए स्व-सहायता समूहों के फेडरेशन, दुग्ध महासंघ, राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड व दूध उत्पादन से जुड़ी अन्य संस्थाओं को एक मंच में लाकर इनसे मार्गदर्शन लेकर आगे बढ़ें। जैविक उत्पादों सहित गौवंश जनित उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, जिससे इन उत्पादों को समुचित बाजार मिले और इसका सबसे अधिक दुग्ध उत्पादकों को हो।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में दीपक एडवरटाइजिंग का शानदार ग्रोथ दर्ज

प्रिंट मीडिया बिजनेस में भारी उछाल : दीपक जेठा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

मध्यभारत की नं. 1 मीडिया व क्रिएटिव एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में शानदार व्यवसायिक वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक जेठा ने बताया कि लगभग सभी कैटेगरी में वृद्धि हुई पर सबसे ज्यादा वृद्धि ज्वेलरी, एजुकेशन, लाइफ स्टाइल, ऑटोमोबाइल और गवर्नमेंन्ट सेगमेंट ने की है। रियल स्टेट भी अपने दो वर्ष पूर्व की तेजी को पाने के लिये प्रयास कर रहा है। आने वाले वित्तीय वर्ष में भी प्रिंट मीडिया का बोलबाला रहने की उम्मीद उन्होने व्यक्त की है। कॉल फॉर एक्शन कम्युनिकेशन के लिए प्रिंट मीडिया को उन्होने सर्वाधिक प्रभावशाली बताया। उल्लेखनीय है कि एडवरटाइजिंग वर्ल्ड में स्थापित ब्रांड बन चुकी दीपक एडवरटाइजिंग एजेंसी अब तक 190 नेशनल व इंटरनेशनल अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी हैं, जिसमें 17 बार एजेंसी ऑफ द ईयर का अवॉर्ड शामिल हैं। दीपक एडवरटाइजिंग आईएनएस, सीबीसी और प्रसार भारती में अधिकृत मध्यभारत की एकमात्र विज्ञापन एजेंसी है।

निगम अमले ने कई क्षेत्रों से हटाया अतिक्रमण

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले, गुमठी, फुलकी ठेला, फ्रूट ठेले, चार पहिया वाहन, फुटपाथ से सब्जी की दुकान, काउंटर, आईस्क्रीम की गाड़ी, दुकानों के बाहर रखा सामान व अन्य अतिक्रमण हटवाया तथा फ्लेक्स बोर्ड, चादर, बल्ली, ठेला, दुकानों के बाहर लगी त्रिपाल (पन्नी) व विभिन्न प्रकार का सामान जब्त किया।

रेपिडो बाइक ड्राइवर से चाकू अड़ाकर मोबाइल लूटा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी में कहने को तो कमिश्नरी है, अपराधों को रोकने के लिए जिले को चार पुलिस जोन में बांटा गया है,लेकिन अपराधों को रोकने तो दूर पुलिस उनकी पहचान तक नहीं कर पा रही है और लूट पर लूट हो रही है। मजेदार बात यह है कि इन घटनाओं के बाद आला अधिकारी चुप हैं। ताजा मामला पिपलानी इलाके का है। जहां एक रेपिडो बाइक चालक के साथ शातिर बदमाश ने छुरी अड़ाकर 22 हजार रुपए का मोबाइल लूट लिया। घटना के बाद पीडित इतना डर गया कि उसने उसने घटना के छह दिन बाद पुलिस को इसकी शिकायत की, जिस पर पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। घटना 24 मार्च की है। पिपलानी थाने के एसआई केपी सिंह ने बताया कि सेमरा चांदवड का रहने वाला 24 वर्षीय अंकित सिंह एमसीए की निजी कालेज से एमसीए की पढ़ाई कर रहा है। वह अपने खर्चे निकालने के लिए रेपिडो की बाइक टैक्सी चलाने का काम भी करता है। 24 मार्च को करीब पांच बजे उसे एक संदेश आया।

एक व्यक्ति ने उसकी बाइक को छोला मंदिर जाने के लिए बुक किया था, उसने अपना नाम शुभम कहार बताया था। वह उसे लेने के लिए जेके रोड पर मिनाल रेसीडेंसी कॉलोनी के गेट पर पहुंचा, जहां उसे लेकर वह छोला मंदिर गया। जहां उसने रुपये न होने का बहाना बनाकर कहा कि वह रत्नागिरी पिपलानी में रहता है। वह उसे वहां रुपये दे देगा। उसे लेकर वह वापस आ रहा था तो उसने बीचइएल क्वाटर के पास खाली आवास के पास बाइक को रुकवाया। छुरी निकालकर उसके साथ मारपीट कर उसका मोबाइल लूट लिया।

राज्य स्थापना दिवस हमारी मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस

राजभवन में बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवस का संयुक्त समारोह

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस पर हमारे देश की मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस है। इसे अपनी विरासत को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सभी राज्यों ने हमेशा अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के द्वारा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण धरोहर को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य करना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्सव है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की धरोहरों के संरक्षण, संकल्प एक भारत-श्रेष्ठ भारत का शानदार प्रदर्शन है। राज्य का स्थापना दिवस को मनाना प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का प्रसंग है।

राज्यपाल पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवसों के संयुक्त समारोह में राज्यों के मूल निवासी मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेत्र सुप्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं भरत कुमार डालमिया और राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव मंचासीन थे। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग जन जागृति पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण एवं विरूपण मोहर का अनावरण किया। पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेत्र सुप्रीति अग्रवाल ने बताया कि डाक टिकट देश विदेश में जन जागृति के प्रभावी माध्यम होते हैं। डाक विभाग द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सिकल सेल एनीमिया रोग पर डाक टिकट जारी किया गया था। इसी क्रम में जारी विशेष आवरण के अनावरण के लिए राज्यपाल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से जल संरक्षण को मिल रहा नया आयाम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को लेकर राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जनान्दोलन का रूप ले रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट से शुभारंभ के बाद अब यह अभियान पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया है। इसमें जल संरक्षण, रेनोवेशन, जलसंरचनाओं का पुनर्जीवन और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बैतूल जिले में जन अभियान परिषद के तत्वावधान में काशी तालाब में स्वच्छता अभियान और श्रमदान आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर और जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने स्थानीय रहवासियों को तालाब स्वच्छ रखने और पॉलीथिन व कचरा न फेंकने की समझाइश दी। वहीं, विकासखंड भैंसदेही में मां पूर्णा नदी के घाट पर सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान 92 श्रमदानियों ने सहभागिता निभाई। धार जिले की नगर परिषद राजगढ़ ने अभियान के तहत प्राचीन बावड़ियों, कुओं और तालाबों के पुनर्जीवन की दिशा में पहल की है। वार्ड क्रमांक 14 में बाबाजी के कुएं पर सफाई अभियान चलाकर जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। नगर परिषद विभिन्न जल स्त्रोतों की पहचान कर उन्हें पुनर्जीवित करने के प्रयास कर रही है। मंदसौर जिले में जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में खेरखेड़ी तालाब का गहरीकरण किया गया। यह कार्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से किया जा रहा है। कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत भैसायागढ़ा में तालाब जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हुआ। वहीं, ग्राम पंचायत खमलाय में रूफवाटर हार्वेस्टिंग कार्य का भूमि-पूजन भी किया गया। कटनी जिले में दीवार लेखन और जागरूकता रैली के माध्यम से जल संरक्षण की प्रेरणा दी जा रही है।

कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं पर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 75 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम सिद्धार्थ जैन, भूपेन्द्र गोयल,अंकुर मेश्राम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

रेस्क्यू ग्रामवासियों की मांग पर वन विहार व सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने किया बाघों का रेस्क्यू

भोजपुर से दो बाघों को रेस्क्यू कर सतपुड़ा रिजर्व भेजा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त के मार्गदर्शन एवं वन मण्डल अधिकारी ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टॉफ द्वारा सोमवार को ग्रामवासियों की मांग पर टाइगर्स को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए गए। वन विहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दो बाघ का सफल रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत दोनों टाइगर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया। भोजपुर से लगे हुए वन क्षेत्र बीट भोजपुर में भोजपुर-ईमलिया मार्ग पर दो बाघ का लगातार विचरण विगत एक माह से बना हुआ था। इन बाघों द्वारा 5 मवेशियों का शिकार किया गया था। टाइगर के विचरण के कारण ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे थे। बाघों का खेतों में विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे। खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है। कुछ ग्रामीण मण्डीदीप फैक्ट्रियों में नौकरी करने भी जाते हैं। वन विभाग से ग्रामवासी लगातार टाइगर्स के रेस्क्यू की मांग कर रहे थे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर भी टाइगर के मूवमेंट के संबंध में लिखा था। ग्रामीणों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने दोनों बाघ को रेस्क्यू करने का निर्णय लिया।

ब्रीफ न्यूज

भविष्य से भेंट कार्यक्रम आज

ग्वालियर। स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन बुधवार को ग्वालियर जिले के सरकारी स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित गणमान्य नागरिक प्रेरक के रूप में स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। आमंत्रित अतिथिगण स्कूलों में उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरू भविष्य से भेंट के तहत शासकीय कन्या पद्मा राजे उमावि कम्पू, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव नवल शुक्ला शासकीय गजराराजा कन्या उमावि कम्पू, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती गायत्री गुर्जर व सुश्री स्नेहलता चंदेल शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मीबाई उमावि मुरार, इंडियन मेडीकल एसोसिएशन की सचिव श्रीमती स्नेहलता दुबे शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्रमांक 1 मुरार जिले के विभिन्न स्कूलों में भविष्य से भेंट के तहत बच्चों का मार्गदर्शन करने पहुंचेंगे।

पहले होली मिलन अब मन की बात

प्रशासनिक हलकों में भाजपा प्रेम को लेकर विपक्ष ने उठाए सवाल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

प्रशासनिक हलकों में सत्तारूढ़ दल का प्रभाव किस कदर हावी हो रहा है, इसका असर अब साफ दिखाई देने लगा है। बीते रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई मन की बात कार्यक्रम को फालका बाजार पुलिस चौकी के अंदर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सुना गया , जिसे संवैधानिक दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इससे पहले भाजपा द्वारा आयोजित एक होली मिलन समारोह में जिले के वरिष्ठ अधिकारी न सिर्फ शामिल हुए बल्कि पार्टी द्वारा पहनाए गए गमछों को पहनकर होली का खुलकर आनंद लिया। प्रशासनिक पदों पर निष्पक्षता का जामा पहने बैठे जिम्मेदार अधिकारियों की निष्पक्ष कार्यप्रणाली पर विपक्ष ने सवाल खड़े करना शुरू कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रविवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ÷मन की बात कार्यक्रम को वार्ड 35 के बूथ क्रमांक 90 के अंतर्गत फालका बाजार पुलिस चौकी पर बूथ अध्यक्ष बूथ क्र.92 व लाभार्थी सहित प्रमुख सदस्यो के साथ बैठकर सुना , गनीमत इतनी रही कि जिस समय फोटो खींची गई उस समय पुलिस चौकी प्रभारी अपनी सीट पर बैठे नजर नहीं आए।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि पार्टी स्तर के कार्यक्रमों में शासन और प्रशासन के बीच बनाई गई संवैधानिक दूरी का क्या कोई महत्व नहीं रहा है। ये सच है कि प्रशासन की सत्तारूढ़ दल के प्रति अपनी एक जिम्मेदारी होती है, तो दूसरी तरफ उसकी जवाबदेही में यह भी शामिल है कि कानून व्यवस्था पर निष्पक्षता को लेकर लोगों में भरोसा कायम बना रहे। पुलिस चौकी प्रशासनिक कार्यालय है जहां पक्ष- विपक्ष के साथ आम लोगों का विश्वास जुड़ा है। जब ऐसी जगहों पर पार्टी कार्यकर्ताओं सहित कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाएगा तो आम इंसान पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा विचार किया जाना जरूरी है।

इनका कहना

जब प्रशासनिक अधिकारी भाजपा के होली मिलन समारोह में पार्टी का गमछा पहनकर शामिल हो सकते हैं तो पुलिस चौकी में भाजपा के प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात सुनना कौन सी बड़ी बात है।

धर्मेंद्र शर्मा
कांग्रेस मीडिया प्रभारी

हम सबके लिए सबसे पहले राष्ट्र है, प्रधानमंत्री के रूप मोदी संवैधानिक पद पर हैं, यदि उनके द्वारा समाज से जुड़ा लोगों के उत्थान के लिए प्रेरक उद्बोधन दिया जा रहा है तो देशहित में उसे सभी सुन सकते हैं।

अरविंद सक्सेना, आईजी ग्वालियर

पंजाबी परिषद ग्वालियर चंबल संभाग का होली मिलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

कन्हैयालाल आनंद सर्वसम्मति बने पुनः अध्यक्ष बने

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पंजाबी परिषद ग्वालियर चंबल संभाग का होली मिलन, साधारण बैठक एवं चंबल संभाग की इकाईयों एवं बिरादरियों में श्रेष्ठ कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चंबल संभाग एवं बिरादरियों के अध्यक्ष व सचिव पहुंचे। जिनका तिलक, चंदन एवं मोतियों की माला से स्वागत किया गया। मंचासीन समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल आनंद, महिला अध्यक्ष कुसुम भसीन, संरक्षक हरबंस लाल जुनेजा एवं मिलाद चंद विरमानी द्वारा बिरादरियों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले डबरा से केवल कृष्ण, शिवपुरी से मिलाप चंद विरमानी एवं आदर्श रामलीला समिति के अध्यक्ष हरिओम नागपाल, मोहनलाल अरोड़ा, भरत कथूरिया को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात कन्हैयालाल आनंद द्वारा चंबल संभाग की कार्यकारिणी को भंग कर पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा, जिसमें चंबल संभाग के आए हुए सभी सदस्यों ने आनंद के किए हुए पिछले कार्य कार्य को देखते हुए सर्वसमिति से पुनः कन्हैयालाल आनंद को पंजाबी परिषद ग्वालियर चंबल संभाग का अध्यक्ष बनाया गया एवं कन्हैया लाल आनंद ने महिला अध्यक्ष कुसुम भसीन को पुनः अध्यक्ष पद से नवाजा और पूरे हॉल में तालियों की गड़गड़ाहट एवं खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

सैकड़ों साल पुरानी इमारत बनी खतरनाक फिर भी इस पर ध्यान नहीं

थाने की इमारत जर्जर, इसके दरवाजे से रोज निकलकर जाते हैं स्कूली बच्चे, बिल्डिंग की दीवार गिरी

भितरवार। नगर के वार्ड क्रमांक 13 में रियासत कालीन समय की जर्जर बिल्डिंग है,जिसमें आजादी के बाद से कई साल तक पुलिस थाना संचालित हुआ। आज यह बिल्डिंग किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है,जिसकी आए दिन दीवार ढह जाती है ,जी हां हम बात कर रहे हैं। भितरवार के वार्ड 13 में खाली पड़ी पुराने थाने की इमारत की। वर्तमान में इस जर्जर इमारत के दरवाजे के नीचे से होकर स्कूल के सैकड़ों बच्चे पढ़ने के लिए जाते हैं। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।दरअसल यहां रहने वाले बुजुर्गों का कहना है की इसमें रियासत के समय का रिकॉर्ड रूम हुआ करता था। बाद में इसे पुलिस थाने की इमारत बना दिया गया था। हालांकि अब इसमें पुलिस थाना संचालित नहीं होता लेकिन इसके बावजूद भी इसे गिराया नहीं गया है। जबकि इसके पीछे बालक प्राथमिक और बालक माध्यमिक के साथ कन्या माध्यमिक सरकारी स्कूलों के अलावा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का कार्यालय संचालित होते हैं। जिसमें पढ़ने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे आते- जाते हैं। तो दूसरी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय में भी सैकड़ो की तादाद में प्रतिदिन महिलाएं अपने कामकाज के लिए आवागमन इसी मार्ग से होकर करती हैं।

अचानक दीवार गिरी हादसा टला: पुराने थाने के नाम से आरक्षित जर्जर भवन का एक हिस्सा मंगलवार की सुबह उस समय भर भराकर ढह गया जब उक्त भवन के पास ग्राउंड में आसपास कुछ बच्चे क्रिकेट मैच खेल रहें थे कि तभी अचानक जर्जर भवन की एक दीवार धराशाई होकर नीचे गिरी लेकिन बच्चों ने भागकर अपनी जान बचाई और बड़ा हादसा होने से बच गया। पिछले महीने हुई मावठ की बारिश में इस भवन का कुछ हिस्स्स गिर गया था। जिससे बड़ी हानि होने से बच गई थी।

इनका कहना है ...

इस संबंध में पत्र भेजा जाएगा हम पुलिस विभाग को जर्जर बिल्डिंग पर जल्द कोई निर्णय लेने के लिए पत्र भेजने की कार्रवाई करेंगे।

नरहरी मिश्रा
बीआरसीसी, भितरवार

हमारे द्वारा बारिश के समय जर्जर बिल्डिंग को गिराने के लिए पुलिस विभाग को पत्र भेजा गया, लेकिन पुलिस विभाग से कोई जबाब नहीं मिला, उनकी अनुमति के हम जर्जर बिल्डिंग को गिरा नहीं सकते।

महेश चंद्र जाटव
सीएमओ नगर परिसद
भितरवार

सकारात्मक सोच के साथ काम करने वाले पत्रकार ही समाज का भला कर सकते हैं: शलभ भदौरिया

ग्वालियर संभाग के जिला इकाई का सम्मेलन हुआ, तीन सौ से अधिक पत्रकारों का सम्मान हुआ

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने कहा है कि सकारात्मक सोच के साथ काम करने वाले पत्रकार ही समाज का भला कर सकते हैं। पत्रकारों से एकजुट रहने का आव्हान करते हुये श्री भदौरिया ने कहा कि प्रतिस्पर्धा हो मगर स्वस्थ हो और पत्रकार हितों की बात जब आये तो आप सब एक साथ खड़े नजर आये। श्री भदौरिया मंगलवार को माधव मंगलम गार्डन में आयोजित संघ के ग्वालियर संभाग एवं जिला सम्मेलन में बोल रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश की डा. मोहन यादव सरकार पत्रकारों की भलाई के लिये काम कर रही है और अनेक समस्याओं का समाधान कराया है। मेरे पास जब भी कोई समस्या पत्रकारों की आई, मैंने महापौर एवं सांसद रहते उनका निराकरण कराया। मैं मानता हूं कि श्रमजीवी पत्रकार संघ पत्रकारों की असली लड़ाई लड़ता है। प्रदेशभर में इस संगठन को काम करते देख रहा हूं। उन्होंने सफल आयोजन के लिये संघ को बधाई दी। कार्यक्रम में विधायक डा. सतीश सिकरवार ने कहा कि पत्रकार आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं, सरकार को पत्रकार सुरक्षा कानून समेत अन्य मांगों को सकारात्मक रूख अपनाते हुये पूरा करना चाहिये। उन्होंने सफल आयोजन के लिये बधाई भी दी। भाजपा के युवा नेता देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश का सबसे बड़ा पत्रकारों का संगठन है। संगठन पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़ने वाला बड़ा संगठन है। कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष राजकुमार दुबे एवं महासचिव सत्यनारायण वैष्णव, रामकिशोर अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक सुरेश शर्मा ने किया और स्वागत भाषण श्रीमती कविता मांढरे संभागीय अध्यक्ष ने दिया।

राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने शलभ भदौरिया को दी बधाई

राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने भेजे अपने संदेश में कहा कि पत्रकार समाज के पथ प्रदर्शक हैं। मैं प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई देता हूं।

सभापति तोमर ने दी बधाई

नगर निगम के सभापति मनोज तोमर ने प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया को दुपटटा पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

धूमधाम से मना शलभ भदौरिया का जन्मदिन

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया और आतिशबाजी चलाकर ढोल नगाड़ों के साथ अतिथियों की मौजूदगी में केक काटा गया। सभी अतिथियों ने श्री भदौरिया को बधाई दी। कार्यक्रम संयोजक सुरेश शर्मा ने साफा पहनाकर, तलवार भेंट कर एवं भगवान श्रीराम दरबार का स्मृति चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया।

गालव के सिंगर भक्तों ने किया भजन संध्या का आयोजन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

गालव म्यूजिकल ग्रुप के सिंगर भक्तों ने नवरात्रि में चैत्र नववर्ष आगमन, स्वागत सत्कार और जागरण में मांडरे की माता मंदिर में भजन संध्या मां के चरणों में सुर संगीत की भक्ति मे प्रस्तुत किया। ग्रुप एडमिन राजेन्द्र परिहार ने बताया कि गालव म्यूजिकल ग्रुप के सभी सिंगर ने एक से बढ़कर भजन गाए। जिसमें भजन संध्या में कौशलेन्द्र शर्मा और दिलीप कटारिया ने तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए से शुरूआत की। तरूण अरोरा ने मन लेके आया माता रानी के भवन में, प्रेम ने मैं बालक तू माता शेरावालिए, राधा मांझी ने ऊंचे पहाड़ों वाली, मधु जोशी ने शक्ति दे मां, शारिब कौसर ने ऊचा है भवन, हे काल रात्रि हे कल्याणी तेरा जोड़ धरा पर कोई नहीं, हरीश बत्रा ने मां शारदे मां शारदे आदि भक्ति गाने प्रस्तुत किये। जिसमें वहां आये सभी भक्तों ने झूमकर हर भजन पर हाजरी दी। ग्रुप एडमिन राजेन्द्र परिहार ने ले के पूजा की थाली गाने के साथ सभी भक्तजनों और मंदिर के पुजारी को भक्तिमय बनाया।

अग्रवाल एकता संगिनी ने मनाया गणगौर उत्सव

ग्वालियर। अग्रवाल एकता संगिनी द्वारा फ्रिज कॉर्नर नया बाजार स्कूल में गणगौर उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम की ओनर श्रीमती पूजा अग्रवाल थीं। जिसमें 21 महिलाओं द्वारा गणगौर का उज्जवल किया गया एवं बड़ी धूमधाम से मनाया गया। माता की चुनरी भी चढ़ाई गई। सभी महिलाओं ने नाच गाने एवं स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। यह कार्यक्रम विगत पंद्रह सालों से लगातार किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, विजय गर्ग उपस्थित रहे। इस अवसर पर संध्या गोयल, इंद्रा मंगल, गायत्री बंसल, ज्योति गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, राधा अग्रवाल, ज्योति बंसल, पिंकी अग्रवाल, पूनम गर्ग, रेणु बंसल, कांता गोयल, कुसुम बंसल, संध्या बंसल, मीनू अग्रवाल, गीता सूर्यवंशी, नीता सोनी, बेबी बंसल आदि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में 800 महिलाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को पूजा अग्रवाल एवं संध्या गोयल की तरफ से उपहार वितरित किए गए।

गर्मी में बढ़ जाता है फूड पॉइजनिंग का खतरा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

सोफिया हॉस्पिटल के इंटर्न डॉ.पंकज मौर्य ने बताया कि गर्मी शुरू होते ही कई तरह की सेहत से जुड़ी परेशानिया भी बढ़ने लगती हैं। तेज धूप, बढ़ता तापमान और पसीना निकलने की वजह से शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर हम सतर्क ना रहे तो बीमारियां गंभीर रूप ले सकती हैं। डिहाईड्रेशन और फूड पॉइजनिंग सबसे ज्यादा होती है। अगर इससे बचना है तो जरूरी चीजों का ध्यान रखना चाहिए। फूड प्वाइजनिंग कब होती है, जब आप ऐसे भोजन या पानी का सेवन करते हैं जिसमें वायरस बैक्टीरिया परजीवी द्वारा पैदा किए गए विसैले तत्व मौजूद होते हैं।

फूड पॉइजनिंग के लक्षण

फूड पॉइजनिंग के दौरान पेट में दर्द होना, सर दर्द होना, उल्टी, दस्त, बुखार आदि मुख्य लक्षण शामिल है। इन सब लक्षणों के मिलने पर अपने नजदीकी चिकित्सक से तुरंत परामर्श लें।

बचाव कैसे करें

सरल सुपाच्य भोजन करना चाहिए और शरीर को हाइड्रेट रखें। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए। ज्यादा धूप में जाने से बचें, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, खाने में ज्यादा मसालेदार चीजों से बचें।

होम्योपैथिक उपाय

इसके लिए होम्योपैथिक की दवाई प्रभावित है। जैसे नक्श वोमिका- अधिक जंक फूड, जंक फूड, तला भुना खाना यदि मसालेदार भोजन के कारण पाचन खराब हो गया है तो इसलिए दिया जा सकता है। कार्बो वेज-पेट में अत्यधिक गैस और ब्लोटिंग होने की स्थिति में चाइना बार-बार पतले दस्त हो रहे हैं और शरीर में कमजोरी लग रही हो। अल्फा- पाचन तंत्र को मजबूत करने और भूख बढ़ाने के लिए मदगार हैं, अगर आप पेट को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो होम्योपैथिक दवाई फायदेमंद हो सकती है, लेकिन यह हमेशा डॉक्टर की सलाह से ही लेनी चाहिए।

प्रवेशोत्सव : शासकीय स्कूलों में शिक्षकों ने बच्चों का पुष्पाहारों से किया स्वागत

भितरवार। स्कूल चलें अभियान के तहत अप्रैल माह के पहले दिन मंगलवार को विकासखंड के सरकारी स्कूलों में भी प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुए शासकीय विद्यालयों के प्रवेशोत्सव में बीआरसीसी नरहरि मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए। आरंभ में अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने विद्यालय की नव प्रवेशी बालक बालिकाओं का पुष्पाहारों से स्वागत कर उन्हें पाठ्य पुस्तकों के सैट सौंपे। बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने इस अवसर पर छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित करें और आत्मविश्वास रखकर लक्ष्य प्राप्ति के लिये कड़ी मेहनत करें। ऐसा करने से सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि ऊँचे सपने देखो और उन्हें हासिल करने के लिये अनुशासन के साथ प्रयास करें। बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लगन,मेहनत व समय का सदुपयोग करें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् सीहोर जिला सीहोर (म.प्र.)

क्रमांक /12757 राजस्व/नपासी / 2025 सीहोर, दिनांक 01/04/2025

:: नामांतरण सूचना ::

म.प्र. नगरपालिका अधिनियम 1961 की उपधारा 109 के तहत नगरपालिका परिषद सीहोर दवारा आवंटित दुकान/भवनों के संबंध में नामांतरण प्रकरण इस कार्यालय को प्राप्त हुये हैं। एतद दवारा इस प्रकाशित सूचना के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / फर्म / बैंक/ वित्तीय संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो इस सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर तथ्यात्मक अभिलेखों सहित इस कार्यालय में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

नामांतरण का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	आवंटिती का नाम	प्रस्तावित आवंटिती का नाम	संपत्ति विवरण	नामांतरण का आधार
01	श्री जैन उद्दीन राजा आ. एच. ए. राजा	श्री अली अकबर आ. जैन उद्दीन	दुकान कमांक 01 नगर पालिका के पास	फौती नामांतरण
02	श्री जैन उद्दीन राजा आ. एच. ए. राजा	श्री हुसैन राजा आ. जैन उद्दीन	दुकान कमांक 02 नगर पालिका के पास	फौती नामांतरण
03	श्री सुरेन्द्र कुमार आ. महेन्द्र कुमार	श्री अक्षत माहेश्वरी आ. अजय माहेश्वरी	दुकान कमांक 07 नेहरू पार्क के पास	ई-स्टाम्प

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)

लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.–27–28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.– 08/2025/निविदा/सा/मु.अ.भ./ भोपाल दिनांक 24.03.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWPIU_412632_1	ग्राम कामठामाल मे जिला बैतूल मे शासकीय माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य	बैतूल	41.13	50000	5000	08 माह वर्षाकाल सहित
2	2025_PWPIU_412623_1	ग्राम झिरियाडोह मे जिला बैतूल मे शासकीय माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य	बैतूल	41.13	50000	5000	08 माह वर्षाकाल सहित
3	2025_PWPIU_412670_1	ग्राम जडीया मे जिला बैतूल मे शासकीय माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य	बैतूल	41.13	50000	5000	08 माह वर्षाकाल सहित
4	2025_PWPIU_412661_1	ग्राम धाबा एवं बोथिया मे जिला बैतूल मे शासकीय माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य	बैतूल	82.27	82270	10000	08 माह वर्षाकाल सहित
5	2025_PWPIU_412681_1	ग्राम महतपुर एवं दुनावा मे जिला बैतूल मे शासकीय माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य	बैतूल	69.77	69770	10000	08 माह वर्षाकाल सहित
6	2025_PWPIU_412864_1	ग्राम बानूर मे जिला बैतूल मे शासकीय माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य	बैतूल	41.13	50000	5000	08 माह वर्षाकाल सहित
7	2025_PWPIU_412626_1	3+1 वी.आई.पी. सूट हाउस एवं 04 नग आई टाईप निर्माण कार्य शुजालपुर जिला शाजापुर	शाजापुर	381.27	381270	15000	12 माह वर्षाकाल सहित

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट **http:// mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।

2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन–लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।

3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन–लाईन दिनांक 24.03.2025 समय 10.30 से दिनांक 07.04.2025 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

G-11014/25

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

ब्रीफ न्यूज

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी, यूरोप के इस देश में इस्लामिक शासन की शुरुवात होगी

सोफिया। बाबा वेंगा, जो एक प्रसिद्ध बुल्गेरियाई भविष्यवक्ता थीं, ने 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन के बारे में चौंकाने वाली भविष्यवाणी की थी। यह भविष्यवाणी यूरोप में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के संदर्भ में देखी जा रही है। बीते कुछ दशकों में, यूरोप में मुस्लिम आबादी का तेजी से बढ़ी है, जो मुख्य रूप से आव्रजन और उच्च जन्म दर के कारण हो रही है। बाबा वेंगा ने कहा था कि यूरोप में इटली वह देश हो सकता है, जहां इस्लामिक शासन की शुरुआत सबसे पहले हो सकती है। यह विचार उनके समर्थकों के बीच काफी चर्चा का विषय बन चुका है, क्योंकि इटली में भी मुस्लिम आबादी में इजाफा हुआ है। बाबा वेंगा ने अपने जीवन में कई सटीक भविष्यवाणियां कीं, इसकारण उन्हें एक महान दिव्यदर्शी के रूप में पहचाना गया। उनके अनुयायी उनकी भविष्यवाणियों को वास्तविक मानते हैं, जबकि आलोचक संयोग और अटकलें मानते हैं। बावजूद इसके, उनकी भविष्यवाणियां लोगों के बीच गहरी रुचि का कारण बनीं हैं, खासकर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से दुनिया के भविष्य के बारे में। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन स्थापित हो सकता है, ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। यह भविष्यवाणी यूरोप में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का परिणाम हो सकती है। हालांकि, भविष्य में क्या होगा, यह समय ही बताएगा।

भारत के साथ संबंध सुधारने को बेकरार कनाडा, प्रधानमंत्री कार्नी की मंत्री का बयान

आटोवा। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत और कनाडा के संबंध बेहद खराब हो गए थे। वहीं कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को इसका अहसास हो गया है कि भारत के साथ अच्छे संबंध बेहद जरूरी हैं। उन्होंने अपनी कैबिनेट में भी दो भारतीय मूल की महिलाओं को मौका दिया है। कार्नी कैबिनेट में मंत्री अनीता आनंद ने भारत के साथ संबंधों को लेकर खुलकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिन देशों के लोग यहां आकर बस गए हैं उनके साथ मधुर संबंध भी जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते रहने चाहिए उसमें मेरी मां और पिता की मातृभूमि भारत भी शामिल है। अनीता प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की करीबी हैं। मौजूदा सरकार में वे इनोवेशन, साइंस एंड इंडस्ट्री मंत्री हैं। जनवरी में उन्होंने यह भी कह दिया था कि आने वाले आम चुनाव में वह शामिल ही नहीं होंगी। हालांकि कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। आनंद के माता-पिता पेशे से डॉक्टर हैं और भारत के ही हैं। उनकी स्वर्गीय मां सरोज राम अमृतसर की रहने वाली थीं। वहीं आनंद के पिता एसवी आनंद तमिलनाडु निवासी हैं। मार्क कार्नी ने शपथ लेने से पहले ही कह दिया था कि अगर वह प्रधानमंत्री बनते हैं तब सबसे पहले भारत के साथ संबंध सुधारुंगा। उन्होंने कहा, कनाडा उन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर विचार कर रहा है जिनके विचारों में तालमेल है। वहीं भारत के साथ भी संबंध ठीक करने का यह बेहतरीन मौका है।

अस्पतालों में संसाधनों की कमी के चलते इलाज में आ रही दिक्कतें

म्यांमार में भूकंप से दो हजार से ज्यादा मौतें, स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह बर्बाद

एजेंसी ■ नयपीताव

म्यांमार में 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद स्वास्थ्य प्रणाली पूरी तरह चरमरा गई है। सोमवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 2,056 हो गई, जबकि करीब 3,900 लोग घायल हुए हैं जबिक 270 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

बता दें कि देश के दो प्रमुख शहरी क्षेत्र मंडाले और नयपीताव भूकंप के घायलों के बढ़ते दबाव से जूझ रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल पहले ही मरीजों से भरे हैं, लेकिन अब हालात और भी खराब हो गए हैं। जगह और संसाधनों की भारी कमी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले चार सालों से जारी सैन्य शासन ने म्यांमार की स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। भूकंप से पहले भी कई अस्पतालों की स्थिति खराब थी, लेकिन अब हालात और बिगड़ गए हैं। मंडाले में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं, क्योंकि यहां के 80 फीसदी से ज्यादा मेडिकल स्टाफ सैन्य शासन के खिलाफ सिविल नाफरमानी आंदोलन में शामिल हो हैं। पिछले एक माह में सात निजी अस्पतालों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए, क्योंकि उन्होंने सरकारी अस्पतालों के पूर्व कर्मचारियों को नौकरी पर रखा था। भूकंप से पहले ही मंडाले के कई निजी अस्पताल बंद हो चुके थे, क्योंकि सैन्य सरकार ने उन्हें काम करने से रोक दिया था। अब भूकंप में बचे अस्पताल भी बर्बाद हो गए, जिससे इलाज ठप हो गया है। मंडाले जनरल अस्पताल, जो सेना द्वारा संचालित किया जाता है, वहां का दृश्य भूकंप के बाद बहुत भयावह है।

मीडिया रिपोर्ट में एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अस्पताल में दाखिल होते ही चारों तरफ खून से लथपथ मरीज बिखरे पड़े थे। बेड नहीं होने से मरीज जमीन पर पड़े थे। डॉक्टरों की संख्या कम होने से लोग बस बैठे इंतजार कर रहे थे, असहाय और हताश। म्यांमार के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के मुताबिक अब तक 36 आफ्टरशॉक्स दर्ज किए गए हैं, जिनकी तीव्रता 2.8 से 7.5 के बीच थी। शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के कुछ मिनट बाद 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक भी आया, जिससे देश में तबाही मच गई।

ट्रंप ने ईरान को दिया 60 दिनों का वक्त, उधर ईरान ने भी दिखाई अपनी ताकत

अमेरिका अपने सैन्य संसाधनों को ईरान के करीब ला रहा है, जिसके बाद तेहरान ने वॉशिंगटन को चेतावनी दी है

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका अपने सैन्य संसाधनों को ईरान के करीब ला रहा है, जिसके बाद तेहरान ने वॉशिंगटन को चेतावनी दी है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद-बकर क़ालिबाफ ने अंतर्राष्ट्रीय कुद्स दिवस पर तेहरान यूनिवर्सिटी में भाषण देते हुए अमेरिका को चेतावनी दी। मोहम्मद-बकर क़ालिबाफ ने कहा कि अगर वे इस्लामी ईरान को धमकाते हैं, तो क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी और अमेरिकी ठिकाने बारूद के ढेर की तरह असुरक्षित हो जाएंगे। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने कम से कम चार बी-2 बमवर्षक विमान भारतीय महासागर में डिएगो गार्सिया भेजे हैं। संसद अध्यक्ष मोहम्मद-बाकर क़ालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान को लिखे पत्र का भी उल्लेख किया और कहा, अमेरिका का पत्र में रवैया एक धमकाने वाले का हैज लेकिन आप न तो ईरानी राष्ट्र को धमका सकते हैं और न ही धोखा दे सकते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने भी अमेरिका के साथ सीधे बातचीत के खिलाफ चेतावनी दी है। ऐसा लगता है कि ईरानी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री बातचीत के लिए अधिक बेचैन हैं। क़लीबाफ ने अमेरिकी धमकियों को युद्ध के कारण के रूप में बताया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने ईरानियों को लगभग 60 दिनों का समय दिया है निर्णय लेने के लिए। इसका मतलब है कि उन्हें मई के अंत तक निर्णय लेना होगा।क़लीबाफ ने इज़रायल की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, साम्राज्यवादी व्यवस्था ने मानवता को दबाकर जीवित रही है, और ज़ायोनी शासन वास्तव में अपराधी अमेरिका की हत्या मशीन है। यह स्पष्ट रूप से इराक, खाड़ी और शायद सीरिया में अमेरिकी बलों के लिए एक धमकी है। अमेरिका के कुवैत, कतर, बहरीन और यूएई में ठिकाने हैं। अमेरिका के पास इराक में असद बेस और उत्तरी इराक और पूर्वी सीरिया में कई पोस्ट हैं। ईरानी राज्य मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया, संसद अध्यक्ष मोहम्मद-बाकर क़ालिबाफ कहते हैं कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य धमकियों को अंजाम देता है, तो क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगी और अमेरिकी सैन्य ठिकाने असुरक्षित हो जाएंगे। यह स्पष्ट रूप से यह भी संकेत देता है कि ईरान इज़रायल या खाड़ी देशों पर हमले का जवाब दे सकता है। क़लीबाफ को हिज़्बुल्लाह के खिलाफ इज़रायल के अभियान के दौरान समर्थन दिखाने के लिए बेरूत जाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने शुक्रवार को कहा, अमेरिकी समर्थन के बिना इज़रायल एक हफ्ते भी जीवित नहीं रह पाता। ईरान रमजान के आखिरी शुक्रवार को कुद्स दिवस के रूप में मनाता है, ताकि लोग इज़रायल के खिलाफ प्रदर्शन करें और नफरत फैलाएं।

अंतरिक्ष से हिमालय ठीक वैसा ही दिखता है जैसे कोई लहर उठी हो और भारत में बह रही हो

एजेंसी ■ वाशिंगटन

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर 9 माह तक फंसे रहने के बाद सुनीता विलियम्स धरती पर लौट आई हैं। धरती पर वापस लौटीं नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने बता दिया कि अंतरिक्ष से हमारा भारत कैसा दिखता है। उन्होंने भारत का बहुत ही शानदार वर्णन किया है। नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता ने अंतरिक्ष से दिखने वाले हिमालय के अद्भुत नजारे का वर्णन किया। उन्होंने कहा, भारत बहुत अमेजिंग यानी अद्भुत है। जब भी हम हिमालय के ऊपर से गुजरते थे, हमें बहुत शानदार और अविश्वसनीय तस्वीरें मिलती थीं। ऐसा लगता था जैसे कोई लहर उठी हो और भारत में आकर बह रही हो।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने मंगलवार को पहली बार मीडिया से बातचीत की और कई सवालों के जवाब दिए। सुनीता विलियम्स ने बताया कि अंतरिक्ष से भारत कितना सुंदर दिखता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भारत जरूर आएंगी। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'गुजरात और मुंबई में तो धरती के रंग और भी निखर कर दिखाई दे रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो कोई कह रहा हो- 'लो, आ गया।' बड़े शहरों से छोटे शहरों तक रोशनी के जाल बिछे हुए थे।' इसी तरह का जवाब राकेश शर्मा ने भी दिया था। कहा था कि आसमान से भारत दुनिया में सबसे अच्छा दिखता है- सारे जहां से अच्छा।' सुनीता विलियम्स ने भारत में अपनी जड़ों, अपने पिता की मातृभूमि से फिर से जुड़ने को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की बढ़ती भूमिका को लेकर भी खुशी जताई। एक्सिओम मिशन के साथ भारत के सहयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अपने पिता के देश वापस आने की उम्मीद करती हूं और एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को एक्सिओम मिशन के साथ अंतरिक्ष में जाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।' सुनीता विलियम्स ने भारत को एक महान देश और एक शानदार लोकतंत्र बताया। अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की प्रगति की सराहना की और इसके प्रयासों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की।

कुत्ते और बिल्लियों को भी भूकंप से लगता है डर, भूकंप आते ही सड़कों पर लेट गए

वैज्ञानिकों का कहना- जानवर धरती के अंदर हलचल और ध्वनियों को भांप लेते हैं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप से भारी तबाही हुई है। शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता का भूकंप आने के बाद शनिवार को एक बार फिर म्यांमार में भूकंप आया। इस बार रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई थी। बता दें भूकंप से सबसे ज्यादा तबाही म्यांमार में हुई है। यहां हजारों मौतें होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। भूकंप से इंसान क्या जानवार भी डर गए हैं। घरों में रहने वाले कुत्ता-बिल्लियों में भी खौफ है। भूकंप आया तो वह घर से निकलकर सड़क पर लेट गए। सवाल यह उठता है कि क्या क्या इंसान की तरह जानवरों जैसे कुत्तों और बिल्लियों को भी भूकंप से डर लगता है? भूकंप आने पर कुत्ते-बिल्लियों को सबसे ज्यादा डर लगता है। क्योंकि, उनकी संवेदनशीलता इंसानों से कहीं अधिक होती है। जानवरों के पास बेहद तीक्ष्ण सुनने और महसूस करने की क्षमता होती है, जिसके कारण वे भूकंप से पहले धरती के अंदर होने वाली सूक्ष्म हलचल, कंपन या ध्वनियों को पहले ही भांप लेते हैं। वैज्ञानिकों का भी मानना है कि जानवर भूकंपीय तरंगों या धरती के अंदर चट्टानों के दबाव से उत्पन्न होने वाले इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल और रासायनिक परिवर्तनों को महसूस कर सकते हैं। बता दें भूकंप से पहले हवा में आयन की मात्रा बढ़ सकती है या क्वार्ट्ज जैसे क्रिस्टल से गैसें निकल सकती हैं, जिन्हें कुत्ते और बिल्लियां अपनी त्वचा या सूंघने की क्षमता से पहचान लेते हैं। कुत्ते और बिल्लियां अपने परिवेश में छोटे-छोटे बदलावों, जैसे हवा का रुकना, तापमान में अचानक बदलाव या असामान्य शांति, को भी जल्दी पकड़ लेते हैं। ये बदलाव उन्हें बेचैन कर देते हैं और जब भूकंप के झटके शुरू होते हैं तो उनकी प्राकृतिक प्रवृत्ति उन्हें खतरे से बचने के लिए उत्तेजित कर देती है।

धरती के दोनों ध्रुवों पर तेजी से पिघल रही समुद्री बर्फ

वाशिंगटन। धरती के दोनों ध्रुवों पर समुद्री बर्फ तेजी से पिघलती जा रही है। वैज्ञानिकों को डर है कि यह एक नया खतरनाक ट्रेंड हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर (एनएसआईडीसी) की ताजा रिपोर्ट ने चिंता को और बढ़ाया है। नासा के अनुसार, इस साल 22 मार्च को जब आर्कटिक में समुद्री बर्फ अपने वार्षिक उच्चतम स्तर पर होनी चाहिए थी, तब इसकी मात्रा सिर्फ 5.53 मिलियन वर्ग मील (14.33 मिलियन वर्ग किमी) रही। यह अब तक की सबसे कम सर्दियों की बर्फ है। 1 मार्च तक अंटार्कटिक में समुद्री बर्फ सिर्फ 764,000 वर्ग मील (1.98 मिलियन वर्ग किमी) ही बची थी। यह अब तक दर्ज किए गए दूसरे सबसे कम स्तर के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक का कहना है, 'हम अगली गर्मियों में पहले से भी कम समुद्री बर्फ के साथ प्रवेश करने वाले हैं, जो भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

बांग्लादेश का हाल: शेख हसीना जैसा हाल होगा यूनुस का, मिल रहे संकेत

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस बुरी तरह उलझते जा रहे हैं। भारत के लिए परेशानी के बीज बोने की कोशिश में लगे यूनुस खुद परेशानी में उलझते जा रहे हैं। बांग्लादेश में हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। यूनुस के नेतृत्व में देश आर्थिक परेशानी, कूटनीतिक मुश्किलों और जनता के गुस्से से जूझ रहा है। कपड़ा उद्योग की हालत खराब हो रही है, सेना और सरकार के बीच तनाव बढ़ रहा है, निवेशकों का भरोसा टूट रहा है, विदेश नीति कमजोर पड़ रही है और भ्रष्टाचार के आरोपों ने सरकार की साख पर सवाल उठा दिए हैं। बीते सप्ताह ही वह चीन के चार दिवसीय दौरे से लौटे हैं। वह चीन तो कटोरा लेकर गए थे लेकिन वहां उन्होंने भारत के साथ खेल करने की कोशिश की। उन्होंने अपने आधिकारिक बयान में भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों की चर्चा की और कहा कि उन इलाकों के पास समंदर नहीं है इसलिए चीन बांग्लादेश में निवेश करेगा तो उसको एक बड़ा बाजार मिलेगा। लेकिन, वह भूल गए कि भारत एक ऐसा देश है जो तीन तरफ से समंदर से घिरा है। इन समुद्री बंदरगाहों से पूरे भारत की जरूरत पूरी होती है। भारत अलग-अलग इलाकों में नहीं बंटा है। बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग भारी संकट में है। यह उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 5 अगस्त, 2024 से अब तक 140 से ज्यादा कपड़ा कारखाने बंद हो चुके हैं। इस महीने ही 15 और कारखानों ने ताले लगा दिए। इससे एक लाख से ज्यादा मजदूरों की नौकरी चली गई और कई को उनकी बकाया तनख्वाह या सुविधाएं भी नहीं मिलीं। ढाका और उसके आसपास के इलाकों में यह असर सबसे ज्यादा दिख रहा है। ढाका में 103, गाजीपुर में 70, नारायणगंज में 23 और सावर-अशुलिया में 41 कारखाने बंद हुए हैं। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने से निवेशकों का भरोसा डगमगा गया है।

परेशानी इंग्लैंड की नादिया आज इस बीमारी से लड़ रही लोग दे रहे हिम्मत की दाद

इग्नोर नहीं करें सर्दी-जुकाम, यह ले सकता है लाइलाज बीमारी का रुप

एजेंसी ■ लंदन

इंग्लैंड के स्विंडन की रहने वाली 50 वर्षीय नादिया बिशप की जिंदगी एक मामूली सर्दी-जुकाम से शुरू हुई परेशानी के कारण पूरी तरह बदल गई। महीनों से उन्हें कान बंद होने और चक्कर आने जैसी दिक्कतें हो रही थीं, जिसे उन्होंने हल्की-फुल्की बीमारी समझकर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन एक दिन अचानक उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें लगा कि उनकी जिंदगी का आखिरी पल आ गया है। वह न हिल पा रही थीं, न अपनी आंखें खोल पा रही थीं। पूरे कमरे में उन्हें चारों ओर अंधेरा नजर आने लगा और पसीना छूटने लगा। कानों में इतनी तेज आवाजें आने लगीं कि वह सुनने की क्षमता पूरी तरह खो बैठीं। घर में अकेली नादिया को घबराहट के साथ-साथ इतनी तेज उल्टी हुई कि उन्हें लगा अब वह नहीं बचेंगी। किसी तरह उन्होंने हिम्मत जुटाकर आपातकालीन सेवा को फोन किया। मेडिकल टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें एंटी-नॉजिया इंजेक्शन दिया और अस्पताल ले जाया गया। यह डरावना हादसा अप्रैल 2017 में हुआ था। डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में बताया कि उन्हें लैबिरिंथाइटिस नामक बीमारी हो गई है, जिसमें कान के अंदर सूजन के कारण संतुलन और सुनने की शक्ति पर असर पड़ता है। डॉक्टर्स ने भरोसा दिलाया कि कुछ हफ्तों में वह ठीक हो जाएंगी, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती ही गई।

समय बीतने के साथ चक्कर और उल्टियों के दौरे कभी घंटों तो कभी दिनों तक चलते रहे। सुनने की क्षमता लगातार कम होती रही। जिंदगी की इस मुश्किल घड़ी में उन्हें लगा कि वह धीरे-धीरे अपनी दुनिया से कटती जा रही हैं। कई महीनों के संघर्ष के बाद जब डॉक्टरों ने उनकी गहन जांच की और एमआरआई व अन्य टेस्ट किए गए, तो उन्हें असली झटका लगा। नादिया को बताया गया कि वह मेनीयर रोग से पीड़ित हैं, जो एक लाइलाज बीमारी है। इस बीमारी में मरीज को बार-बार चक्कर आते हैं, उल्टियां होती हैं और धीरे-धीरे सुनने की शक्ति खत्म हो जाती है। इस खबर ने नादिया को अंदर तक झकझोर दिया, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय अपनी तकलीफ को ही अपनी ताकत बना लिया।

अब नादिया हियरिंग एड की मदद से सुनती हैं और हर तीन महीने में स्टेरॉयड इंजेक्शन लेना पड़ता है। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की योजना बनाई है, जिससे उनके कान से फ्लूइड निकालकर उन्हें थोड़ी राहत दी जा सकती है। बीमारी ने उनकी जिंदगी को मुश्किल बना दिया, लेकिन उन्होंने इसे अपनी प्रेरणा बना लिया। अब वह ब्रिटिश साइन लैंग्वेज सीख रही हैं और लोगों को हियरिंग एड को अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

एर्दोगन की कुर्सी पर संकट, तुर्की में लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन

अंकारा। तुर्की में राष्ट्रपति एर्दोगन की कुर्सी पर संकट है। इस्तांबुल के मेयर की गिरफ्तारी के बाद से पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। तुर्की के विपक्ष ने अब जल्द चुनाव कराने की मांग की है। इस्तांबुल के विपक्षी मेयर एकरेम इमामोग्लू को 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उनके समर्थकों का कहना है कि ये आरोप झूठे हैं। इमामोग्लू को जेल में डाले जाने के बाद सरकार विरोधी प्रदर्शन पैदा हो गया है। यह राष्ट्रपति एर्दोगन के लिए एक बड़ी परीक्षा है। रात के समय सड़कों पर एक सप्ताह से अधिक समय से प्रदर्शन चल रहे हैं। इसके बाद रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) ने इस्तांबुल में विशाल रैली का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोग जुटे। इसमें इमामोग्लू की रिहाई की मांग की गई। उन्हें एर्दोगन को चुनाव में हराने के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में देखा गया, जबकि राष्ट्रपति ने 2028 तक होने वाले चुनावों से पहले पद छोड़ने का कोई संकेत नहीं दिया। विपक्ष ने विरोध आंदोलन को बनाए रखने का वादा किया है, जबकि अधिक केंद्रित घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति बदल दी है। सीएचपी पार्टी के नेता ओजगुर ओजेल, जो एक पूर्व फार्मासिस्ट हैं वह इमामोग्लू के जेल में बंद होने के बाद पार्टी का मुख्य चेहरा बनाकर उभरे हैं।

भगवान बनने की कोशिश कर रहे हैं ट्रंप

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही महीनो के कार्यकाल में ही सबसे ज्यादा चर्चित और विवादित राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले उन्होंने, जिस तरह से दुनिया के सभी देशों को टैरिफ को लेकर धमकाना शुरू कर दिया था। यूरोपीयन एवं नाटो देशों को टैरिफ एवं सुरक्षा समझौतों को लेकर जिस तरह के अनाप-शनाप बयान और धमकी दी है। उससे अमेरिका के यूरोपीय देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में एक नई अफरा तफरी मची हुई है। सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के साथ-साथ टैरिफ युद्ध को लेकर नया तनाव देखने को मिल रहा है। ट्रम्प के सलाहकार एलन मस्क उनसे एक कदम आगे चल रहे हैं। अमेरिका में लाखों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। अप्रवासी नीति को लेकर अमेरिका के राज्यों के साथ ट्रम्प के मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। इसी बीच उन्होंने लेंगिक पहचान और महिला अधिकारों पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा औरत वह होती है, जो बच्चा पैदा कर सकती है। ट्रांसजेंडर को लेकर पहले भी उनके आपत्तिजनक बयान आए थे। अब उन्होंने सीधे-सीधे उन महिलाओं को महिला मानने से इनकार कर दिया है। जो मां बनने में सक्षम नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही के निर्णयों में महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। न्यू जर्सी के एक कार्यक्रम में महिला पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जो महिला बच्चा पैदा नहीं कर सकती है। जो महिला पुरुषों से ज्यादा स्मार्ट है। जो पुरुषों की सफलता में बाधा बनती है। इस तरह के विवादित बयान देकर डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आप को ईश्वर के समकक्ष अपने आपको खड़ा करने का प्रयास करे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कह दिया है, वह 2029 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए संविधान बदलना होगा, तो वह बदल देंगे। ट्रंप, सारी दुनिया के देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसकी विभिन्न प्रतिक्रिया सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अमेरिका के अंदर भी उनकी लोकप्रिय में दो माह के अंदर सात फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इतने कम समय में लोकप्रियता में इतनी बड़ी गिरावट किसी भी राष्ट्रपति के बारे में इसके पूर्व देखने को नहीं मिली। इसके बाद भी ट्रंप और एलन मस्क के ऊपर कोई असर नहीं पड़ रहा है। एलन मस्क के निर्णयों के खिलाफ सारे अमेरिका में 227 से ज्यादा स्थानो पर प्रदर्शन हो रहे हैं। एलन मस्क की गाड़ियो को जलाया जा रहा है। उनकी कंपनियों के शेयर अमेरिकी नागरिकों द्वारा बेचे जा रहे हैं। अमेरिका के विभिन्न राज्यों की न्यायपालिका ने ट्रम्प के कई प्रशासनिक आदेशों के पालन पर रोक लगा दी है। ट्रंप जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसको देखते हुए अमेरिका और बाहर के देशों में उनकी छवि एक मूर्ख, लालची या अहंकारी नेता के रूप में बन रही है। अमेरिका जैसे देश में इसके पहले कोई भी राष्ट्रपति इस तरह से विवादित नहीं रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति का अहंकार सभी को हैरान करने वाला है।

वक्फ बोर्ड भूमि घोटाले में मुख्य पीड़ित बने मुसलमान

▪ हर्ष रंजन

देश में सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी भूमि वक्फ़ की है। भारतीय वक्फ संपत्ति प्रबंधन प्रणाली (वामसी) पोर्टल के मुताबिक भारत में वक्फ संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 37.39 लाख एकड़ से अधिक है। भारत में 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें से 32 वक्फ़ बोर्ड विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम करते हैं। कुल 8,72,802 वक्फ संपत्तियों के साथ, भारत में वक्फ संपत्तियों का आकार बहुत बड़ा है। इसके अलावा, 4,02,089 %वक्फ बाय यूजर% हैं, लेकिन उनके लिए कोई उचित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इतनी बड़ी संपत्ति होने के बावजूद, केवल 1,088 वक्फ डीड पंजीकृत की गई हैंऔर 26,676 निजी वक्फ (वक्फ अल औलाद) संपत्तियां हैं।

भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन कई विधायी परिवर्तनों के माध्यम से विकसित हुआ है, जिसका उद्देश्य प्रशासन में सुधार और कुप्रबंधन को रोकना है। 1894 में प्रिवी कार्उंसिल के आदेश के बाद से, मुस्लिम वक्फ अधिनियम संशोधन (1913, 1923, 1930), वक्फ अधिनियम 1954 और इसके बाद हुए संशोधनों सहित विभिन्न कानूनों ने वक्फ प्रशासन को आकार दिया है। वक्फ अधिनियम, 1995 ने विनियामक तंत्र को और मजबूत किया, जिसमें 2013 में एक प्रमुख संशोधन ने इसके दायरे का विस्तार किया। इतना शानदार इतिहास होने के बावजूद, भारत में वक्फ बोर्ड अनियमितताओं और कुप्रबंधन के आरोपों में घिरे हुए हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए वक्फ संपत्तियों को अक्सर अवैध रूप से बेचा जाता है या निजी संस्थाओं को औने-पौने दामों पर पट्टे पर दे दिया जाता है। बड़े पैमाने पर हुए इस भ्रष्टाचार ने मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ती अशांति को जन्म दिया है क्योंकि अतिक्रमण, अवैध भूमि लेनदेन और कानूनी विवादों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि, भले ही इस समस्या को व्यापक रूप से पहचाना जाता है, लेकिनअधिकांश समुदाय के सदस्य सामाजिक प्रतिक्रिया और साथियों के दबाव के डर से बोलने से बचते हैं।

बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और कानूनी विवाद: वक्फ संपत्तियों के एक बड़े हिस्सेपर अतिक्रमण है, जिस कारण कई कानूनी लड़ाइयां हो रही हैं। वामसीपोर्टल के अनुसार, वर्तमान में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के 58,890 मामले हैं। वक्फ संपत्तियों से संबंधित कुल मुकदमेबाजी के मामलों की संख्या 31,999 है, जिनमें से 16,140 मामले विशेष रूप से अतिक्रमण से संबंधित हैं। इनमें से 3,165 मामले मुस्लिम याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर किए गए हैं। मुस्लिम समुदाय के कई लोगों का मानना है कि वक्फ बोर्डों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के चलते भ्रष्ट अधिकारियों और निहित स्वार्थी लोगोंके लिए इन संपत्तियों का दोहन करना संभव हुआ है, जिससे समुदाय को उसके सही संसाधनों से वंचित किया जा रहा है।

बोलने का डर और आंतरिक संघर्ष: इस मुद्दे ने समुदाय के भीतर आंतरिक कलह को जन्म दिया है क्योंकि लोगों को तेजी से एहसास हो रहा है कि वक्फ संपत्तियों का कुप्रबंधन मुख्य रूप से मुसलमानों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि, सामाजिक दबावों के कारण खुलकर आलोचना करना दुर्लभ है। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रमुख मुस्लिम हस्तियों, शिक्षाविदों और विचारकों ने वक्फ कानून सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर बढ़ती लेकिन अव्यक्त आम सहमति को उजागर किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई समुदाय के प्रभावी लोग धार्मिक और राजनीतिक समूहों से प्रतिक्रियाओं के डर से इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने में हिचकतेहैं।

पूरे भारत में मुकदमेबाजी और शिकायतें: अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के बारे में कई शिकायतें और अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। इन अतिक्रमणों का पैमाना खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अक्सर वक्फ बोर्ड की प्रत्यक्ष संलिप्तता होती है। विभिन्न शहरों में कई मामले संकट की सीमा को उजागर करते हैं-

भोपाल में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक वक्फ कॉम्प्लेक्स बनाया गया था और 125 पंजीकृत कब्रिस्तानों में से 101 रहस्यमय तरीके से गायब हो गए हैं। हैदराबाद में अकेले 2021 में अतिक्रमणकारियों को 765 नोटिस जारी किए गए, जबकि भारत के सबसे अमीर लोगों में से एक तेलंगाना के वक्फ बोर्ड के पास 5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, फिर भी इसकी 75त्न जमीन पर अतिक्रमण है। मुंबई में, महाराष्ट्र की 60त्न से अधिक वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, परेल में मूल रूप से 72 एकड़ में फैली लाल शाह बाबा दरगाह, अब वक्फ भूमि पर बने आवासीय टावरों से घिरी हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया है कि लखनऊ मेंवक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई 78त्न भूमि वास्तव में सरकारी स्वामित्व वाली है और 1989 के सरकारी आदेश को रद्द कर दिया गया है, जिसने अवैध रूप से गैर-खेती योग्य भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया था। पटना में, बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने हिंदू बहुल गांव गोविंदपुर, फतुहा में भूमि के स्वामित्व का दावा करते हुए एक नोटिस जारी किया, जिससे सात हिंदू परिवार प्रभावित हुए।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है: वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके माध्यम से मुसलमानों के साथ अन्याय करने का दावा भ्रामक है, क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य समुदाय के लाभ के लिए बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि सामुदायिक संपत्तियों के आगे दुरुपयोग को रोकने के लिए वक्फ बोर्डों को पूरी तरह से बदलना चाहिए। कुछ लोगों का सुझाव है कि वक्फ संपत्तियों को सख्त सरकारी निगरानी के तहत लाया जाना चाहिए, जिसमें निर्णय लेने में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने वाले तंत्र हों। वक्फ मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि सामुदायिक कल्याण के लिए बनाई गई संपत्तियां भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं बननी चाहिए। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को वक्फ संपत्तियों से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के रूप में सराहा जा रहा है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्डों के भीतर प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करना है। सबसे बड़ी समस्याओं में से एक रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना और उन्हें वामसी पोर्टल पर अपलोड करने में विफलता रही है। संशोधन में यह अनिवार्य किया गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर ऑनलाइन पंजीकृत किया जाए, ताकि अधिक पारदर्शिता और पहुंच में आसानी सुनिश्चित हो सके। सरकार ने पिछले आठ वर्षों में मुस्लिम समुदाय के साथ व्यापक परामर्श किया है, जिसमें वक्फ से संबंधित मुद्दों और संभावित सुधारों पर देशव्यापी चर्चाएं शामिल हैं।

वरिष्ठ पत्रकार

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

▪ प्रहलाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है।

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतोर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं - शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है।

फीचर

इन फलों के छिलकों से मिलेगी दमकती त्वचा

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें। चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें। टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है। चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है।

प्रेरणा

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है?

अपनी बात

सोनिया गांधी नेकहा कि मोदी सरकार ऐसा एजेंडा चला रही है, जो नुकसानदेह नतीजों की ओर ले जाएगा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा साझा किए गए लेख में उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली वर्तमान में तीन बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही हैं केंद्रीकरण, कारोबारी करण और सांप्रदायिकता। सोनिया गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार राज्यों को मजबूर कर रही है कि वे पीएम-श्री योजना को लागू करें।

राज ठाकरे ने कहा कि इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ऐतिहासिक जानकारी के लिए कभी भी व्हाट्सएप पर भरोसा ना करें। मुगल शासक हमेशा शिवाजी नामक विचारों को मारना चाहते थे। हालांकि, वह सफल नहीं हो सके थे। बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता था।

ब्रीफ न्यूज

भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों को लेकर बैठक 8 अप्रैल को

गुना। भगवान श्री परशुराम के प्रकट्योत्सव मनाने के लिए आगामी 8 अप्रैल को सर्व ब्राह्मण समाज की बृहद बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में सभी बिप्र बंधुओं को आवश्यक रूप से उपस्थित रहने की अपील की सनातन सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष पं. रजनीश शर्मा द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि इस बार 30 अप्रैल को भगवान श्री परशुराम का प्रकटयोत्सव भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। इसे लेकर 8 अप्रैल को सायं 5 बजे बजरंगढ़ बायपास गुना स्थित त्रिमूर्ति भवन में बैठक आयोजित होगी।

बुधवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में रहेगी बिजली गुल

गुना। मेंटीनेंस के चलते बुधवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली गुल रहेगी। प्रबंधक कैंट जोन विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 11 केव्ही एबी रोड शिफ्टिंग कार्य होने से 2 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। जिससे दलवी कॉलोनी, न्यूसिटी कॉलोनी, नई मण्डी, एलआईसी ऑफिस, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,गायत्री मंदिर क्षेत्र, एमपी नगर, नानाखे?ी, यादव रॉयल सिटी, पेंशनर मोहल्ला, ऊमरी हाऊस, पुलिस कन्ट्रोल रूम, वृद्धाश्रम, भगतसिंह कॉलोनी, सामरसिंगा एवं गोपालपुरा आदि क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। इसी प्रकार 11 केव्ही फीडर पर प्री मानसून मेंटनेंस कार्य होने से 2 अप्रैल को सुबह 09ः30 बजे से दोपहर 02ः30 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। जिससे कालापाठा, घोसीपुरा, बांसखेड़ी, ऑफिसर कॉलोनी, लाल परेड, गोविंद गार्डन, सीताराम कॉलोनी एवं शिव कॉलोनी आदि क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। उक्त विद्युत कटोती के समय को आवश्यकतानुसार घटाया अथवा बढ़ाया जा सकता हैं।

ब्राह्मण महिला मंडल ने कीर्तन के साथ मनाया हिंदू नववर्ष

गुना। सनातन धर्म संस्कृति के अनुसार चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस सृष्टि रचना का प्रथम दिन, भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक तथा हिंदू नववर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस पावन अवसर पर ब्राह्मण महिला मंडल ने भजन-कीर्तन के साथ नववर्ष का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत माता की भेंटों और भजन-कीर्तन के साथ की गई। साल के शुभारंभ के रूप में मिश्री, काली मिर्च और नीम की पत्ती का सेवन किया गया। मिश्री मिठास का प्रतीक है, नीम स्वास्थ्यवर्धक एवं रोगनाशक है, और काली मिर्च औषधीय गुणों से युक्त है। आयुर्वेद एवं चरक संहिता के अनुसार, यदि नवरात्रि के नौ दिनों तक इन तीनों का सेवन किया जाए, तो रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। उपस्थित सभी ब्राह्मण बहनों ने इस परंपरा का पालन किया और समाज में भी इसे अपनाने का आग्रह किया। भजन-कीर्तन का विशेष आयोजन किया गया, क्योंकि सनातन संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत कीर्तन से करने को मंगलकारी माना जाता है। नवरात्रि शक्ति उपासना का पर्व है, जिसमें भक्तजन अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए माता रानी की आराधना करते हैं।

प्रजापति समाज ने भूमि आवंटन की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में प्रजापति सहकारी समिति के सदस्यों ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। समिति ने शासन से पूर्व में आवंटित भूमि को पुनः चिह्नित करने और ईट-भट्ठा संचालन की अनुमति देने की मांग की। समिति के अनुसार, वर्ष 2009-10 में शासन द्वारा ग्राम मावन करैया में तीन हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई थी, लेकिन हाल ही में इस भूमि को सीमेंट फैक्ट्री को दे दिया गया, जिससे समाज के कई परिवार आजीविका संकट का सामना कर रहे हैं। समाज के लोगों का कहना है कि ईट-भट्ठा व्यवसाय उनकी परंपरागत जीविका का साधन है, लेकिन वर्तमान में भूमि उपलब्ध न होने के कारण वे रोजगार संकट से जूझ रहे हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि पूर्व में आवंटित भूमि को पुनः चिह्नित कर लाल स्याही में दर्शाया जाए और व्यापार के लिए मिट्टी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, भट्ठा संचालन को प्रभावित करने वाले नोटिसों को रद्द किया जाए ताकि समाज के लोग निर्बाध रूप से अपना व्यवसाय कर सकें। प्रजापति समाज ने प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। ग्रामीणों ने जनसुनवाई में अपना आवेदन देकर आग्रह किया कि यदि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार के दस्तावेज या अन्य औपचारिकताओं की जरूरत हो, तो उन्हें इसकी जानकारी दी जाए ताकि वे उसे पूरा कर सकें। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह जल्द से जल्द इस मामले को संज्ञान में लेकर गरीब परिवारों को बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराएगा। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली उनकी बुनियादी जरूरत है और सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत उन्हें यह सुविधा मिलनी चाहिए।

बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे पिपरिया गांव के ग्रामीण

इधर जिले के पिपरिया गांव के ग्रामीणों ने बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान आवेदन दिया। गांव के करीब 10-12 परिवारों ने प्रशासन से गुहार लगाई कि वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं और सामान्य दरों पर बिजली कनेक्शन लेने में असमर्थ हैं। हालांकि उनके पास बीपीएल प्रमाण पत्र नहीं है, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है, जिससे बिना सरकारी सहायता के बिजली लेना संभव नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के अभाव में उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक घरेलू कार्यों में कठिनाई हो रही है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें बिजली कनेक्शन दिलाने की व्यवस्था की जाए।

एसबीआई कियोस्क संचालकों ने गरीबों को लगाया चूना, आरोपी फरार

पुलिस-प्रशासन से न्याय की आस में कलेक्टोरेट पहुंची गरीब महिलाएं, 25-30 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में गरीब तबके के लोगों के साथ एक बड़ा फ्रॉड सामने आया है, जिसमें एसबीआई की कियोस्क बैंकिंग सेवा संचालित करने वाले सोनू कुशवाह और उसकी माँ प्रेमलता कुशवाह ने लोगों की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर दिया। आरोप है कि इन दोनों ने कई ग्राहकों के खातों से पैसे निकालकर उन्हें जमा करने का झांसा दिया, लेकिन असल में वह रकम खातों में गई ही नहीं। जब पीड़ितों को इस धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उन्होंने अपने खातों की जांच कराई, तब तक ये कियोस्क संचालक फरार हो चुके थे। मंगलवार को बड़ी संख्या में पीड़ित कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन देकर न्याय दिलाने की मांग की। पीड़ितों के अनुसार, यह मामला शहर के पुरानी छावनी राम जानकी मंदिर क्षेत्र के गरीब निवासियों के साथ घटित हुआ, जिनका कहना है कि करीब 25 से 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है। इस घोटाले के बाद से लोग पुलिस-प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रशासन से न्याय की गुहार, पुलिस अब तक बेखबर

शहर में गरीबों के साथ हुई इस बड़े पैमाने की ठगी के बाद लोग न्याय के लिए भटक रहे हैं। लोगों का कहना है कि वह इस धोखाधड़ी के खिलाफ जनसुनवाई और पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन आरोपियों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। गौरतलब है कि इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। कई लोग अपनी जमा पूंजी गंवाने के बाद पूरी तरह से टूट चुके हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वे कियोस्क संचालकों पर विश्वास करके अपने खातों की जांच नहीं करते थे, और इसी भरोसे का फायदा उठाकर उनके पैसे हड़प लिए गए। पीड़ितों ने मांग की है कि पुलिस जल्द से जल्द इन आरोपियों को गिरफ्तार करे और उनके द्वारा ठगे गए पैसे वापस दिलवाए जाएं। साथ ही, प्रशासन से अपील की जा रही है कि एसबीआई कियोस्क सेवा पर सख्त नियंत्रण रखा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की धोखाधड़ी रोकी जा सके।

सपा प्रमुख अखिलेश के बयान के विरोध में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का प्रदर्शन

हनुमान चौराहे पर पुतला दहन, जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के गौ माता को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में रविवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने हनुमान चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का पुतला दहन कर नारेबाजी की और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विश्व हिंदू परिषद ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव के बयान से हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुँची है। संगठन ने राष्ट्रपति से मांग की कि इस बयान के लिए उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और उनकी संसद सदस्यता रद्द की जाए।

प्रदर्शन में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने सरकार से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि भविष्य में कोई भी सार्वजनिक रूप से सनातन धर्म या गौ माता का अपमान न कर सके। पुतला दहन करने वालों में जिला सह मंत्री रामप्रसाद शर्मा, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण ओझा, जिला गो रक्षा प्रमुख राजेंद्र कुशवाह, जिला मीडिया प्रभारी दीपक गौड़, बजरंगदल जिला संयोजक भूपेंद्र कुशवाह, बजरंगदल जिला सह संयोजक गौरव कुशवाह एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गुना द्वारा जिला जेल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

गुना। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश गुना अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में पिछले दिनों को मधुलिका मुल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गुना एवं वंदना त्रिपाठी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुना द्वारा जिला जेल गुना मे बंदियों को उनके विधिक अधिकारों से जागरूक किये जाने के लिये विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। उक्त शिविर में मधुलिका मुले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जिला न्यायालय गुना द्वारा बंदियों के प्रकरणों की वर्तमान स्थिति, उनके अधिवक्तागण, प्रकरण मे उच्च न्यायालय मे अपील, बंदियों की मुलाकात संबंधी जानकारी ली जाकर बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, प्लीबारगेनिंग, जमानत संबंधी अधिकार के साथ-साथ माननीय उच्चतम एव उच्च न्यायालय के समय-समय पर पारित आदेशों के दिशा-निर्देश के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाकर जागरूक किया गया।

महिला को अगवा कर किया दुष्कर्म और अत्याचार किया

पुलिस से भी नहीं मिला न्याय

गुना। जिले में एक महिला को बहला-फुसलाकर अगवा कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़िता को न सिर्फ बंधक बनाकर रखा बल्कि बार-बार उसके साथ अमानवीय कृत्य किए। जब पीड़िता न्याय की गुहार लेकर पुलिस के पास पहुंची, तो उसे वहां भी धमकियों का सामना करना पड़ा। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे अपने आवेदन में बताया कि ग्राम पठेरा चंडू, तहसील लटेरी, जिला विदिशा निवासी धर्मेंद्र यादव उसे जन्मदिन समारोह में ले जाने का बहाना बनाकर अपने साथ ले गया। आरोन से बाहर निकलने पर उसे निलेश यादव नाम का युवक मिला, जो धर्मेंद्र का भाई था। दोनों ने मिलकर महिला का मुंह बांधा और जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर

बिठाकर ग्राम भोननी ले गए। वहां धर्मेंद्र के जीजा श्रीराम यादव के घर पर उसे बंधक बनाकर रखा गया और धमकी दी गई कि अगर उसने शोर मचाया तो जान से मार देंगे। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया और लगातार दो दिनों तक उसका शोषण किया।

पीड़िता ने बताया कि इसके बाद उसे जबरदस्ती नींद की गोलियां खिलाकर ग्राम जयपुर ले जाया गया, जहां धर्मेंद्र ने उसे 15 दिनों तक बंधक बनाकर रखा और लगातार उसका शोषण किया। जब पुलिस ने बयान दर्ज कराने के लिए उसे थाने बुलाया, तो धर्मेंद्र ने उसे धमकी दी कि अगर उसके खिलाफ बयान दिया तो उसे और उसके परिवार को खत्म कर दिया जाएगा। डर के मारे उसने चुप्पी साध ली, लेकिन पुलिस ने जबरन उसके हस्ताक्षर करवाकर अपनी मर्जी से बयान दर्ज कर लिया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोन थाने में पदस्थ दरोगा जयदेव यादव ने भी उसे धमकाया और कहा कि अगर उसने धर्मेंद्र के खिलाफ बयान दिया तो उसके बच्चों को जेल में डाल दिया जाएगा। इतना ही नहीं, पुलिस ने उसके सोने के गहने और मंगलसूत्र भी रख लिए और उसके पति की मोटरसाइकिल धर्मेंद्र के पास ही रहने दी।

जिले में असाक्षरों का सर्वे कार्य 1 अप्रैल से अभियान के रूप में हुआ प्रारंभ

गुना। जिले में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को नवसाक्षर करने के लिये प्रदेश के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस हेतु विद्यालयीन छात्र, छात्राओं की मदद से जिले के प्रत्येक ग्राम, वार्ड स्तर के प्रत्येक घर के असाक्षर महिला पुरुषों का ऑनलाइन तथा ऑफ लाइन मोड में शत प्रतिशत सर्वे का कार्य 1 अप्रैल 25 से प्रारंभ कर 20 अप्रैल 25 तक संपन्न कराने तथा सर्वे में चिन्हित असाक्षरों को उन्ही के शिक्षित बच्चों/ अक्षर साथियों से पठन पाठन कराकर साक्षर करने के शासन निर्देश हैं। उपरोक्त कार्य एवं शासन निर्देशानुसार अन्य गतिविधियों को समय सीमा में पूर्ण कराए जाने हेतु गूगल मीट से जुड़े सभी बीआरसी/विकासखंड सह समन्वयक/जन शिक्षक एवं संकुल सह समन्वयक साक्षरता को दिए गए।

आज से संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का आंदोलन शुरू

7 को काली पट्टी विरोध और 21 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल

गुना। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गुना सहित प्रदेशभर में कार्यरत 32,000 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। संगठन के जिला अध्यक्ष मुकेश मौर्य ने बताया कि सरकार द्वारा संविदा कर्मचारियों के लिए पूर्व में की गई घोषणाओं को सही तरीके से लागू नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में प्रेस वार्ता आयोजित कर शासन-प्रशासन को इस आंदोलन के बारे में अवगत कराया गया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के इस आंदोलन की शुरुआत 1 अप्रैल को प्रेस वार्ता से हुई, जिसमें उनकी प्रमुख मांगों को सामने रखा गया। इसके बाद 7 अप्रैल से सभी कर्मचारी विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। 16 अप्रैल को जिला स्तर पर रैली निकालकर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। अगर इसके बाद भी उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाता है, तो 21 अप्रैल से प्रदेशभर के 32,000 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में रिक्त पदों पर संविलियन कर नियमितीकरण, पूर्व में दी जा रही सुविधाओं को बहाल करना, अनुबंध प्रथा को पूरी तरह समाप्त करना, अप्रेजल प्रक्रिया को खत्म करना और सेवानिवृत्ति आयु को पुनः 65 वर्ष करना शामिल है। इसके अलावा, उन्हें एनपीएस, ग्रेच्युटी, स्वास्थ्य बीमा और महंगाई भत्ते जैसी सुविधाएं दिए जाने की भी मांग है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार ने पूर्व में संविदा कर्मचारियों के हित में जो घोषणाएँ की थीं, उनका क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों को उनका उचित हक नहीं मिल पा रहा है।

अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी आमजनों की समस्याएँ

सत्ता सुधार ■ गुना

जिला कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आवेदकों से चर्चा कर उनसे संबंधित समस्याओं के आवेदन लिए, साथ ही उनके समुचित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज जनसुनवाई के दौरान अनुकंपा नियुक्ति, राशन कार्ड, पेंशन, कब्जा दिलाने, नामांतरण एवं विद्युत संबंधी विभिन्न मुद्दों पर नागरिकों द्वारा अपने आवेदन दिए गये। इस दौरान विभिन्न आवेदकों द्वारा अपनी समस्याओं से संबंधित लगभग 147 आवेदन प्रस्तुत किये गये। जिनके निर्धारित समयावधि में निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये।

जनसुनवाई में नागरिकों को मिली आयुष्मान कार्ड, नेत्र परीक्षण एवं आधार कार्ड हेल्प डेस्क की सुविधा

कलेक्टर श्री कन्याल ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनसुनवाई में स्वास्थ्य शिविर एवं आधार कार्ड हेल्प डेस्क के निर्देश दिए हैं। जिसके क्रम में आज जनसुनवाई कक्ष के बाहर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 70+आयुष्मान कार्ड, नेत्र परीक्षण केंप, प्रधानमंत्री शहरी आवास एवं आधार कार्ड हेल्प डेस्क लगाकर आमजनों को आधार कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध करायी गई। आज स्वास्थ्य शिविर में लोगों का परीक्षण किया गया। इसी प्रकार नेत्र परीक्षण शिविर में 06, आधार कार्ड में लगभग 70 से अधिक लोगों को टोकन वितरित कर आधार

कार्ड बनाये गये तथा प्रधानमंत्री शहरी एवं ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत 26 आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर का नवाचार, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को किया सम्मानित

पूर्व में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आदेश जारी कर प्रतिमाह उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने के निर्देश जारी किये गये थे। इसी क्रम में जनसुनवाई उपरांत आज नवाचार करते हुये कलेक्टर श्री कन्याल ने मार्च माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि भविष्य में भी हर माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों से अपील की कि वे अपने विभाग में अच्छे कार्य करने वाले व्यक्तियों की पहचान करें और उन्हें पुरस्कृत करें, ताकि कर्मचारियों में उत्साह और कार्य में गुणवत्ता बनी रहे।

इन कर्मचारियों को किया सम्मानित

आज इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने महिला एवं बाल विकास विभाग प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमति गिरिजा जाटव को जनसुनवाई के माध्यम से वन स्टॉप सेंटर पर प्राप्त प्रकरणों के निराकरण करने, कलेक्टर कार्यालय के सहायक ग्रेड 3 निखिल ठाकुर को राहत, आपदा प्रबंधन एवं सत्कार व्यवस्था के लिये उत्कृष्ट कार्य करने, सहायक ग्रेड 3 अंकित पाण्डेय को केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के जनसमस्या निवारण शिविर एवं जनसुनवाई के प्रकरणों के निराकरण करने, विजय पाटिल सचिव एवं कुलदीप शर्मा ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत फतेहगढ को आयुष्मान कार्ड में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एडीएम अखिलेश जैन, जिपं सीईओ अभिषेक दुबे, संयुक्त कलेक्टर डॉ. संजीव खेमरिया, एसडीएम शिवानी पाण्डेय सहित विभिन्न जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिल की बीमारी का इलाज नहीं होने से मौत का खतरा 5 गुना ज्यादा

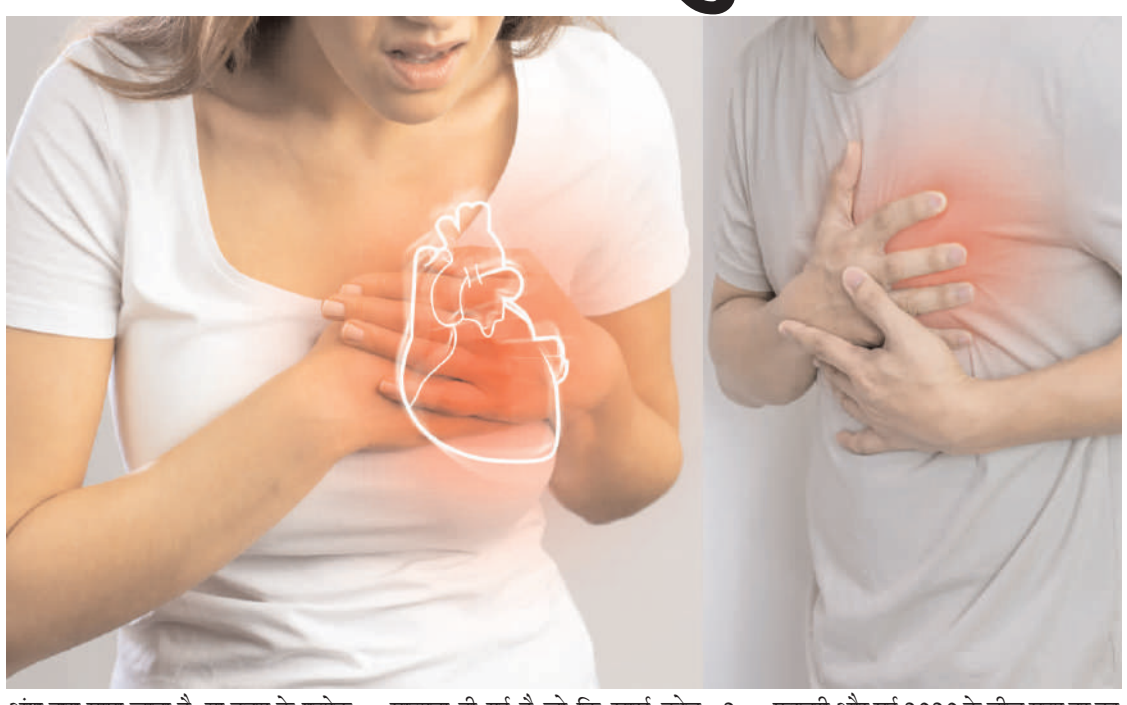

अस्पताल में भर्ती हुए कोविड मरीज अक्सर दिल की बीमारियों को नजरअंदाज कर देते हैं। एक ताजा रिसर्च से पता चला है कि दिल की बीमारी का इलाज नहीं होने से कोविड रोगियों के मरने की संभावना लगभग पांच गुना अधिक हो जाती है। अध्ययन में कोविड रोगियों को पहले चरण के इजेक्शन अंश के साथ दिखाया गया है। इसके तहत बाएं वेंट्रिकुलर इजेक्शन अंश का एक माप जब तक कि अधिकतम वेंट्रिकुलर संकुचन का समय 25 प्रतिशत से कम हो, तो मरीज की मौत की आशंका पांच गुना अधिक बढ़ जाती है। टीम ने यह भी पाया कि समान जोखिम वाले कारकों के समान अनुपात वाले, जिनके पास कोविड नहीं था, उनमें प्रथम-चरण अस्वीकृति अंश के निम्न मान थे। यह पता चलता है कि दिल को नुकसान पुरानी पूर्व-मौजूदा स्थितियों के कारण हो सकता है । इसे कोविड संक्रमण का परिणाम नहीं माना जा सकता है। ये दावा शोधकताओं ने किया है।

लंदन में सेंट थॉमस अस्पताल में कार्डियोवस्कुलर क्लिनिकल फामार्कोलॉजी के प्रोफेसर फिल चिवेंस्की ने कहा, परंपरागत रूप से, हृदय का कार्य इजेक्शन अंश द्वारा मापा जाता है, या हृदय के प्रत्येक संकुचन के साथ बाएं वेंट्रिकल पंप से कितना रक्त निकलता है। उन्होंने कहा, प्रथम चरण का इजेक्शन अंश, दिल के कार्य का एक नया माप है, जो पारंपरिक इजेक्शन अंश उपायों की तुलना में दिल के शुरूआती, अनिर्धारित क्षति के प्रति अधिक संवेदनशील लगता है। इस रिसर्च के नतीजे पत्रिका हाइपरटेंशन में प्रकाशित हुए हैं। कार्डियोवस्कुलर रिस्क फैक्टर और बीमारी को कोविड जोखिम कारकों के रूप में मान्यता दी गई है जो कि सार्स-कोव -2 महामारी के शुरूआती दिनों में रोगी के परिणामों पर उच्च नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। शोधकताओं ने परिकल्पना की है कि हृदय की विफलता की पूवार्नुभूति अस्पताल में भर्ती मरीजों में कोविड के अधिक गंभीर मामलों से जुड़ी होगी।

इस मामले में रिसर्च करने वाली टीम ने चीन के वुहान में 129 हॉस्पिटलाइज्ड कोविड रोगियों और दक्षिण लंदन में 251 हॉस्पिटलाइज्ड कोविड रोगियों के लिए फरवरी और मई 2020 के बीच मृत्यु दर का विश्लेषण किया है। प्रोफेसर फिल चिवेंस्की ने कहा निष्कर्ष बताते हैं कि अगर हम पहले चरण के इजेक्शन अंश इमेजिंग का उपयोग करके पता लगाए गए हृदय को होने वाली बहुत पुरानी क्षति को रोक सकते हैं, तो लोगों को कोविड जैसे श्वसन संक्रमण से बचने की अधिक संभावना होगी। इसके अलावा स्वस्थ जीवन शैली विकल्प, बेहतर उपचार, उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल के उपचार भी महत्वपूर्ण हैं। ''

कैसे तैयार करें जीरा-धनिया-सौंफ का पानी

लॉकडाउन के कारण कई लोग वजन बढ़ने जैसी समस्या से परेशान हैं। यदि आपकी भी यही शिकायत है और आप अपने आकार में अपने शेप में वापस आने की कोशिश कर रहे हैं तो यह लेख सिर्फ आपके लिए हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भोजन स्वस्थ जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए हम आपको अपने इस लेख में बता रहे हैं एक ऐसे डिटॉक्स ड्रिंक के बारे में जिसके सेवन से यह आपके लिए स्वस्थ और फिट रहने में कारगर साबित होगा। यह ड्रिंक है जीरा, धनिया और सौंफ से तैयार डिटॉक्स ड्रिंक जिसके सेवन से यह शरीर से विषाक्त पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करता है, साथ ही त्वचा को कोमल और स्वस्थ चमकदार बनाने में भी सहायक है, आइए जानते हैं।

वजन घटाने और चमकती त्वचा के लिए जीरा

यह भारतीय मसाला अपने विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। जीरा पाचन संबधी समस्या को खत्म करता है और पाचन तंत्र मजबूत करता है। साथ ही वजन कम करने में भी यह बहुत काम आता है। गर्मियों के समय पाचन संबधी समस्या आम हो जाती है, वहीं जीरा उन सभी समस्याओं से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। यह पोटेशियम, कैल्शियम व कॉपर जैसे पोषक तत्वों से भी समृद्ध है, जो आपकी त्वचा को कोमल रखने में मदद कर सकता है।

वजन घटाने और चमकदार त्वचा के लिए धनिया

धनिया विभिन्न प्रकार के खनिजों और विटामिनों का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद करता है। धनिये के बीजों में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा संबंधी कई समस्याओं के इलाज के लिए प्रभावी हो सकते हैं। इसलिए धनिये का सेवन गर्मियों के दौरान महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि गर्मी और पसीने के कारण त्वचा पर अतिरिक्त तेल त्वचा की विभिन्न समस्याओं को जन्म देता है।

वजन घटाने और चमकती त्वचा के लिए सौंफ

गर्मियों के मौसम में मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक आम समस्या है और सौंफ को त्वचा को ठंडा करने के लिए जाना जाता है। इसमें जस्ता, कैल्शियम और सेलेनियम जैसे गुण होते हैं, जो शरीर में हार्मोन और ऑक्सीजन के स्तर को संतुलित करने के लिए अच्छे होते हैं, जो त्वचा पर एक स्वस्थ चमक लाते हैं। साथ ही इससे वजन कम होता है।

कैसे तैयार करें जीरा-धनिया-सौंफ का पानी?

आधा चम्मच जीरा, धनिया और सौंफ को 1 गिलास पानी में रातभर भिगो दें। अगली सुबह इस पानी को अच्छी तरह उबाल लें और पानी छान लें। काला नमक, शहद और आधा नींबू का रस इसमें मिला लें।

- इस डिटॉक्स ड्रिंक से जहां आपको मिलेगी ग्लोइंग स्किन वहीं होगा आपका कई किलो वजन कम।
- यह आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर मसालों का पानी है। जो शरीर में कई तरह की कमी को पूरा करके मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है।
- यह डिटॉक्स ड्रिंक स्किन को चमकदार और साफ भी रखता है।
- पाचन शक्ति बढ़ाने के लिए भी अच्छा है। जिंक, कैल्शियम, सेलेनियम जैसे कई न्यूट्रिएंट्स हैं इनमें होने के कारण हार्मोन्स को बैलेंस रखने में भी मदद करता हैं।

क्या उबालने पर खत्म हो जाते हैं दूध के पोषक तत्व

हमारे दादा-दादी हमेशा से बच्चों को दूध पीने की सलाह देते रहे हैं क्योंकि यह बहुत पोष्टिक और ताकतवर होता है। लेकिन समय के साथ दूध को लेकर तो धारणाएं हैं वो बदलती रही है। कुछ लोग ठंडा दूध पीना चाहते हैं तो कुछ उबालकर पीना पसंद करते हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो मानते हैं कि दूध को बार-बार उबालने से उसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। आइए जानते हैं क्या है हकीकत। ज्यादातर लोग मानते हैं कि दूध ही कैल्शियम का एकमात्र विकल्प है। यह पूरी तरह से सच नहीं हैं। दो चम्मच चिया सीड्स में दूध से 6 गुना अधिक कैल्शियम होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन के मुताबिक, 100 एमएल दूध में 125 मिग्रा.कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम रागी में 344 मिग्रा कैल्शियम होता है। एक्सपर्ट कहते हैं, शरीर में कैल्शियम को एब्जॉर्ब होने के लिए विटामिन-डी भी पर्याप्त मात्रा में होना जरूरी है। दूध को खराब होने से बचाने के लिए उबाला जाता है। हालांकि इसे उबालने से इसके पोषक तत्वों पर असर नहीं पड़ता। आहार विशेषज्ञ मानते हैं कि दूध को कई बार उबालने से भी इसके पोषक तत्व नहीं खत्म होते। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध सुबह ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें इसे खाली पेट न लें। ऐसा करने से पाचन बिगड़ सकता है। गैस बन सकती है। आयुर्वेद कहता है, अगर आपको वात और कफ दोष है तो सुबह खाली पेट दूध न लें। जिन्हें अक्सर खांसी की शिकायत रहती है, उन्हें भी सुबह खाली पेट दूध लेने से बचना चाहिए। दूध को पोषक तत्वों के आधार पर कम्प्लीट फूड कहते हैं, लेकिन इसे भोजन का विकल्प नहीं बनाया जा सकता है। शरीर को विटामिन-सी, फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो दूध में नहीं होते। इसलिए इसे लंच या डिनर से रिप्लेस नही किया जाना चाहिए।

गले की खराश से न घबराएं, ये तरीके आजमाएं

गले में खराश होने पर किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। बार - बार खराश आती है। कई बार आस-पास मौजूद लोग भी परेशान हो जाते हैं। जब खराश बहुत अधिक बढ़ जाती है तब हम सीधे ऐलोपैथिक दवा लेने के बारे में सोचते हैं। लेकिन घर में मौजूद कई सारी चीजें है जिनके सेवन से आप घर पर आसानी से खराश से छुटकारा पा सकते हैं। तो जानते हैं घर पर कैसे आसानी से गले में हो रहे खराश को दूर भगाएं -

नमक पानी की गरारे

जी हां, आपको हर थोड़े - थोड़े दिन में कफ हो जाता है तो आप पानी में नमक डालकर उसे गर्म कर लीजिए। और तीन वक्त गर्म पानी के गरारे करें। आपको 2 दिन में ही आराम मिलने लगेगा। साथ इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। आप रोज भी कर सकते हैं। कफ खत्म होने के साथ ही आवाज भी खुलती है और साफ भी होती है। शोध में भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि नमक के पानी के गरारे करने से गले की सूजन और दर्द में भी आराम मिलता है। डॉक्टर भी नमक के पानी के गरारे करने की सलाह देते हैं।

सोना सुहागी

जी हां, यह आपको किचन में आराम से मिल जाएगी। सोना सुहागी को रात में दूध से लिया जाता है। इससे आपको एक दिन में ही आराम मिल जाएगा। सोना सुहागी सफेद रंग की होती है उसे तवे पर धीमी आंच पर रखा जाता है, वह धीरे - धीरे फूलने लगती है। इसके बाद गैस बंद कर दीजिए। और दूध के साथ लेकर सो जाएं। इसे लेने के बाद आप पानी या अन्य चीज कुछ भी खाएं पिएं नहीं। आपको अगले दिन सुबह ही आराम मिल जाएगा।

शहद और काली मिर्च

रसोई घर पर हर दर्द की दवा है। रात को सोने से पहले आप एक चम्मच में शहद लें और काली मिर्च को उसमें मिक्स कर दें। वह एक चम्मच आप पूरा खा लीजिए। इसके बाद किसी भी चीज का सेवन नहीं करें, पानी का भी नहीं। अगले दिन सुबह आपको आराम मिल जाएगा।

अदरक

अदरक में एंटी बैक्टीरियल तत्व मौजूद होते हैं। एक कप पानी में अदरक को डालकर उबाल लें। इसे गुनगुना होने के बाद इसमें शहद मिलाएं और दिन में दो बार पिएं। इसके सेवन से आपके गले का कफ दूर होगा और दर्द में भी आराम मिलेगा।

मसाला चाय

जी हां, चाय के सेवन से भी काफी राहत मिलती है। चाय में आप लौंग, तुलसी, अदरक, काली मिर्च डालकर उबाल लें। इसके बाद पानी में शक्कर और चाय की पत्ती डालकर उबालें और फिर छानकर पिएं। इसके सेवन से आपको कफ में भी राहत मिलेगी और गले के दर्द में भी आराम मिलेगा।

अमृतधारा

यह भीमसेनी कपूर,पिपरमिंट और अजवाइन के सत से बनती है और खराश में इसे गले पर लगाने और बूंद भर सेवन करने से आश्चर्यजनक फायदा करती है.

इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि -

सामग्री : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

बादाम खाने के फायदे ही नहीं बल्कि नुकसान भी हैं

आपमें से ज्यादातर लोग सर्दी के दिनों में भीगे बादाम का सेवन करते हैं। लेकिन बादाम का सेवन आखिर भिगोकर ही क्यों किया जाता है, सूखे बादाम क्यों नहीं? अगर आप नहीं जानते इसका जवाब, तो चलिए हम बता देते हैं। दरअसल छिलके सहित बादाम खाना उतना फायदेमंद नहीं होता, जितना बगैर छिलके वाले बादाम खाने से होता है। इसका प्रमुख कारण है छिलकों का आपके पोषण में रूकावट पैदा करना। जी हां, बादाम के छिलके में टैनीन नाम का एक तत्व मौजूद होता है जो कि इन पोषत तत्वों के अवशोषण को रोक लेता है। अगर आप सूखे बादाम का सेवन करते हैं, तो छिलकों को निकालना संभव नहीं होता, जबकि बादाम को पानी में भिगो देने पर इससे छिलका आसानी से निकल जाता है। ऐसे में आपको बादाम का पूरा पोषण मिल पाता है, जो छिलकों के रहते नहीं मिल पाता। यही कारण है कि कच्चे यानी सूखे बादाम की जगह भीगे हुए बादाम खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

खुद ऋतिक रोशन ही डायरेक्ट करेंगे कृष 4

अभिनय के क्षेत्र में अपना दमखम दिखाने के बाद अभिनेता ऋतिक रोशन 'कृष 4' से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने जा रहे हैं। उनके पिता राकेश रोशन ने घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म की कमान वह ऋतिक को सौंप रहे हैं। लंबे समय से फिल्म के निर्देशन को लेकर चर्चा चल रही थी। लगातार यह संशय बना हुआ था कि फिल्म का निर्देशन कौन करेगा? आदित्य चोपड़ा की अगुआई में यशराज फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण होगा।

राकेश रोशन ने की घोषणा

'कृष' फ्रैंचाइजी की अगली किस्त यानी 'कृष 4' पर बड़ा अपडेट देते हुए राकेश रोशन ने कहा, मैं कृष 4 के निर्देशन की कमान अपने बेटे ऋतिक रोशन को सौंप रहा हूं, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को शुरू से ही मेरे साथ जिया, महसूस किया और इसके बारे में सपने देखे हैं। ऋतिक के पास अगले दशकों तक दर्शकों के साथ कृष की यात्रा को आगे बढ़ाने का एक साफ और बहुत ही महत्वाकांक्षी विजन है। मुझे यह देखकर बहुत गर्व हो रहा है कि वह एक ऐसी फिल्म के निर्देशक बन रहे, जो हमारे लिए एक परिवार की तरह है। राकेश रोशन ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक अभिनेता के रूप में लॉन्च किया था। आज फिर 25 साल बाद तुम्हें दो फिल्म निर्माताओं आदि चोपड़ा और मेरे द्वारा हमारी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म कृष 4 को आगे बढ़ाने के लिए एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया जा रहा है। इस नए अवतार में तुम्हें ढेर सारी सफलता की शुभकामनाएं और आशीर्वाद!

राकेश रोशन और आदित्य चोपड़ा ने मिलाया हाथ

इस सुपरहीरो फिल्म के लिए आदित्य चोपड़ा और राकेश रोशन साथ आए हैं। आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स राकेश रोशन के साथ मिलकर इसका निर्माण करेगी। काफी लंबे समय से इस फ्रेंचाइजी की अगली किस्त का फैंस को इंतजार था। इस महत्वपूर्ण सूचना ने उनकी उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है।

इस भारतीय सुपरहीरो फ्रेंचाइजी की शुरुआत 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसमें ऋतिक रोशन ने मुख्य भूमिका अदा की थी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म थी। साल 2006 में इसकी अगली किस्त 'कृष' आई और साल 2013 में 'कृष 3।' अपने इस सफर के दौरान दर्शकों के दिल में इसने एक खास जगह बना ली।

फिल्म किंगडम में हुई कीर्ति सुरेश की एंट्री

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म किंगडम के लिए कमर कस चुके हैं। फिल्म का पहला लुक भी जारी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि फिल्म में विजय के साथ कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी।

कीर्ति सुरेश के साथ जमेगी विजय की जोड़ी

फिल्म किंगडम में विजय देवरकोंडा के साथ कीर्ति सुरेश रोमांस करती नजर आ सकती हैं। पहले निर्माताओं ने रुक्मिणी वसंत को लेने के बारे में विचार किया था, लेकिन बात कुछ जमी नहीं। इसलिए फिर निर्माताओं ने कीर्ति को फिल्म में लेने का मन बनाया और उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई। फिल्म की स्क्रिप्ट कीर्ति को बेहद पसंद आई और उन्होंने तुरंत ही फिल्म के लिए हां कह दी।

कीर्ति का होगा खास अंदाज

फिल्म किंगडम में कीर्ति गोदावरी बोली बोलती नजर आएंगी। फिल्म किंगडम की कहानी स्थानीय राजनीति पर आधारित होगी और साथ ही इस फिल्म में आम लोगों से जुड़े कई पहलुओं को भी दिखाया जाएगा। निर्माता दिल राजू इस फिल्म को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले बनाएंगे। फिल्म की शूटिंग इस गर्मी से शुरू होने की उम्मीद है। एक्शन ड्रामा फिल्म किंगडम 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय की इस फिल्म का पहला लुक सामने आते ही फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विजय का वर्कफंट

विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म किंगडम के अलावा रवि किरण कोला की फिल्म राउडी जनार्दन में भी नजर आएंगे। इसके अलावा विजय राहुल सांकृत्यायन के साथ भी एक प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं।

लापता लेडीज में 'इंस्पेक्टर मनोहर' बनना चाहते थे आमिर खान

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडिज' में सुपरस्टार आमिर खान 'इंस्पेक्टर मनोहर' का किरदार निभाना चाहते थे। हालांकि, वह ऑडिशन में फेल हो गए थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी में खुद का एक ऑडिशन टेप शेयर किया, जिसमें वह पान चबाते नजर आए। 'लापता लेडीज' के लिए खारिज किए गए ऑडिशन क्लिप में अभिनेता का एक ऐसा पहलू दिखाया गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, यह भूमिका बड़े पर्दे पर नहीं आई, लेकिन वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। आमिर के नए यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें किरण राव ने खुलासा किया कि आमिर पहले फिल्म में 'श्याम मनोहर' नामक एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने वाले थे, जो बाद में रवि किशन को मिल गई।

आलिया की सफलता से सारा को होती थी जलन

आलिया भट्ट इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल अचीवमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस सारा अली खान ने ये खुलासा किया कि उन्हें आलिया भट्ट से जलन होती थी। एक समय उन्हें आलिया के प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जलन होने लगी थी। वो कहती हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस की लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर सोचा ही नहीं। उन्हें सिर्फ उनकी सफलता दिख रही थी। सारा कहती हैं- जब आलिया को नेशनल अवॉर्ड मिला था। उस वक्त मुझे लगा भगवान ये अवॉर्ड जीत गई। उनके पास एक बच्चा भी है। उनकी जिंदगी तो सेट है। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्हें यह सब पाने के लिए क्या-क्या सहना पड़ा होगा। एक एक्टर के तौर पर मैंने उन्हें अमानवीय बना दिया। सारा अपनी बात में आगे कहती हैं, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। किसी से जलन महसूस करने से पहले उस इंसान की पूरी कहानी जाननी होती है। अक्सर हम बिना किसी की मेहनत जाने उससे जलन लगते हैं। हमें बस दूसरों की सफलता दिखती है। उन्होंने कहा, हम नहीं देख पाते कि इसके पीछे क्या चल रहा है। जलन का मतलब है अंधापन। बता दें कि आलिया भट्ट को साल 2022 में उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। उसी साल अप्रैल में उन्होंने एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। 2022 के नवंबर में दोनों राहा के पेरेंट्स बने। वहीं, सारा अली खान की बात करें तो उन्होंने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा की स्काई फोर्स इसी साल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिला था। जल्द ही वो फिल्म मेट्रो इन दिनों में दिखेंगी।

निमरत कौर के अलावा दीपिका, प्रियंका और इन सितारों ने तय किया बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

मशहूर अभिनेत्री निमरत कौर ने बॉलीवुड की फिल्मों स्काई फोर्स, दसवीं और एयरलिफ्ट में बेहतरीन किरदार अदा किया है। उन्होंने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। निमरत ने हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में काम किया है। वह वेवार्ड पाइंस और फाउंडेशन में भी नजर आई। ऐसे में आज हम उन बॉलीवुड एक्ट्रेस के बारे में जानेंगे जो बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचीं।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड को अंदाज, ऐतराज और किस्मत जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। अपने फिल्मी करियर को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने हॉलीवुड की बेवाच, ए किड लाइक जेक और द व्हाइट टाइगर जैसी फिल्मों में काम किया।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड को पद्मावत, जवान और पठान जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म एक्सएक्सएक्स- रिटर्न ऑफ जेंडर केज और फास्ट एंड फ्यूरियस 7 में भी काम किया।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने बॉलीवुड को गंगूबाई काठियावाड़ी, हाइवे और राजी जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने साल 2022 में हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में काम किया है।

ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय देवदास, धूम और मोहब्बतें जैसी फिल्मों में नजर आई। वह अभी भी बॉलीवुड फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म प्रोवोक्ड और द लास्ट लीजन में काम किया।

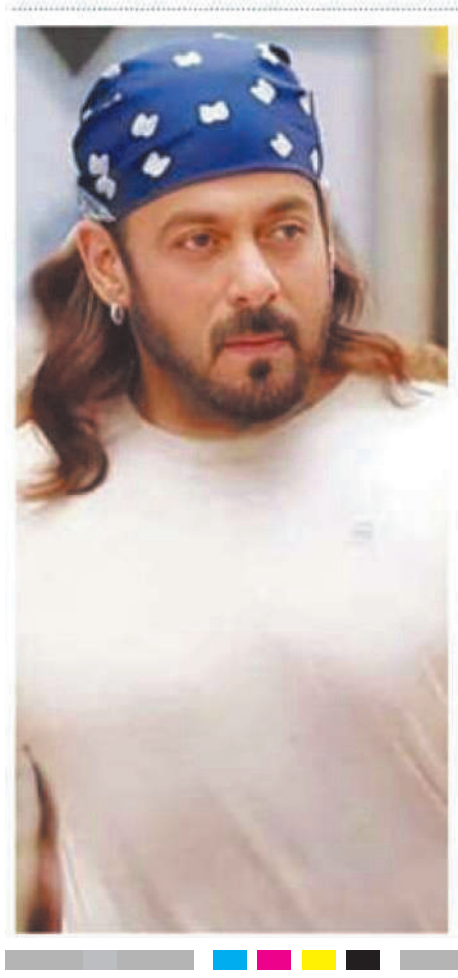

तकदीर अच्छी हुई तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी, राजनीति में एंट्री पर बोले सलमान

बॉलीवुड में लगभग साढ़े तीन दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुके सलमान खान का ईद पर सालों से प्रभुत्व रहा है। इस बार वह साउथ के जाने-माने डायरेक्टर एआर मुरुगादॉस के साथ सिकंदर लेकर आ रहे हैं। सलमान ने हाल ही खास बातचीत में अपनी इस फिल्म के अलावा परिवार, बॉक्स ऑफिस, जान से मारने की धमकियों, राजनीति, एज गैप जैसे कई मुद्दों पर बात की।

सलमान आपकी निजी जिंदगी हो या सोशल मीडिया आपका परिवार प्रेम हमेशा नजर आता है। वो पारिवारिक मूल्य और बॉन्डिंग कहां से आते हैं?

प्यार तो परिवार से आता है। पालन-पोषण से आता है। मॉम और डैड की जब शादी हुई थी, तो वओ दोनों ही अलग-अलग कल्चर और धर्म से थे। मगर मेरे नाना के लिए मुद्दा ये नहीं था कि मेरे डैड मुसलमान हैं, उनकी समस्या थी कि ये फिल्म इंडस्ट्री का आदमी है। मेरे नाना मेरे पिता से शादी के पांच साल बाद मिले थे, वो भी जब सोहेल पैदा हुआ। उस वक्त उन्होंने मेरे पिता को बहुत प्यार दिया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती ये हुई है कि उन्होंने पांच साल न मिलकर वक्त बर्बाद किया। एक बार जब मेरी मॉम झगड़कर मायके चली गई थीं, तब मेरे नाना ने कहा था कि अब तुम्हारी अर्थी वहीं से उठेगी। तुम इस तरह से घर छोड़कर यहां मायके मत आना। तुम यहां मिलने-जुलने आ सकती हो, मगर घर छोड़ कर नहीं। लड़ाई-झगड़े तो होते रहते हैं, तुम घर वापस जाओ। वो अच्छा आदमी है। पता नहीं मेरे पिता सलीम खान ने मेरे नाना पर क्या जादू चलाया था। परिवार से हमने बहुत कुछ सीखा और फिर दोस्तों से भी। जिनसे लगा कि ये बहलाने-फुसलाने के लिए आए हैं, उनसे हम दूर ही रहे हैं। हम जब 18-20 साल के हुए, तो हमारे पिता के दोस्त हमारे दोस्त बन गए। हमारे फ्रेंड्स हमारे फादर के फ्रेंड्स हो गए। हम भाइयों के दोस्तों का सर्कल भी ब्रदर्स जैसा ही है।

अगर फिल्मों की बात करूं, तो आप बॉक्स ऑफिस के अनप्रेडिक्टेबल मिजाज के बारे में क्या सोचते हैं। समझ में नहीं आ रहा कि क्या चलेगा, क्या नहीं?

अच्छी फिल्म होगी, तो चलेगी और अगर अच्छी नहीं हुई, तो नहीं चलेगी, मगर तकदीर बहुत अच्छी हुई, तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी।

आपने अनगिनत फिल्मों में काम किया है। आप मास सिनेमा को कैसे डिफाइन करते हैं?

देखिए, मास और क्लास सिनेमा का जो सेपरेशन था, वो तो एकदम से हिल गया है। आज आप मल्टीप्लेक्स में भी चले जाओ, तो सीटी-वीटी मारने का चलन वहां भी देखने मिलता है। मगर मैं हमेशा कहता हूं कि सिंगल थिएटर में जो ब्लैक में इतने सारे पैसे खर्च करके टिकट लेते हैं, उनको मल्टीप्लेक्स में जाकर ही फिल्म देख लेनी चाहिए। मगर कई बार पीवीआर और आइनॉक्स वाले भी गेटी-गैलेक्सी में फिल्में देखने जाते हैं। असल में वो उस मासी फीलिंग के लिए इन थिएटरों में जाते हैं।

सलमान धमकियां मिलना आपके लिए नई बात नहीं है, मगर उम्र के इस मुकाम पर आप बेखौफ हो गए हैं या बेचैन रहते हैं?

अल्लाह और भगवान है। जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी तो रहेगी, मगर कभी-कभी इतने सारे लोगों को साथ लेकर चलना होता है, वही प्रॉब्लम हो जाती है।

एटली के साथ आपकी फिल्म को लेकर काफी चर्चाएं हैं। हाल-फिलहाल उसका स्टेटस क्या है?

एटली के साथ वाली फिल्म पूर्वनियोजित तौर पर नहीं हो पाई है और इसका कारण मुझे फिल्म का ग्रैंड स्केल और भव्य बजट लग रहा है। इस तरह की फिल्म के लिए बहुत सारा एफर्ट्स और समय चाहिए, जो दो फिल्में करने जितना है। यही वजह है कि मैंने अपना समय दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को दिया।

आपकी फिल्म में एक डायलॉग है, सीएम, पीएम का तो पता नहीं, मगर एमएलए, एमपी तो बन जाऊंगा, तो क्या सलमान भविष्य में आप किसी बदलाव के तहत राजनीति में जाने की सोचते हैं?

इसके बाद एक और डायलॉग है फिल्म में, मुझे कोई इंटरेस्ट नहीं है, क्योंकि राजनीति मेरा फील्ड नहीं है। जब किसी को गवर्नेंस और एडमिनिस्ट्रेशन नहीं आता, तो उसे इस क्षेत्र में घुसना नहीं चाहिए। वो हमको आता ही नहीं, वो हमारा काम ही नहीं है। हमको ये काम इतना बढ़िया आता है, तो हम यही करेंगे।

निर्देशक मुरुगादॉस एक्शन के लिए जाने जाते हैं, तो क्या वो जलवा इस फिल्म में देखने को मिलेगा?

यहां पर मामला थोड़ा अलग है। मेरा मानना है कि एक्शन में जब तक इमोशन जुड़ा हुआ न हो, बात बनती नहीं है। मुरुगादॉस की पिछली जो भी फिल्में थीं, आमिर की गजनी उसमें भी इमोशन बहुत तगड़ा था। अक्षय कुमार की हॉलिडे में भी इमोशन स्ट्रॉन्ग था और यहां पर आपको को ये देखने को मिलेगा। फिल्म का इमोशनल ग्राफ बहुत अच्छा है। मेसेज भी है और मनोरंजन भी।

फिल्म में आपकी हीरोइन रश्मिका मंदाना और आपकी उम्र के अंतर को लेकर काफी चर्चा चल रही है?

मैं जब भी नई लड़कियों के साथ काम करता हूं, मेरी कोशिश उन्हें एक बड़ा प्लैटफॉर्म देने की होती है, एक बड़ा स्टार बनाने की। मगर एज गैप का मुद्दा लाकर आप लोगों ने इनका बेड़ा गर्क कर दिया। मुझे अगर अनन्या पांडे और जहान्वी कपूर के साथ काम करना होगा, तो मुझे दस बार सोचना होगा। मगर दस बार सोच कर भी मैं करूंगा।

ब्रीफ न्यूज

हमनें बाबूजी स्व. सुभाष यादव के सपनों को किया साकारः अरुण यादव

खरगोन। पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर गृह गॉव बोरावां में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने कहा कि हमने बाबूजी के सपनों को साकार किया है। निमाड़ के किसानों की धरती पर बाबूजी द्वारा बोरावां में स्थापित उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों को हमनें ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र बनाने की कोशिश की है। केलिफोर्निया यूएसए, ताईवान और देश के विभिन्न शोधकर्ताओं की उपस्थिति में हाल ही में बोरावां में इंटरनेशनल कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था।

समाज को एकजुट करने का माध्यम है खेल प्रतियोगिता- नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर

सीहोर। शहर के आवासीय खेलकूद संस्थान पीजी कालेज भोपाल नाके पर श्री कृष्ण यादव ग्वाला समाज के तत्वाधान में लगातार दूसरी साल टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहाकि समाज के प्रतिभाशाली खिलाड़ी समाज का नाम रोशन करते है और समाज को एकजुट करने का माध्यम है इस तरह की खेल प्रतियोगिता। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी है।

कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर एनपीएस और यूपीएस का विरोध किया गया

अशोकनगर। बेटी को दामाद ले जाएगा बेटे को बहू ले जाएगी बुढ़ापे में तो ओल्ड पेंशन ही काम आएगी अशोकनगर में कार्यस्थल पर 1 अप्रैल आज काली पट्टी बांधकर एनपीएस और यूपीएस का विरोध किया गया कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपने कार्यस्थल पर कार्य कर रहे हैं। अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष रामगोपाल शिवहरे के नेतृत्व में काली पट्टी बांधकर विरोध किया गया सभी ने नारेबाजी कर ह्हक्कस्, यूपीएस केवल पुरानी पेंशन की मांग की है और केंद्र सरकार से निवेदन की है कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम बिल वापस लेकर 2005 से बंद पुरानी पेंशन लागू की जाए क्योंकि एनपीएस में जहां सेवानिवृत्ति के पश्चात 60 प्रतिशत पैसा मिलता है और 40 प्रतिशत जमा पैसे पर पेंशन मिलती है जबकि यूपीएस में सेवानिवृत्ति के अंतिम 12 महीने का गणना करने के पश्चात जिनकी सेवा अवधि सेवानिवृत्ति के समय 25 वर्ष होगी केवल उन्हीं को इसका लाभ मिलेगा मध्य प्रदेश में बहुत सारी तकनीकी खामियां हैं।

आयो.आयो चैतडल्या रो मास जी, जंवारा जतन कर राखज्यो जी...

नगर में निकला रथों का कारवां, शुरु हुआ मन्नतों का दौर

सत्ता सुधार ■ खरगोन

सुहाग और सौभाग्य का प्रतीक गणगौर पर्व का उल्लास चरम पर है। जिन क्षेत्रों में चैत्र तृतीया याने सोमवार को बाडियां खुली उन बाडियो के जवारो को श्रृंगारित रथो में सोमवार देरशाम घाट पर भ्रमण के लिए ले जाया गया, यहां से मन्नतधारी परिवार मान. मनुहार कर माता को अपने घर लाए। गणगौर घाट पर माताजी का विशेष पूजन.अर्चन किया गया। घाट पर कुछ देर रुकने के बाद माता को पानी पिलाकर, यहां से मन्नत वाले श्रद्धालुओं द्वारा मनुहार कर उन्हें बेटी की तरह घर लाया गया। इसे निमाड़ में रथ बौड़ाना कहा जाता है। वहीं कई स्थानों पर मंगलवार को भी बाडियां खोली गई, जहां से श्रद्धालू दोपहर बाद माता को अपने घर बेटी के रुप में ले गए। बुधवार को बेटी को विदाई करने की परंपरा नही होने से गुरुवार से माता की विदाई याने विसर्जन का दौर शुरु होगा।

दुधिया रोशनी से नहाए माता चौक

प्रसिद्ध गणगौर पर्व को लेकर प्रशासन के साथ ही नागरिको द्वारा विशेष तैयारियां की गई है। नदी तटो पर साफ. सफाई के साथ ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्थाएं की गई है। शाम को शहर के माता चौक आकर्षक दूधिया रोशनी से सराबोर होकर मानो रणुबाई और धणियर राजा की अगुवाई कर रहे हो। ढोल.तांशो की धून पर बज रहे धार्मिक गीतो के बीच श्रद्धालू रथो को लेकर माता चौक पर पहुंचे। जहां एकत्रित हजारों श्रद्धालुओ ने श्रद्धाभाव से माता की पुजा.अर्चना कर प्रसादी स्वरूप तमोल (धानी) चढ़ाकर आराधना की। इस दौरान माता चौक पर मेले सा माहौल नजर आया। बच्चे, बुढ़े, महिलाएं, पुरूष, युवक, युवतीयां माता की भक्ति में लीन नजर आए। ग्राम छालपा के नरेंद्र पाटीदार ने बताया कि गणगौर का पर्व हर्षोल्लास और मंगल कामना के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 100 के लगभग रथ आए है।

जन सुनवाई में कलेक्टर के सामने आ रहे भूमि विवाद के मामले

कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर बालागुरू के की अध्यक्षता में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर बालागुरू के तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने जिले भर से आए 60 नागरिकों की सुनवाई की और निराकरण के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई।

जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मुआवजा राशि की गुहार लेकर पहुंची आवेदिका

आयोजित जनसुनवाई में ग्राम मगरदी खुर्द निवासी आवेदिका सुगन बाई ने कलेक्टर बालागुरू के से गुहार लगाते हुए कहा कि पार्वती बांध परियोजना में उनका मकान डूब क्षेत्र में चला गया है, इसका उन्हें कोई नोटिस नही दिया गया और न ही मकान का मुआवजा दिया गया है। सुगन बाई ने कलेक्टर बालागुरू के को बताया कि उनके पति की मृत्यु हो गई है और उनके तीन बच्चे हैं। उनके पास आय का कोई साधन नही है। सुगन बाई ने कलेक्टर बालागुरू के से पात्रतानुसार सहायता दिलाने एवं उनके मकान का उचित मुआवजा दिलाने की गुहार लगाई है। कलेक्टर बालागुरू के ने पात्रता के अनुसार सुगन बाई को योजनाओं का लाभ दिलाने और मुआवजे के सम्बंध में नियमानुसार कार्यवाही के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 156 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों के निराकरण के निर्देश संबंधितों को दिए गए। जनसुनवाई में ग्राम सेमरी लोहाबाद निवासी हरवीर सिंह द्वारा पट्टे की जमीन पर कब्जा दिलाए जाने,ग्राम मथनेर निवासी उदेश द्वारा भूमि का बटांकन कराए जाने,ग्राम दहेला निवासी पचिया बाई द्वारा कृषि भूमि पर कब्जा दिलाए जाने,ग्राम सागर के समस्त ग्रामवासियों द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान से राशन वितरण कराए जाने,ईसागढ निवासी बुद्धा अहिरवार द्वारा पट्टा दिलाए जाने,ग्राम चमराई निवासी कलाबाई अहिरवार द्वारा किसान सम्मान निधि की राशि दिलाए जाने,नईसराय निवासी सारदा बाई द्वारा पट्टे को कम्प्यूटर पर अम्ल कराए जाने,ग्राम पीलीघाटा निवासी राजेन्द्र द्वारा रास्ता दिलाए जाने,ग्राम बावडी खेडा निवासी भगत सिंह अहिरवार द्वारा जमीन पर कब्जा दिलाए जाने,ग्राम बडागांव निवासी कलाबाई अहिरवार द्वारा पीएम आवास दिलाए जाने, ग्राम पिपरई निवासी परमाल सिंह द्वारा जन्म तिथि सुधरवाए जाने,ग्राम गढला निवासी पूजा बाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास दिलाए जाने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

अशोकनगर के स्कूलों में विद्यार्थियों को लगाया तिलक, शिक्षण सामग्री की भेंट

- पी.एम.श्री शा. मावि.क्रमांक 04 में मनाया गया,जिलास्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम
- स्थानीय पी एम श्री क्रमांक 4 में आज 1 अप्रैल को भव्य प्रवेश उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

कार्यक्रम में जिले के सभी जनप्रतिनिधि और समस्त अधिकारी आमंत्रित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी उपस्थित रहे। इसके साथ ही नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज शर्मा,पार्षद जयमंडल यादव,पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र रघुवंशी,पार्षद विपिन शिवहरे,पार्षद शशि गोपाल ओझा,सांसद प्रतिनिधि संजीव भारील्ल भाजपा जिला महामंत्री सचिन चौधरी,सहित एसडीएम बृज बिहारी श्रीवास्तव ,नायब तहसीलदार मयंक तिवारी,राज्य शिक्षा केंद्र के ओआईटी प्रदीप मालवीय,डीईओ नीरज शुक्ला ,डीपीसी राहुल शर्मा, अनिल खंतवाल सहित अनेक अधिकारीगण उपस्थित रहे। स्वागत भाषण शिवकुमार शर्मा ने दिया।डीपीसी राहुल शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।डीईओ नीरज शुक्ला ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।भोपाल से आए ह्हृष्ट ने कहा कि यह कार्यक्रम बेहद भव्य है और शासन की मंशानुसार हो रहा है। जनप्रतिनिधियों और पार्षदों ने बच्चों के लिए प्रेरणादाई विचार रखे। इस अवसर पर अतिथियों ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों का शाला में प्रवेश कराया,उन्हें पुस्तकें प्रदान की।

प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया। सभी अतिथियों ने पालकों से बच्चों को पढ़ाने और शाला भेजने का आग्रह किया।शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान की।पूर्व विधायक ने कहा कि पी.एम.श्री स्कूलों में प्रायवेट स्कूलों से बेहतर सुविधाएं और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है।सभी इसका लाभ लें।जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए संस्था प्रधान सहित स्टॉफ की प्रशंसा की।कार्यक्रम के बाद सभी ने सेल्फी पॉइंट पर फोटो लिए। इसके बाद विद्यालय द्वारा छात्र/छात्राओं के लिए नवीन सूचना पटल,मन की बात पेटी,ठंडे और स्वच्छ पानी के लिए वाटर कूलर और नवीन कार्यालय, और लैपटॉप,प्रिंटर का लोकार्पण किया। इसके बाद सभी अतिथियों,पालकों और विद्यार्थियों को स्वादिष्ट भोजन कराया गया। विद्यालय में हुए सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन के लिए विद्यालय के स्टाफ की सराहना की। इस भव्य और अद्वितीय कार्यक्रम के फोटो,वीडियो आपके अवलोकन हेतु प्रस्तुत है। कार्यक्रम उपरांत संस्था प्रधान श्रीमती गायत्री पंत ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश का पुतला दहन किया

अशोकनगर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल अशोक नगर द्वारा गांधी पार्क पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश का पुतला दहन किया और आक्रोश जहर करते हुए कहा कि जिस् प्रकार से अखिलेश यादव सनातन हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं। गौ माता के बारे में ऐसी टिप्पणी कर रहे हैं उससे हिंदू समाज मेंबहुत रोष है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख दीपक मिश्रा ने कहा कि की जिस प्रकार से अखिलेश यादव द्वारा गौ माता के खिलाफ जो टिप्पणी की गई है वह अक्षम्य अपराध है। महामहिम को हमने ज्ञापन देते हुए मांग की है कि कोई भी राजनेता भविष्य में सनातन हिंदू धर्म के देवताओं पर गौ माता पर इस प्रकार टिप्पणी ना करें उसके लिए कठोर कार्रवाई की जाए। यह गौ भक्तों का अपमान है बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिनेश जैन, रामकुमार चौधरी, अशोक रघुवंशी , विकास जैन बल्लि हेमराज नामदेव, मोहन नामदेव, राधा मोहन दुबे, विनय आदिवासी, रामकृष्ण कुशवाहा, अरविंद जोशी, ईशान मोंटी चौरसिया ,अमित सोनी प्रमुख रूप से उपस्थित थे उसके बाद कलेक्टड जाकर एसडीम ब्रिज बिहारी श्रीवास्तव को ज्ञापन दिया।

तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर विद्यार्थियों का किया गया स्वागत

सत्ता सुधार ■ सीहोर

प्रदेश के साथ ही जिले में स्कूल चले हम अभियान एक अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। इस अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम सीहोर स्थित शासकीय सीएम राइज मनुबेन स्कूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अक्ष्यक्ष प्रिंस राठौर तथा भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र की उन्नति तभी हो सकती है, जब उसके नागरिक शिक्षित और संस्कारवान हों। राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षित और संस्कारवान बनाने में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यालयों में बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ ज़रूर पढ़ाना चाहिए।

शिक्षा समाज की रीढ़ है। शिक्षा के बिना मनुष्य, बिना बुनियाद की इमारत की तरह होता है। व्यक्तित्व, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण के लिए केवल शिक्षा ही एक मात्र माध्यम है। यह बात कलेक्टर बालागुरू के. ने सीएम राइज मुनबेन स्कूल में स्कूल चले हम अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा हमें लक्ष्य निर्धारित करने, सफलता प्राप्त करने और चुनौतियों से सामना करके आगे बढने के लिए प्ररित और पारंगत करती है। आत्मविश्वास विकसित करने में भी शिक्षा का विशेष योगदान है। सरकार हर वर्ग के लिए शिक्षा के अवसर और संसाधन उपलब्ध करा रही है। अब विद्यार्थियों को केवल परिश्रम करना है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु का सर्वोच्च स्थान है। शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से समर्पित भाव से पढ़ाने के लिए कहा। तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर किया गया विद्यार्थियों का स्वागत नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, कलेक्टर बालागुरू के, जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह तोमर तथा डीपीसी रमेश राम उइके, प्राचार्य दीप सिंह राठौर सहित अनेक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर तथा गणवेश एवं पुस्तकें प्रदान कर इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्षद दिलीप राठौर, सुदीप प्रजापति भी उपस्थित थे।

श्री सिद्धिदात्री अम्बा मंदिर सीवन नदी घाट पर श्री दुर्गा सप्तशती के पूर्ण पाठ का संकल्प

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी नवरात्रि का पावन पर्व श्री सिद्धिदात्री अम्बा मंदिर सीवन नदी घाट सीहोर पर हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा के साथ चैत्र नवरात्रि महापर्व धूमधाम से प्रारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर बद्रीनाथ धाम से प्राप्त ध्वज का ध्वजारोहण एवं ज्वारो का स्थापन पूजन के साथ पर्व का शुभारंभ हुआ। मंदिर समिति के सचिव महेश शर्मा ने बताया प्रत्येक नवरात्रि में समिति के सभी सदस्य श्री दुर्गा सप्तशती के पूर्ण पाठ का संकल्प करते हैं, विद्वान पंडित जनों द्वारा देवालय में बैठकर पाठ संपादित किए जाते हैं। प्रतिदिन रात्रि मे 8.30बजे मां सिद्धिदात्री की आरती सम्पन्न होती है।

सरपंच ने की कलेक्टर से शिकायत

ग्राम पड़रिया की शासकीय भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण करने, रास्ते रोकने वालों पर कार्रवाई की मांग

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

ग्राम पंचायत पड़रिया के सरपंच मेहरबान सिंह पटेल ने पिछले दिनों 27 मार्च को ग्राम पड़रिया की शासकीय भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण करने वालों पर कार्रवाई किए जाने की कलेक्टर को शिकायती आवेदन देकर मांग की है। अपनी शिकायत में सरपंच मेहरबान सिंह पटेल ने लिखा है कि ग्राम पड़रिया की भूमि सर्वे क्रमांक 283/3 शासकीय रिकार्ड में दर्ज होकर सुरक्षित चरनोई भूमि है,जिस पर कच्चा रास्ता एवं नाला बना हुआ है।

उक्त शासकीय सुरक्षित चरनोई भूमि कलेक्टर कार्यालय अशोकनगर से 4 किलो मीटर की दूरी पर हैं,ग्राम पटवारी की मिली भगत करके हस्तलिखित खसरा में भू-माफियाओं द्वारा अपने नाम खसरा में दर्ज करवा दी है। उक्त भूमि वेशकीमती होकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं उद्योग विभाग ऑफिस के सामने प्रधानमंत्री सडक से लगी हुई है। भू-माफियाओं ने उक्त जमीन को अपने नाम करके नाला पूर दिया है, व उस पर आर.सी.सी. की दीवार खड़ी करके प्लाट बनाकर बेच रहे हैं। भू- माफियाओं द्वारा शहर में पटवारी से मिली भगत करके सुरक्षित चरनोई भूमि पर कब्जा किये जा रहे हैं, शासकीय रिकार्ड में हेरा फेरी की जा रही हैं, ग्राम पड़रिया के पटवारी द्वारा अपने ही रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने की नियत से सुरक्षित चरनोई भूमि जो रिकार्ड मे नाला बना हुआ हैं। नाले को मिट्टी और मुरम से पूर कर प्लाट बेचें जा रहे हैं। आवेदक ग्राम का सरपंच हैं,उक्त शासकीय जमीन खुर्द-बुर्द न हो, इसके लिए ग्राम पड़रिया की सर्वे नंबर 283/3 की भूमि की विधिवत जांच कराई जावें,कि उक्त जमीन इन लोगों के नाम कैसे हुई। नाला रोककर आर सी.सी. की बनाई दीवार को तुड़वाई जाकर अवैध निर्माण कार्य रूकवाया जाए।

उल्लेखनीय है कि त्रिलोकपुरी कॉलोनी के निवासियों ने भी जनसुनवाई के दौरान गत 4 मार्च 2025 तथा इसके पहले भी इसी भूमि,नाले पर कब्जा कर पुराना कच्चा आम रास्ता रोके जाने को लेकर कलेक्टर से शिकायत की थी, शिकायत पर से एसडीएम अशोक नगर द्वारा शहर पटवारी संतोष रघुवंशी से 8 मार्च 2024 को जांच कराई गई,चूंकि उक्त सर्वे नंबर की जमीन पुराने हस्तलिखित खसरा में सुरक्षित शासकीय चरनोई की भूमि दर्ज है।और जमीन पटवारी के रिश्तेदार ने खरीदी थी,इस लिहाज से पटवारी द्वारा की गई जांच सवालों के घेरे में है। इसीलिए गांव के सरपंच ने गांव की जमीन को सुरक्षित रखने के लिए पटवारी जांच रिपोर्ट आने के बाद। फिर से शिकायत की है।अगर मामले की निष्पक्ष और किसी अधिकारी से जांच कराई जाए तो सच्चाई उजागर होगी और मामले में दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। क्योंकि इन दिनों राजस्व का जमीनी अमला वेश कीमती शासकीय जमीनों को भू-माफियाओं से सांठ-गांठ कर खुर्द कराने पर उतारू है,और ऐसे लोगों का कोई कुछ बिगाड़ भी नहीं पा रहा। ऐसे में कलेक्टर को चाहिए कि जिले की शासकीय जमीनों को सुरक्षित बचाने के लिए राजस्व के जमीनी अमले,जो बदनाम सुदा है, और भू-माफियाओं से साथ गांठ किए हुए है, उस पर भू-माफियाओं के साथ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। जिससे जिले की शासकीय जमीन सुरक्षित बच सकें, क्योंकि ऐसे ही बदनाम सुदा लोगों की बदौलत आज मंदसौर मिल की वेशकीमती शासकीय जमीन बिक गई और प्रशासन,राजस्व विभाग हाथ पर हाथ रखे बैठा रहा।

नाले के दोनों तरफ हैं,शहर की सर्वे नंबर 17,18 तथा ग्राम पड़रिया की सर्वे नंबर 283/3 की भूमि

जिस नाले के ऊपर आरसीसी की दीवाल बनाकर और नाले को मिट्टी मुरम से पूर कर, तथा उस पर से गुजर कर जाने वाले कच्चे रास्ते को बंद करने की तैयारी की संभावना है।उसके इस तरफ वार्ड नंबर 1 त्रिलोकपुरी कॉलोनी स्थित सर्वे क्रमांक 17, 18 की भूमि है। तथा दूसरी तरफ ग्राम पड़रिया की सर्वे क्रमांक 283/3 की भूमि है, इसके संबंध में लोगों से जानकारी मिली है कि अशोकनगर शहर की सर्वे नंबर 17,18 की 8 बीघा भूमि को धर्मेंद्र शर्मा (नायक) द्वारा वर्ष 2016 में नरेश गोस्वामी,पूर्व विधायक गोपीलाल जाटव को बेच दी थी।जबकि पटवारी रिपोर्ट में लिखा है धर्मेंद्र शर्मा द्वारा भूखंड विक्रय किए गए हैं। इस संबंध में धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि हमने तो नरेश गोस्वामी, गोपी लाल जाटव को जमीन बेची थी।सर्वे नंबर 283/3 की भूमि के बारे में बताया जाता है कि स्टांप ड्यूटी बचाकर ग्राम पंचायत रांवसर खालसा लिखा है, जबकि सर्वे नंबर 283/3 ग्राम पड़रिया का है। जिसमें कच्ची सड़क दर्शाई है,और आधा किलोमीटर का अंतर बताया है। जबकि दोनों पंचायत अलग-अलग है। वहीं पड़रिया जाने वाली प्रधानमंत्री सड़क पक्की बनी हुई है।

इनका कहना है

सर्वे नंबर 283/3 की शासकीय भूमि ग्राम पंचायत पड़रिया की है। जिसमें नाला बना हुआ है,जिस पर से कच्चा रास्ता होकर ग्राम पड़रिया जाता है। उस पर भू-माफियाओं द्वारा कब्जा कर नाले को बंद कर पुराने कच्चे रास्ते को बंद किया जा रहा है। इसकी शिकायत मेरे द्वारा कलेक्टर से की गई है और मांग की गई है कि जांच करा कर उक्त सर्वे नंबर की भूमि पर भू-माफियाओं के कब्जे को हटवाया जाए।

मेहरबान सिंह पटेल,
सरपंच ग्राम पंचायत पड़रिया,जनपद पंचायत अशोक नगर।

ब्रीफ न्यूज

संपत्ति विवाद में घायल बुजुर्ग की मौत, बेटे ने चाकू से हमला किया था

इंदौर। तेजाजी नगर में 15 दिन पहले चाकूबाजी में घायल हुए बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग पर संपत्ति विवाद के चलते उसके बेटे ने चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद से एमवाय में उनका उपचार चल रहा था। मामले में बुजुर्ग की बेटी ने अपने भाई के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कराया था। पुलिस पहले ही आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक 15 मार्च को मालवीय मोहल्ले में बुजुर्ग दयाराम पुत्र गणपत मालवीय को बेटे बालाराम मालवीय ने पेट में चाकू मार दिया। दयाराम का एमवाय में उपचार चल रहा था। रात में यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस अब मामले में हत्या की धारा बढ़ाएगी। पुलिस के पास दयाराम की बेटी कुंकु मालवीय पहुंची थी। उसने बताया था कि उसके भाई की काफी पहले मौत हो चुकी है। बुजुर्ग पिता सिल्वर स्प्रिंग में चौकीदारी करते थे। वे बुजुर्ग मां संपत बाई के साथ रहते थे। उन्होंने भाई बालाराम को उनकी संपति का हिस्सा दे दिया। लेकिन उसने अपनी जमीन बेच दी और जहां पिता दयाराम रहते थे। उसमें साथ रहने और हिस्सा मांगने की जिद कर रहा था। होली के अगले दिन 15 मार्च की शाम भाई बालाराम ने विवाद किया और पिता को पेट में चाकू मार दिया।

द सीक्रेट ऑफ देवकाली के प्रमोशन के लिए महाकाल की नगरी आए शिवओम और नीरज

उज्जैन। प्रकृति और पशुओं से प्रेम का महत्वपूर्ण सन्देश देती फिल्म ÷द सीक्रेट ऑफ देवकाली ÷का ट्रेलर की रिलीज होने के बाद चर्चा में हैं। महेश मांजरेकर, संजय मिश्रा, ज़रीना वहाब, प्रशांत नारायणन, नीरज चौहान और भूमिका गुरुंग जैसे अदाकार से सजी यह फिल्म का ट्रेलर काफी रहस्यमयी लग रहा है। फ़िल्म की सफलता और प्रमोशन के लिए फ़िल्म के मुख्य अभिनेता और निर्देशक नीरज चौहान और शिवओम मिश्रा, ब्रांड एंबेसडर, स्वच्छ भारत मिशन के साथ महाकाल की नगरी उज्जैन पहुँचे। महाकाल मंदिर में आरती और पूजा करने के साथ काल भैरव के दरबार में भी प्रार्थना भी की गई। इसके बाद प्रेस कांफ्रेंस में नीरज चौहान और शिवओम मिश्रा ने मीडिया को संबोधित किया। इस अवसर पर शिवओम मिश्रा, ब्रांड एंबेसडर, स्वच्छ भारत मिशन ने कहाकि ÷द सीक्रेट ऑफ देवकाली ÷ प्रकृति की सुरक्षा के साथ हमारे धर्म की रक्षा का भी एक अहम संदेश देती हैं इसलिए प्रत्येक भारतीय को यह फिल्म देखनी चाहिए। युवा अभिनेता और डायरेक्टर नीरज चौहान ने इस फ़िल्म के ज़रिए एक बहुत महत्वपूर्ण संदेश दिया हैं यह फ़िल्म लोगो को पसंद आने के साथ ही हमारे सनातन धर्म के लिए एक बहुत ही सशक्त संदेश भी देती हैं। अभिनेता निर्देशक नीरज चौहान का कहना है कि फिल्म द सीक्रेट ऑफ देवकाली की सफलता के लिए महादेव के चरणों में हम सब ने मिलकर प्रार्थना की। फ़िल्म द सीक्रेट ऑफ देवकाली के ट्रेलर को ऑडिएंस द्वारा जो रिएक्शन मिल रहे हैं वो हमारे लिए हौसला बढ़ाने वाले हैं. प्रकृति से खिलवाड़ और छेड़छाड़ का अंजाम हमेशा बुरा होता है।

लेकर भले ही सख्त आदेश जारी कर रखे हो उसके बावजूद उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा

प्रशासन के आदेशों को दर किनार कर वसूली बरकरार

सत्ता सुधार ■ नीमच

सरकार हो या प्रशासन उसके आदेश, निर्देश की कैसे हवा निकाली जाती है यह शिक्षा माफिया अच्छी तरह से जानते और समझते हैं। क्योंकि मध्य प्रदेश सरकार ने निजी स्कूलों द्वारा वसूला जाने वाला शिक्षण शुल्क हो या फिर बच्चों की पुस्तक अथवा उनका गणवेश उसे लेकर भले ही सख्त आदेश जारी कर रखे हो उसके बावजूद उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। इन्होंने तमाम आदेशों को किस तरह दरकिनार कर अपनी वसूली को बरकरार रखा जाता है इसकी गलियां निकाल ली है। यानी वह पक्की सड़क से नहीं गुजर कर अब वे पगडंडी से अपनी कमाई का मार्ग निकाल लेते हैं। जिस तरह अभिभावक वर्तमान में अपने बच्चों के

बेहतर भविष्य को लेकर सरकारी विद्यालय की बजाय निजी विद्यालय में बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलवाने की सोच के साथ जब निजी विद्यालय के द्वार खटखटाता है तो निजी विद्यालयों के संचालक अभिभावक को दुधारू गाय समझकर उसका वर्ष भर दोहन करने से बाज नहीं आते। शिक्षण शुल्क हो, शिक्षण सामग्री हो अथवा गणवेश अभिभावक की जेब को निशाना बनाती रहती है। जिसकी वजह से मजबूरी में कर्जदार बनकर भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर अभिभावक आहत होता रहता है। अगर गौर किया जाए तो सौ रुपए की पुस्तक पर प्रकाशक का 20 फ़ीसदी मुनाफा तो होता ही है उसके बाद विक्रेता अपना 20 फ़ीसदी मुनाफा ले लेता है। लेकिन विद्यालयों के संचालकों द्वारा शिक्षण शुल्क की लूट के बाद भी उनकी भूख समाप्त नहीं हो रही है और वे अब दुकानदारों को लूट में अपना सहभागी बनकर अपना 20 फ़ीसदी या उससे ज्यादा विक्रेताओं के साथ सांठगांठ कर वसूलने का रास्ता अख्तियार कर अपनी भूख मिटा रहे हैं। कहने का आशय यह है कि शिक्षा माफिया प्रशासन की कार्रवाई पर कैसा ÷कानून कैसा कायदा, तोड़ने में ही फायदा÷ वाली कहावत चरितार्थ कर प्रशासनिक कार्रवाई को नजरअंदाज करने में कोई कसर बाकी नहीं रखते हैं। वैसे सरकार ने सीएम राइज व पीएम राइज स्कूलों के संचालन से बेहतर शिक्षा के द्वार इजाद कर दिए हैं जहां की शिक्षा की निसंदेह विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य का सपना साकार करने में अपनी ऊर्जा लगाती दिख रही हैं। इन विद्यालय के प्रति अभिभावकों का रुझान भी बढ़ गया है परंतु इन विद्यालय में सीमित सीटें होने की वजह से अभिभावकों के बच्चों को इस निशुल्क बेहतर शिक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इंदौर निगम ने 35 मकान-दुकानों के हिस्से तोड़े

इंदौर। नगर निगम की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। चंद्रभागा हनुमान मंदिर से कलाल कुई मस्जिद तक सड़क निर्माण में बाधक 35 मकानों के हिस्सों को हटाया गया। इसके लिए नगर निगम ने पहले ही नोटिस जारी कर मकानों पर मार्किंग कर दी थी। कई लोगों ने स्वेच्छा से अपने मकान और दुकानों के चिह्नित हिस्सों को पहले ही हटा लिया था। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर मध्य क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 61 में 18 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण के लिए यह कार्रवाई की गई। मंगलवार सुबह नगर निगम की टीम 5 पोकलेन मशीन, 4 जेसीबी और बड़ी संख्या में निगम कर्मियों व पुलिस बल के साथ कार्रवाई के लिए पहुंची।

कांग्रेस ने शिक्षा का बना दिया था मजाक...शिक्षा नीति से खुल गई पोल

सोनिया गांधी के आरोपों पर सीएम यादव ने कहा- यह उनके सीमित ज्ञान का दुष्परिणाम

इंदौर प्रवास के दौरान बोले- मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए झूठ बोलती है कांग्रेस

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोनिया गांधी के आरोपों पर पलटवार किया है। सीएम यादव ने कहा कि सोनिया गांधी के सीमित ज्ञान का यह दुष्परिणाम है। कांग्रेस ने शिक्षा का मजाक बनाकर रखा था जिसकी पोल खुल गई है। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा एक लेख के जरिए बीजेपी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे केंद्रित, व्यवसायिक और सांप्रदायिक बताते हुए आलोचना की है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार देर रात इंदौर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा कर जवाब दिया। सीएम ने कहा कि यह सोनिया गांधीजी के सीमित ज्ञान का दुष्परिणाम है। कांग्रेस ने शिक्षा का मजाक बनाकर रखा था। जिसकी पोल इस शिक्षा नीति से खुल गई।

कांग्रेस के समय दो शिक्षा नीति आई जिसमे लार्ड मैकाले के समय की ही नीति का सिर्फ रैपर बदला गया। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ अन्याय हुआ और आक्रांताओं को महान बताया। नई नीति में अब हम आराध्यों को याद कर सकते हैं, उनकी नीति ने केवल बेरोजगारों की फौज बढ़ाने का काम किया था। केंद्र में यह नीति 2020 में पास होने के बाद इसे मप्र में सबसे पहले लागू किया गया तब मैं ही शिक्षा मंत्री था। इस नीति को दो लाख लोगों से बात करके बनाया गया है। सीएम ने आगे कहा कि दुर्भाग्य से सोनिया गांधी ने सभी विद्वानों का माखौल उड़ाया है। उन्हें सभी से माफी मांगना चाहिए, किसी समझदार से लेख लिखवाती तो ठीक रहता, नादान से लेख लिखवाकर ज्ञान बताने का काम किया वह उनके लिए और कांग्रेस पार्टी के लिए ठीक नहीं है। वक्फ एक्ट को लेकर सीएम ने कहा कि हमने तो इस एक्ट के जरिए ज्यूडिशरी सिस्टम को मजबूत करने का काम किया है। क्योंकि यही एक कानून था जिसे ज्यूडिशरी से अलग रखा गया था। कांग्रेस ने देश के फेडरल सिस्टम का मजाक बनाया था। कांग्रेस केवल मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए झूठ बोलती, वह मुस्लिम और देश दोनों का बुरा कर रही है।

सोनिया गांधी को माफी मांगना चाहिए

सीएम डॉ. यादव ने कहा है कि हमे गर्व है कि हमने मध्यप्रदेश में सबसे पहले शिक्षा नीति को लागू किया, उस समय में शिक्षा मंत्री था। बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि सोनिया गांधी ने शिक्षा नीति पर सवाल उठाकर विद्वानों का अपमान किया है। उन्हें माफ़ी मांगना चाहिए। उन्होंने किसी नादान से लेख लिखवाया है। प्रदेश के धार्मिक शहरों में कल से शराबबंदी का हमारा निर्णय लागू हो जाएगा। कांग्रेस वक्फ बिल को लेकर सिर्फ तुष्टिकरण के कारण झूठ बोल रही है। कांग्रेस देश का भी बुरा कर रही है और मुस्लिम भाइयों का भी बुरा कर रही है।

धार्मिक शहरों में शराबबंदी को समाज ने किया पसंद

धार्मिक शहरों में एक अप्रैल से हो रही शराबबंदी को लेकर सीएम ने कहा कि मां देवी अहिल्या की नगरी महेश्वर में हुई कैबिनेट में जो फैसला लिया था, उसे हमने लागू किया है और इसे पूरे समाज ने पसंद किया है। क्योंकि हमारी सोच थी कि पूरे शहर में धार्मिक नगरी में यह बंद होना चाहिए।

एमटीएच अस्पताल में 15 वर्षीय बालिका के पेट से निकाली आठ किलो की गठान

सत्ता सुधार ■ इंदौर

मेडिकल कॉलेज से संबंधित एमटीएच अस्पताल में 15 वर्षीय बालिका के पेट से अत्यंत जटील ऑपरेशन के द्वारा आठ किलो की गठान निकाली गई। मरीज के पिता प्रकाश परमार ने बताया उनकी बेटी रेणुका निवासी सरदारपुर के पेट मे दर्द की शिकायत काफी समय से थी। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वह इसे लेकर एमटीएच अस्पताल आए। यहां डॉ. प्रो. सुमित्रा यादव की यूनिट ने चेक किया और पाया की पेट में दर्द के साथ सूजन भी है। गठान के वजन की वजह से सांस लेने में समस्या के साथ चलने-फिरने में भी परेशानी आ रही है। बच्ची को डॉ. प्रोफेसर सुमित्रा यादव की यूनिट में भर्ती किया गया साथ ही मरीज की सभी उचित जांचें करवाई गई। जिसमें अंडाशय में बड़ी गठान पाई गई। डॉ. सुमित्रा यादव और उनकी टीम ने इस गठान को ऑपरेशन के द्वारा निकालने का फैसला किया, किन्तु उम्र काफी कम होने एवं शरीर मे हिमोग्लोबिन कम होने की वजय से यह अत्यंत ही खतरनाक व जटील काम था। इसमें परेशानी भी बहुत थी, लेकिन ऑपरेशन करना भी जरुरी था क्योंकि बालिका को सांस लेने मे बहुत परेशानी आ रही थी। प्रो. डॉ. सुमित्रा यादव ने ऑपरेशन करने का फैसला किया एवं उनके मार्गदर्शन में डॉ. विभा मोजेस, डॉ. सुरभि पोरवाल, डॉ. सपना चौरसिया, डॉ. झलक, डॉ. नीलम, डॉ. शिल्पी, डॉ. निशा, डॉ. यशस्वी और निश्चेतना विभाग टीम जिसमें डॉ. शालिनी जैन, डॉ. पारुल जैन, डॉ. आरएस गिल, डॉ. सुदीप एवं डॉ. कीर्ति ने बड़ी ही कुशलता के साथ 8 किलो की इस जटिल गठान को बड़ी ही सफलतापूर्वक निकाल कर बालिका की जान बचाई। इसमें रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. विवेक का भी योगदान रहा। इस ऑपरेशन से मरीज और उनके परिजन अत्यंत ही प्रसन्न और संतुष्ट है। उन्होंने कहा डॉक्टर सुमित्रा यादव उनके लिए भगवान समान है और यह ऑपरेशन उनके एवं उनकी बेटी के लिए एक नई आशा की किरण है। सरदारपुर में सबने हाथ खड़े कर दिये थे, आर्थिक स्थिति खराब होने की वजय से वह कहीं और नहीं जा सकते थे। मरीज के परिजन एमटीएच अस्पताल के सभी डॉक्टरों के प्रति आभारी हैं।

दिगंबर जैन समाज की 20 दिवसीय प्रभात फेरी में ध्वजारोहण व अभिषेक भी हुए

सत्ता सुधार ■ इंदौर

दिगंबर जैन समाज की 20 दिवसीय प्रभात फेरी आज मंगलवार को सुबह श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सुदामा नगर से निकली व आसपास के क्षेत्रों में घूम कर पुनः वही पहुंची। समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर निकलने वाली भव्य स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी बने मुकेश- चंदन बालाजी पाटोदी परिवार का सम्मान सुदामा नगर जैन समाज के अध्यक्ष श्री श्री पदमचंद मोदी, कल्पना विनायका व अन्य पदाधिकारीयों ने किया।

समाज के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि बैंड बाजों के साथ निकल रही इस प्रभात फेरी में समाज श्रेष्ठियों के साथ सोशल ग्रुप पुष्प एवं सीनियर सिटीजन के दंपति सदस्य चल रहे थे। वे बड़े भक्ति भाव से प्रभु के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। महिलाएं भक्ति नृत्य करते हुए चल रही थी। सुदामा नगर मंदिर प्रांगण पर मुकेश- चंदन बालाजी पाटोदी, राजकुमार पाटोदी, राकेश विनायका ,सुशील पांड्या ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कीर्ति पांड्या ,राजेंद्र सोनी, भूपेंद्र जैन, विमल झांझरी, मयंक काला, निर्मल पाटनी, रितेश जैन, डॉक्टर अशोक बन्डी, अतुल गोइल, कमल रावका, संदीप पापड़ी वाल, मीना मोदी, ममता बढ़जात्या , मनीष जैन सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

प्राचीन कालका धाम मंदिर में सवा लाख मंत्रों का जाप

इंदौर। चैत्र नवरात्रि का आज तीसरा दिन है। विजयनगर चौक स्थित कालका धाम माता मंदिर में भी दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सुबह से ही श्रद्धालु कालका स्वरूप मां के दर्शन के लिए लंबी कतारों में नजर आए। नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां माता के नौ स्वरूपों की विशेष आराधना की जाती है। कालका मंदिर के मुख्य सेवादार राहुल यादव हैं, जो सेवक परिवार की चौथी पीढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि नवों दिन माता का अलग-अलग श्रृंगार होता है। आज तीसरा दिन है। नीलवर्णों से माता का श्रृंगार किया गया है। मंदिर में नौ दिनों तक सवा लाख अखंड दुर्गा पाठ रखा गया है। नो दिन सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की भीड़ उमड़ती है। लोग यहां पहुंचकर दर्शन करते हैं और प्रांगण में बैठकर दुर्गा चालीसा का पाठ करते हैं। नवमी के दिन विशाल भंडारे का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें विशेष रूप से कन्याओं को आमंत्रित किया जाता है।

मनासा सीएम राइज ने पाया प्रदेश के शीर्ष स्कूलों में स्थान

कड़ी मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी

सत्ता सुधार ■ मनासा

सीएम राइज स्कूल का प्रदेश के शीर्ष 10 स्कूलों में स्थान प्राप्त करना हम सभी के लिए गर्व की बात है। इस विद्यालय का 100त्न परीक्षा परिणाम यह दर्शाता है कि यहां के शिक्षक एवं स्टाफ पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। यह बात विधायक माधव मारू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आप सभी विद्यार्थी भविष्य के निर्माता हो। कड़ी मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। इसलिए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम शिक्षा के क्षेत्र में मनासा का नाम रोशन करें। विद्यालय व्यवस्थाओं को लेकर विधायक मारू ने कहा कि इन विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। यदि किसी भी प्रकार की आवश्यकताओं को पूरा करने की जरूरत होगी, तो मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें सहयोग करूंगा।

मारू ने प्राचार्य बी. एल. बसेर और पूरे विद्यालय स्टाफ को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि उनके प्रयासों से ही यह संभव हो सका है। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही शिक्षा नीतियों की भी सराहना की और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएम राइज स्कूल योजना के तहत मनासा सीएम राइज स्कूल ने प्रदेश के शीर्ष 10 स्कूलों में स्थान प्राप्त किया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए आज प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की घोषणा के अनुसार सीएम राइज स्कूल महर्षि सांदीपनि स्कूल कहलाएंगे। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा तिवारी भी मंचासीन थी।

परिणाम धामनोद के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया

5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणाम में मां नर्मदा एकेडमी के विद्यार्थियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ धामनोद

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा कक्षा 5वीं और 8वीं की मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा के परिणाम की घोषणा की गई है। जिसमें मां नर्मदा एकेडमी, धामनोद के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया और विद्यालय, माता-पिता तथा संस्था का नाम रोशन किया। कक्षा 8वीं में प्रथम भूमिका रीतेश राठौड़ 85.3त्न, द्वितीय यशस्वी कमलेश राठौड़ 83.7त्न एवं तृतीय स्थान आराधना राजू वास्केल 83.3त्न ने प्राप्त किया। वहीं निधि हरिओम पाटीदार 82.2त्न, यशराज दीपक कर्मा 80त्न, विक्की कृष्णचंद्र धनगर 79त्न, वीर चन्दन गायकवाड़ 78.5त्न, विशेष विनय सिंह 78.3त्न, योगिता बसन्त गुर्जर 78.2त्न, श्रावणी राजेंद्र वर्मा 78त्न ने भी श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम प्राप्त किया। कक्षा 5वीं में प्रथम स्थान नंदिता महादेव पटेल 85त्न, द्वितीय स्थान रुचि भगवान पाटीदार 77.5त्न एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से 77.3 त्न के साथ हर्षित राधेश्याम पल्ले और प्रियांशी सरदार मुवेल ने प्राप्त किया। विद्यालय की इस उपलब्धि पर संस्था संचालक डॉ. मनोज नाहर ने गर्व महसूस करते हुए कहा कि यह सफलता केवल विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि यह विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों की मेहनत का भी प्रतीक है। उन्होंने भविष्य में और अधिक सफलता की कामना की और विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। श्रीमती रीना नाहर, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ब्रह्मप्रकाश शर्मा, कॉर्डिनेटर अबोली गोलवलकर, एडमिन विमल त्रिपाठी, माधुरी पंवार, राजेश पाटीदार, लक्की जोशी, मनीषा पाटीदार, विवेक तिवारी आदि ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और समर्पण को सराहा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ स्कूल चलो अभियान की शुरुआत

इंदौर। 1 अप्रैल से प्रदेश में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुआ। इसी के तहत स्कूल चलें हम अभियान का शुभारंभ किया गया, जो 4 अप्रैल तक चलेगा। इंदौर में यह कार्यक्रम शासकीय सीएम राइज अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जनप्रतिनिधि और अभिभावक (पेरेंट्स) मौजूद रहे। प्रदेशभर के सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें नए प्रवेश लेने वाले बच्चों का स्वागत किया जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम SAGARBAI था। जो मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर SAGARBAI PATEL हो गया है। मुझे अब SAGARBAI PATEL W/O KUDARAT PATEL से जाना व पहचाना जाए।

ADDRESS : H.NO. 60, GRAM SANTER, TEH. DEPALPUR, DISTT. INDORE (M.P.) - 453115

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम KUDARAT था। जो मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर KUDARAT PATEL हो गया है। मुझे अब KUDARAT PATEL S/O ALLA BELI PATEL से जाना व पहचाना जाए।

ADDRESS : H.NO. 60, GRAM SANTER, TEH. DEPALPUR, DISTT. INDORE (M.P.) - 453115

ब्रीफ न्यूज

रोटरी कैम्प के आखिरी दिन प्रातः 10 बजे तक होंगे पंजीयन

मुरैना। जिला मुख्यालय मुरैना पर स्व. श्रीमती मोहनप्यारी देवी माहेश्वरी की स्मृति में 2 अप्रैल तक वृहद कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया है कि कैम्प के आखिरी दिन यानी 2 अप्रैल को पुलिस परेड ग्राउंड में रोटरी हेल्थ शिविर के तहत पंजीयन प्रातः 10 बजे तक ही किए जायेगे, उसके बाद पंजीयन का कार्य समाप्त कर दिया जाएगा। अतः अभी भी कोई व्यक्ति कैम्प का लाभ लेने से वंचित रह गया है तो वह 2 अप्रैल को प्रातः 10 बजे तक पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में पहुंचकर अपना पंजीयन करा सकते हैं और ख्याति प्राप्त चिकित्सकों से परामर्श व इलाज ले सकते हैं।

जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम के लिये जिला सीईओ होंगे नोडल

मुरैना। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के आदेशानुसार प्रदेश के साथ-साथ मुरैना जिले में भी 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भू-जल संवर्धन, पूर्व से निर्मित जल संरचनाओं की साफ-सफाई व जीर्णोद्धार/मरम्मत, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने एवं मानसून में किये जाने वाले पौध रोपण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये उक्त कार्य किये जाने हैं। संपूर्ण कार्यक्रम के लिये कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव को नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल के रूप में अतिरिक्त जिला सीईओ आर.के. गोस्वामी को नियुक्त किया है।

चम्बल भवन में जनसुनवाई में 10 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

मुरैना। चम्बल भवन मुरैना में ग्वालियर-चम्बल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री के निर्देशन में पंचायती राज के उप संचालक अशोक निम ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान 10 आवेदकों की समस्याओं को सुना। श्री निम ने सात आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया।

रोटरी कैम्प में मंगलवार को 12130 लोगों के हुये पंजीयन

मरैना। रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 के तहत 01 अप्रैल, मंगलवार को पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में 12 हजार 130 लोगों ने पंजीयन कराये। पंजीयन के दौरान प्रांतो से आये डॉक्टरों ने मरीजों के परीक्षण किये एवं समुचित इलाज दिया। रोटरी के पदाधिकारी डॉ. संजीव बांदिल ने बताया कि 644 जनरल ओपीडी, 6513 मेडीसन, 855 ऑर्थोपैडिक्स, 05 पीडियाट्रिक, 428 ईएनटी, 186 गायनकलॉजी, 120 सर्जरी, 1476 ऑपथामॉलोजी, 535 डेंटल, 107 यूरोलॉजी, 12 सायकिएट्री, 09 ऑनकोलॉजी, 546 डरमैटलॉजी, 500 पुलमोनरी, 2 कार्डियोलॉजी, 1 ऐंडोक्रोनोलॉजी, 3 पेन मेडीसन, 3 एक्यूप्रेशर और एनसीडी क्लीनिक के 185 लोगों ने पंजीयन कराये।

मेगा विधिक सहायता शिविर का हुआ आयोजन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना द्वारा 31 मार्च 2025 को मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन एसएएफ ग्राउण्ड मुरैना में किया गया है। मेगा विधिक साक्षरता शिविर में श्रीमती संगीता मदान, प्रधान जिला न्यायाधीश मुरैना के साथ ही न्यायाधीश माधवप्रसाद नामदेव, कमलेश साहू, अंजय सिंह उपस्थित रहे। मेगा विधिक साक्षरता शिविर में जिला मुख्यालय मुरैना एवं ग्रामीण क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में हितग्राही उपस्थित हुए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लक्ष्य ''न्याय आपके द्वार'' के अन्तर्गत मेगा विधिक साक्षरता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की गई एवं राष्ट्रीय व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाए संबंधी जानकारी जैसे लोक अदालत, मध्यस्थता, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, वरिष्ठ नागरिको के अधिकार के संबंध में योजना, बच्चो के मैत्रीपूर्ण व्यवहार के संबंध में योजना, मानसिक रूप से अस्वस्थ्य व्यक्तियो के लिए विधिक सहायता योजना के संबंध में उपस्थित व्यक्तियों को हितेन्द्र द्विवेदी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना, चंद्रशेखर जायसवाल, जिला न्यायाधीश, मुरैना, बृजेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी मुरैना एवं लीगल एड डिफे स काउंसिल मुरैना, पैरालीगल वालेंटियर एवं पैनल लॉयर द्वारा जानकारी प्रदान की गई। शिविर में बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे और योजनाओं का लाभ उठाया।

1 अप्रैल से 4 अप्रैल तक प्रत्येक विद्यालयों में आयोजित होगी विभिन्न गतिविधियां

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1 से 4 अप्रैल तक प्रवेशोत्सव, स्कूल चलें हम-2025 का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद शवमंगल सिंह तोमर, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, ऋषी यादव, पूर्व विधायक रघुराज कंसाना, जिला पंचायत सीईओ कलेश भार्गव, ओआईसी सुमन डगस, डीईओ एसके सक्सेना, डीपीसी हरीश तिवारी एवं बडी संख्या में नव प्रवेशी बच्चे व पालक उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश की शिक्षा को बेहतर करने के लिए प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निरंतर प्रयासरत है। इसी का परिणाम है कि आज सभी विकासखंडों में सीएम राइज जैसे गुणवत्तापूर्ण विद्यालय खोलें गए हैं, जिससे आज गरीब वर्ग के बच्चों की पहुंच में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव हो पा रही हैं। नरेंद्र सिंह तोमर ने सभी बच्चों बढ़चढ़ के शाला में प्रवेश लेने का आवाहन किया, प्रथम बार प्रवेश ले रहे बच्चों को किताबें, बैग का किट प्रदान किया। उन्होंने जिले के परीक्षा परिणाम अच्छा होने पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना चाहिए। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य ने किया।

बालिका छात्रावास शास उत्कृष्ट उ मा वि का उद्घाटन किया

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के लिए राज्य शिक्षा केंद्र की तरफ से जिले की ओआईसी सुमन डांगस और निपुण प्रोफे शनल दुर्गेश सिंह ने मुरैना और जौरा विकास खण्ड के विभिन्न विद्यालयों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का निरीक्षण किया और प्रथम बार शाला में प्रवेश ले रहे बच्चों को माला पहनाकर शाला में स्वागत किया।

मंदिर, पार्क और विद्यालय के पास शराब का ठेका संचालित, महिलाओं का निकलना हुआ दुश्वार

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष एवं पार्षद ने जनसुनवाई में एडीएम को दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान वार्ड क्रमांक 19 के पार्षद राकेश यादव एवं पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश राठौर ने मंदिर पार्क और शासकीय विद्यालय के पास संचालित देशी शराब के ठेके को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर एडीएम को ज्ञापन दिया। पार्षद एवं पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष ने तत्काल उक्त मांग पर कार्रवाई करने की अपील की है।

पार्षद राकेश यादव एवं जिला अध्यक्ष राजेश राठौर के साथ वहां के निवासियों ने जनसुनवाई में पहुंचकर अपर कलेक्टर सी. बी. प्रसाद को बताया कि इस्लामपुरा में बस्ती के बीच संचालित शराब के ठेके पर शराबियों के द्वारा आए दिन झगड़ा कर गालियां एवं गोलीबारी जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है, जिससे स्थानीय लोगों में भय बना रहता है तथा ठेका के आसपास शीतला माता का मंदिर एवं श्री राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर पार्क और सरकारी विद्यालय एवं बस्ती का मुख्य मार्ग भी है जिसके कारण मोहल्ले वासियों को आने जाने मे बहुत समस्या हो रही है। पूर्व में भी शिकायत की गई हैं एवं धरना-प्रदर्शन कर जिला प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराया गया, फिर भी ठेके को उक्त स्थान से दूर शिफ्ट नहीं किया गया है जो कि जिला प्रशासन के गैर जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाता है। उपरोक्त समस्या और नव दुर्गा महोत्सव में मंदिर पर आने वाले लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुये दुकान नवरात्रि के पावन दिनों में बंद करायें तथा लोगों में व्याप्त आक्रोश को गंभीरता से लेते हुये शराब के ठेके को तत्काल दूर हटाने का आदेश करने का कष्ट करें।

सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में कक्षा 8 के बच्चों का हुआ सम्मान

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नैनागढ़ रोड पर स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के कक्षा 8 के 56 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिसमें सभी छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरान्वित किया। जिसमें विद्याालय की छात्रा सलोनी सिकरवार ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जब कि छात्र आयुष बंसल ने 92.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा छात्र आयुष दीक्षित ने 92.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 15 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने सभी छात्रों को शाला में बुलाकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर विद्यालय संचालक इंजी. मोहन बंसल ने सभी छात्रों को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी एवं संस्था सचिव एड अशोक सिंह ने सभी शिक्षकों को उनकी मेहनत और निष्ठा के लिए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही शिक्षक अरविंद भदौरिया, सुरेश शर्मा, राजकुमार माहौर, सुमन अग्रवाल, ऋषिकांत शर्मा तथा अन्य स्टाफ ने भी सभी सफल छात्रों को बधाई दी है।

अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन की तैयारीयां जोरों पर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मप्र में विशाल अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन 05 व 06 अप्रैल को गोपाल पैलेस माधौपुरा की पुलिया पराग मिल के पास में किया जा रहा है। परिचय सम्मेलन को लेकर मंगलवार को एक आवश्यक बैठक जीवाजी गंज कार्यलय में रखी गई। परिचय सम्मेलन हेतु बाहर से पधारे हुए मेहमानों को स्टेशन से होटल में लाने ले जाने की जिम्मेदारी दिनेश बंसल, परिचय पत्रिका विमोचन बिनोद मंगल, प्रचार प्रसार एडवोकेट पदम चंद जैन, अतिथियों के सम्मान हेतु नरेश अग्रवाल, स्वागत सत्कार अजय अग्रवाल, भोजन व्यवस्था अशोक अग्रवाल खोआ वाले, संबंध तय कराने के लिए अशोक गुप्ता एहरोली, मुरारी लाल सिंगल को किट वितरण आर के अग्रवाल, पत्रिका वितरण अशोक अग्रवाल, मंच व्यवस्था धीरज गर्ग आदि जिम्मेदारीयां सोंपी गई।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा रजि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल ने कहा कि परिचय सम्मेलन की तैयारीयां लगभग पूर्ण हो गई है। कुछ और जिम्मेदारीयां है, उन्हें भी बांट दिया जायेगा। परिचय सम्मेलन में हजारों विवाह योग्य युवक-युवतियाँ भाग लेगे, मंच से सभी का परिचय कराया जायेगा।

परिचय के बाद सैकड़ों संबंध तय हो सकतें है। अग्रवाल समाज के जिन लोगों ने पंजीयन नहीं कराये है, वह भी परिचय करा सकते हैं, उनका नाम बाद में पत्रिका में जुड जायेगा। राष्ट्रीय सम्मान हेतु भारत के हर राज्यों के अलावा नेपाल के अग्रवाल समाज के भाई बहन पधार रहे हैं, सभी के रूकने खाने की समुचित व्यवस्था की गई है।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में 72 आवेदनकर्ताओं को सुना

मुरैना। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार प्रत्येक मंगलवार को पूर्वान्ह 11 से दोपहर 01 बजे तक जिला, खंड, नगरीय निकाय, पंचायत स्तर पर हर कार्यालय में जनसुनवाई करने के निर्देश हैं। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशन में अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने मंगलवार को 72 आवेदनकर्ताओं को जनसुनवाई के दौरान सुना। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर आरबी नाडिया, एसडीएम मुरैना बीएस कुशवाह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रानी ताल पर चलाया सफाई अभियान

सत्ता सुधार ■ सबलगढ़

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सबलगढ़ की समन्वयक श्रीमती वंदना सागर के नेतृत्व में नवांकुर संस्थाओं अन्नपूर्णा देवी शिक्षा समाज एवं सांस्कृतिक समिति सबलगढ़ ग्राम विकास प्रसफुटन समिति झुंडपुरा, सत्यवती पर्यावरण जागरूकता, पातीराम शिक्षा प्रसार समिति, ईश्वर सिंह शिक्षा प्रसार समिति के प्रभारी एवं सह प्रभारी एमसीएमसी डीपी के छात्रों एवं छात्राओं के द्वारा सबलगढ़ की रानी ताल पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब के किनारो पर सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत रानी ताल के किनारे पर लगे कचरे के ढेर, कपड़े, चढ़ाए हुए नारियल, पॉलिथीन और विभिन्न प्रकार के कचरे का निस्तारण कर साफ-सफाई की गई। उक्त आयोजन जल संरक्षण के अभियान का उद्देश्य अपने प्राचीन जल स्त्रोतों को स्वच्छ साफ एवं निर्मल करने हेतु मध्य प्रदेश शासन की मंशा अनुसार किया गया, जिसमें नगर पालिका सबलगढ़ का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में संस्था प्रभारी शशिकांत मरैया, धर्मेन्द्र राठौर, योगेन्द्र सिंह जादौन, मुनेन्द्र सिंह जादौन, अखलेश सिंह, सह प्रभारी धीरज सिंह जादौन, महेश नारोलिया, मुकेश जाटव, वर्षा जादौन, ओमवती जाटव एवं नगर पालिका योजना प्रभारी मयंक शर्मा सहित शिवम श्रीवास, चंचल, अजय शाक्य, शिवानी वर्मा आदि छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

धीमी गति से सड़क निर्माण से गड्ढों में वाहन हो रहे दुर्घटनाग्रस्त, कई घंटे लगा जाम

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नेशनल हाईवे 552 जौरा रोड पर सड़क निर्माण के चलते मंगलवार की दोपहर कई घंटे तक जाम लगा रहा और 3-3 किलोमीटर लंबा जाम लगने से तमाम स्कूली वाहन तथा एम्बुलेंस वाहन फंस गऐ, साथ में यात्री वाहन भी खड़े रहे, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों द्वारा लगातार पुलिस को सूचना दी गई, जिसके कई घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जाम को खुलवाया गया। उल्लेखनीय है कि जौरा रोड पर सोलंकी पेट्रोल पंप से लेकर मुरैना गांव तक सीमेंट स्लैब सड़क का निर्माण एक साइड चल रहा है तथा दूसरी साइड में गड्ढे और पानी भरा हुआ है, जिसके कारण घरों के सामने तालाब बन गया है और आए दिन वहां फंसकर लोग घायल हो रहे हैं। मंगलवार को कई घंटे तक वहां जाम लगा रहा और तमाम यात्री स्कूली वाहन एंबुलेंस इस जाम में फंसे हुए नजर आए। इस दौरान वहां पर एक एक्सीडेंट भी हुआ, जिसमें एक बच्चे की मौत होने का समाचार मिला है। यहां के निवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण का कार्य धीमी गति से चलने के कारण दूसरी साइड में गड्ढे और पानी भरा हुआ है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग इस पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

उन्नत नस्ल की दुधारू गाय हेतु पुरस्कार योजना के आवेदन 04 अप्रैल तक

मुरैना। भारतीय नस्ल के गो वंशीय पशुओ के पालन को बढ़ावा देने एवं अधिक दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिय भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायो के लिये पुरस्कार योजना संचालित की गई है। योजना सभी वर्ग के पशुपालकों के लिये है। इसके लिये आवेदन 04 अप्रैल तक आमंत्रित है। उप संचालक पशुपालन डॉ. स्वामी ने बताया कि जिनके पास भारतीय नस्ल की उन्नत गाय उपलब्ध हो तथा गाय का दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 06 लीटर या उससे अधिक हो। गौवश की टैगिंग युनिक आईडी एंव उसकी समस्त जानकारी भारत पशुधन एप पर दर्ज होना अनिवार्य होगा। वह पशुपालक अपने आवेदन को निकटस्थ पशु चिकित्सा संस्था मे प्रस्तुत करेंगे। आवेदन प्रस्तुत करने की अन्तिम 04 अप्रैल, 2025 तक रहेगी। योजना विकासखण्ड स्तर पर चयन 05, 06 एवं 07 अप्रैल को चयन ग्राम स्तर पर तीन समय का दुग्ध उत्पादन के आधार पर किया जायेगा। जिला स्तर पर प्रतियोगिता में गायों का चयन विकासखण्ड स्तर की प्रतियोगिता में सम्मलित हुई गायों के दुग्ध उत्पादन के आधार से ही किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय पुरस्कार के लिये प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय पुरस्कार 21 हजार, तृतीय पुरस्कार 11 हजार और राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार 02 लाख, द्वितीय पुरस्कार 01 लाख एवं तृतीय पुरस्कार 50 हजार रहेगा।

कृत्रिम पैर लगने से अमृतलाल को मिला नया जीवन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मेगा हैल्थ कैंप में ग्राम बंधा के अमृतलाल को मिले कृत्रिम पैर से उनके जीवन में नई रोशनी आई है। वर्ष 2015 में दुर्घटना में अपना एक पैर गंवाने वाले अमृतलाल को पता चला कि जिला मुख्यालय मुरैना पर स्वास्थ्य शिविर में सामाजिक न्याय विभाग मुरैना द्वारा जयपुर फुट संस्था के सहयोग से कृत्रिम पैर लगाया जाएगा। उनके द्वारा उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा से सम्पर्क किया जाकर मदद मांगी गई।

इस पर श्रीमती शर्मा द्वारा उन्हें 26 मार्च से 2 अप्रैल तक मुरैना में आयोजित मेगा हैल्थ कैंप में आने हेतु प्रेरित किया गया। हैल्थ कैंप में अमृतलाल को कृत्रिम पैर लगाया गया, जिससे आज वे दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर चलने के काबिल हो गए हैं। अमृतलाल ने कलेक्टर अंकित अस्थाना एवं उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा को धन्यवाद दिया है।

ब्रीफ न्यूज

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हटा में स्वच्छता एवं जल संरक्षण का लिया गया संकल्प

दमोह। जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा के अवसर पर किया गया। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक निरंतर 90 दिनों तक चलेगा। अभियान के तहत हटा नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 9 चंडी जी गंगा झिरिया क्षेत्र में समाजसेवियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया और जल संरक्षण की शपथ ली गई। नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र खरे ने बताया यह अभियान नगर के 15 वार्डों में चलाया जाएगा। अभियान के दौरान झिरिया और बावड़ी का जल बाहर निकालकर उसे पूरी तरह साफ किया गया। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सफाई कर झिरिया से कचरा हटाया गया। इस स्वच्छता अभियान में लगभग 40 लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर पुष्पा सिंह, सुनील सेन, अरुण ताम्रकार, कपिल ताम्रकार, धर्मेंद्र साहू, कैलाश ताम्रकार, रमेश पांडे, पुष्पेंद्र पांडे, मुन्ना लाल अहिरवार, अर्पिता ताम्रकार, अरविंद ताम्रकार, गौतम सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, आमजन मौजूद रहे।

वैश्य दिवस पर वाहन रैली का किया आयोजन

खण्डवा। मा.प्र.वैश्य महामेलन खंडवा जिला इकाई के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल,प्रांतीय उपाध्यक्ष लखनलाल नागौरी, जिला प्रभारी इंजी. जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी नारायण बाटी एवं सुनील जैन ने बताया कि इस साल भी पड़वा वैश्य दिवस के लिए 30 मार्च को प्रदेश अध्यक्ष व मप्र के पूर्व अधिष्ठाता उमाशंकर गुप्ता व व्यवसाई के शिष्य वैश्य महासम्मेलन वैश्य वैश्य रैली का आयोजन किया गया। सामाजिक विकास की कामना के साथ माता लक्ष्मी जी की पूजा व आरती की गई। इस अवसर पर एक अन्य को नववर्ष व वैश्य दिवस की बधाई दी गई। इस अवसर पर संत श्रीमाली, मीडिया प्रभारी नारायण बाहेती, सुनील जैन,सुभाष खंडेलवाल, राम पालीवाल,दिलीप दशोरे,ज्योति दशोरे,शैलेश पालीवाल, वीरेन्द्र जैन, विजय लाड पार्टी सहित बड़ी संख्या में वैश्य समाज के सदस्य वैश्विन ने भाग लिया।

स्व.सुभाष यादव जी के जन्मोत्सव पर कांग्रेसजनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित की

खंडवा। दिनांक 1 अप्रैल मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में पूर्व मुख्यमंत्री निमाड़ क्षेत्र के विकास पुरुष स्वःसुभाषचंद्र यादव जी के जन्म पर कांग्रेस जनों ने उनकी छायाचित्र पर पुष्प माला का नामकरण किया एवं निमाड़ में उनके द्वारा बनाये गये नारे को याद किया। प्रेमांशु जैन ने इस अवसर पर अजय ओझा, ओंकार पटेल, सदाशिव भावरिया, सुनील आर्य, बसंत दिए हरसूद, प्रिय कथावास, विकास व्यास, अर्श पाठक, दीपक मुल्लू टेलर, नासिर खान, करणधीर कथावास आदि कांग्रेसी प्रतिभागी रहे।

पानी नहीं फिर भी टेक्स वसूल रही पंचायत

वनांचल की महिलाओं ने जनसुनवाई में उठाई पानी की समस्या

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले के आदिवासी ब्लाक टिमरनी अंतर्गत ग्राम पंचायत राजाबरारी के बुद्धूठाना ग्रम में नल जल योजना पूरी तरह से विफल हो चुकी है। गांव में पानी की किल्लत इस कदर बढ़ गई कि सैकड़ों महिलाएं घड़े और बेड़े लेकर जनसुनवाई में हरदा पहुंचीं। उन्होंने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखते हुए बताया कि गांव में पानी नहीं मिल रहा, लेकिन पंचायत हर महीने पानी के नाम पर 100 रुपये वसूल रही है। इसकी बाकायदा रसीद भी दी जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि हालात इतने खराब हैं कि उन्हें अपने खेत और घर छोड़कर जनसुनवाई में आना पड़ा। महिलाओं ने कहा कि वे रोजाना कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं।

स्थाई समाधान नहीं हो पाया : मार्च महीने की स्थिति को देखकर लोग परेशान है। अप्रैल, मई, जून में कथा स्थिति होगी इसको सोच कर लोग परेशान है। पानी की समस्या गंभीर होती जा जीवन मिशन के तहत लाखों करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी जल संकट का स्थाई समाधान नहीं हो पाया है। अभी भी काफी मशक्कत के बाद लोगों को पानी मिल पा रहा है। गमों में जहां पानी की खपत बढ़ जाती है नहीं दूसरी ओर पानी की उपलब्धता जलस्तर के नीचे खिसकने में कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में लोगों को काफी परेशान होना पड़ता है।

डेढ़ वर्षों पूर्व चालू थी : इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के

अधिकारी पवनसुत गुप्ता ने बताया कि राजाबरारी में नल जल योजना पिछले डेढ़ वर्षों से चालू थी और इसके माध्यम से ग्रामीणों को पर्याप्त पानी मिल रहा था। हालांकि, पिछले एक महीने से पानी की समस्या बनी हुई है, जिसका कारण मोटर पंप के नलकूप में जाम होना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत मिलकर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालेंगे।

आदिवासियों की नाराजगी, शीघ्र करें समाधान

राजाबरारी के आदिवासियों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण वे भारी परेशानी झेल रहे हैं। महिलाओं का आरोप है कि जब पानी की सुविधा ही नहीं है, तो पंचायत द्वारा 100 रुपये की वसूली क्यों की जा रही है? ग्रामीणों ने इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द पानी की व्यवस्था नहीं हुई, तो वे बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

रुचि नहीं ले रहे सरपंच-सचिव

जानकारी के बाद भी रुचि नहीं ले रहे सरपंच-सचिव जिले के वनांचल में जल संकट गंभीर होने पर भी सरपंच-सचिव रुचि नहीं ले रहे हैं। जबकि जानकारी रहती है। इसके बाद भी गंभीरता से लेते हुए संकट का समाधान करने और पर्याप्त पेयजल आदिवासियो को सहजता से मिले इस दिशा में कोई ठोस उपाय नहीं किया जा रहा है।

क्या कहते जवाबदार

चार से पांच दिन के अंदर जनसुनवाई में दि गई समस्या का समाधान कर दिया जायेगा।
कुमार सानू देवड़िया,
एसडीएम, हरदा।

स्वच्छता के लिए सरकार कर रही प्रयास, साथ ही लोगों का जागरूक होना है आवश्यक : राज्यमंत्री लोधी

राज्यमंत्री ने ओंकारेश्वर में किया सफाई अभियान का शुभारंभ, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव के किए दर्शन

सत्ता सुधार ■ दमोह

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने ओंकारेश्वर स्थित गौमुख घाट पर सफाई अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने माँ नर्मदा का विधि विधान से पूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है लेकिन लोगों का स्वच्छता के प्रति जागरूक होना भी आवश्यक है। जागरूकता ही बदलाव की सीढ़ी है। हर व्यक्ति का छोटा सा प्रयास स्वच्छता के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर में साफ़ सफ़ाई रखने के लिए अभियान संचालित किया जाएगा। साथ ही लोगों को गंदगी ना करने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जन भागीदारी से जल संरक्षण करना है और साथ ही जल

संवर्धन के कार्य भी किए जाएँगे।

इस अभियान के तहत ओंकारेश्वर में भी कार्य किए जाएँगे। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा ओंकारेश्वर में स्वच्छता को लेकर जो भी कमियाँ पाई गई हैं उन्हें योजना बनाकर दूर किया जायेगा।

इसके अलावा राज्यमंत्री श्री लोधी ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव एवं ममलेश्वर महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक किया। उन्होंने बाबा ओंकारेश्वर से प्रदेश की समृद्धि, विकास और कल्याण की प्रार्थना की। वे पैदल पुल से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे।

इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री लोधी को कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने प्रतीक स्वरूप बाबा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का चित्र भेंट किया।

इस दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि ओंकारेश्वर में 1 अप्रैल से सिंगल यूज प्लास्टिक, पॉलीथीन, डिस्पोजल पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कटलरी- प्लेट, कप, गिलास, काँटे, चम्मच, चाकू, प्लास्टिक ट्रे, स्ट्रा, ईयरबड, प्लास्टिक के डिस्पोजल, दोना ,पत्तल,गिलास आदि प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले गैर बुना प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी के पॉउच, और 500 मिली लीटर से कम क्षमता वाले प्लास्टिक पानी की बोतलें, खाद्य पदार्थों में, मिठाई के डिब्बों, निमंत्रण कार्ड और सभी वस्तुओं के चारों ओर प्लास्टिक रैपिंग या पैकिंग फिल्म भी प्रतिबंधित रहेगी। इसी तरह प्लास्टिक स्टिक के साथ गुब्बारे, प्लास्टिक झंडे, कैंडी और आइसक्रीम स्टिक, 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) से बने प्लास्टिक बैनर, सजावट के लिए प्लास्टिक पॉलीस्टायरिन थर्मोकोल भी प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए दुकानदारों को पंपलेट भी वितरित किए जा रहे हैं।

इस दौरान मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, एसडीएम पुनासा श्री शिवम प्रजापति, सी.एम.ओ. श्री संजय गीते सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण मौजूद थे।

आर.सी.एच.पोर्टल से होगा गर्भवती महिलाओं का पंजीयन

हरदा। जिले में स्वास्थ्य कार्यकताओं एवं चिकित्सा अधिकारियो के लिए नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आर.सी.एच. पोर्टल 2.0 का प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। मंगलवार को आयोजित इस प्रशिक्षण मे विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, लेखापाल, स्वास्थ्य कार्यकताओं एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को ट्रेनिंग दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी.सिह ने बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा टीकाकरण के लिये उपयोग में लाये जा रहे अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नये वर्जन में पंजीयन के लिये समग्र आई.डी.,आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ईकेवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के पात्र हितग्राहियों को भुगतान के लिये समग्र से आधार लिंक करवाना तथा आधार कार्ड से बैंक खाता लिंक करवाना होगा, तभी इस प्रोत्साहन राशि का भुगतान प्राप्त हो सकेगा। गर्भवती महिला के पंजीयन के समय पति-पत्नी के समग्र आई.डी. एक ही परिवार सूची में अपडेट करवाना होगा। उन्होने सभी सी.एच.ओ., सुपरवाईजर्स, ए.एन.एम. एवं आशा कार्यकर्ता को निर्देश दिये है कि अपने-अपने क्षेत्र के नव-दंपत्तियों एवं योग्य लक्ष्य दंपत्तियों को आधार कार्ड, समग्र आई.डी. तथा बैंक अकाउंट अपडेट करवाने के लिये प्रेरित करें, ताकि पंजीयन के समय किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो और भुगतान समय पर प्राप्त हो सके।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

सत्ता सुधार ■ हरदा

मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर आदित्य सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा तथा एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

जनसुनवाई में ग्राम डोलरिया निवासी छात्रा रानी पचौले ने कलेक्टर श्री सिंह को आवेदन देकर विद्यार्थी आवास सहायता योजना का लाभ दिलाने की मांग की, जिस पर उन्होने प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय हरदा को निर्देश दिये कि छात्रा को आवास सहायता योजना का लाभ दिलाया जाये। जनसुनवाई में ग्राम आलमपुर के ग्रामीणों ने कलेक्टर श्री सिंह को शासकीय गोहे से अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर उन्होने संबंधित तहसीलदार को अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिये। हरदा के वार्ड क्रमांक 21 खेड़ीपुरा निवासी सकुन बाई ने कलेक्टर श्री सिंह को आवेदन देकर नलों में गंदा पानी आने की शिकायत की, जिस पर उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये। ग्राम पिपल्या निवासी तेजराम राठौर ने कलेक्टर श्री सिंह को आवेदन देकर अपनी भूमि का सीमांकन कराने की मांग की, जिस पर उन्होने तहसीलदार सिराली को सीमांकन कराने के निर्देश दिये। ग्राम कांकड़दा निवासी गेनसिंह ने कलेक्टर श्री सिंह को आवेदन देकर वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर उन्होने उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये।

सीएम राइज शासकीय मॉडल स्कूल मनाया में प्रवेश उत्सव

हरदा। मंगलवार को सीएम राइज शासकीय मॉडल स्कूल बलडी किल्लोद में प्रवेश उत्सव मनाया गया । प्रवेश उत्सव के प्रथम दिवस में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया । अविभावको के साथ ग्राम के वरिष्ठजन कार्यक्रम में मौजूद थे सर्वप्रथम माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ नवप्रवेशी विद्यार्थियों का जनप्रतिनिधियों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रवेश उत्सव के प्रथम दिवस में करीबन 100 विद्यार्थिगण मौजूद थे । कार्यकम में उपस्थित पालकों-अविभावको को संस्था प्राचार्य डॉ राजेंद्र चाकरडे द्वारा स्कुल की कार्ययोजना से अवगत कराया गया, उन्होंने बताया किसी एम राइज स्कुल योजना सर्वसुविधा युक्त गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करने हेतु सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है,ताकि बच्चो का सर्वांगीण विकास करते हुए भविष्य का अच्छा नागरिक बनने के लिए शासन की मंशानुसार गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके । कृषि प्रधान क्षेत्र होने के कारण इस सत्र से विद्यालय परिवार द्वारा शाला में कृषि संकाय प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया,ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक युवा कृषि संकाय में प्रवेश ले कर रोजगार प्राप्त कर सके क इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों को किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सहीत समस्त शालेय स्टाफ मौजूद था।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस की प्रीति सेन ने राष्ट्रीय एकता शिविर कर्नाटक में की सहभागिता

लौटने पर स्वयंसेवकों ने किया अभिनंदन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्रीय एकात्मकता शिविर, युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग, कर्नाटक सरकार एवं क्षेत्रीय निदेशालय रासेयो, भारत सरकार द्वारा कर्नाटक राज्य के अक्कामहादेवी महिला विश्वविद्यालय परिसर, विजयपुरा, कर्नाटक में दिनांक 21 मार्च 2025 से 27 मार्च 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री नीलकंठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खंडवा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष तिवारी ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय शिविर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर का

प्रतिनिधित्व संस्था की राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेविका प्रीति सेन ने किया। संस्था प्राचार्य डॉ. सोमपाल सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि उक्त महत्वपूर्ण शिविर के लिए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दल में प्रीति सेन को स्थान प्राप्त होना महाविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि एवं गौरव का विषय है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार का प्रदर्शन, अन्य ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा। उल्लेखनीय है कि प्रीति सेन पिता श्री महेन्द्र सेन वर्तमान में श्री नीलकण्ठेश्वर शासकीय महाविद्यालय में बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा है और पंधाना ब्लॉक के ग्राम पिपलोद खास की मूल निवासी है।

प्रीति की इस उपलब्धि पर संस्था प्राचार्य डॉ. सोमपाल सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक प्रो. चंद्रपाल सिंह रावत, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी द्वय डॉ.रुकमणी यादव, डॉ. आशुतोष तिवारी, परिवारजनों एवं एनएसएस के साथी स्वयंसेवकों ने हर्ष व्यक्त किया है। उक्त राष्ट्रीय शिविर में सफलतापूर्वक सहभागिता कर लौटने पर स्वयंसेवकों ने पुष्पाहार द्वारा प्रीति सेन का उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया।

जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य जारी

हरदा । जल संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है। यह अभियान आगामी 30 जून तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत जल स्रोतों के गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार जैसे कार्य किए जा रहे है। मंगलवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत कुकड़ापानी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यो में श्रमदान किया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को जल संग्रहण की शपथ दिलाई गई तथा तालाब से गाद निकालने का कार्य किया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत पाटिया कुआं में भी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों व पंचायत पदाधिकारियों ने सार्वजनिक कूप से गाद निकालने और जल स्रोतों के आसपास की साफ सफाई का कार्य भी किया गया।

हिंदू नव वर्ष महोत्सव पर सकल हिंदू समाज द्वारा निकाली गई भगवा वाहन विशाल यात्रा

भगवा वाहन रैली का घंटाघर पर भाजपाइयों ने किया पुष्पवर्षा कर स्वागत

सत्ता सुधार ■ खंडवा

हिंदू नव वर्ष पर पूर्व संध्या पर भगवा वाहनों का घंटाघर पर पुष्प कर स्वागत, समरसता का गीत अंतमन गायें, रूप- रंग उत्सव रीति हर पर्व मनाएं, जाति- धर्म या क्षेत्र भाषा बने ना बंधन, बेबस हो निरूपाय करे ना कोई क्रंदन, वैभव से रियायती धारा को श्रेष्ठ झांकियां, रूप- रंग उत्सव रीति हर पर्व मनाएं, सनातनधर्मिता के समर्थक सुनील जैन ने बताया कि हिंदू नव वर्ष महोत्सव के पर्व सकल हिंदू समाज द्वारा सोमवार शाम को मनाए गए। सियाराम, भारत माता की जय, वंदे मातरम के उद्घोष के साथ भगवान के वाहन यात्रा की गई, यात्रा के मार्ग में जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर का स्वागत किया गया, वाहन यात्रा में शामिल साधु संत और भारत माता, महारानी लक्ष्मीबाई बाई अनुयायियों का भी स्वागत किया गया, सुनील जैन ने कहा कि उच्च घर हनुमान मंदिर के पुष्प वर्षा कर स्वागत के साथ भारतीय जनता पार्टी नगर खंडवा का स्वागत किया गया, स्वागत कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश डोंगरे, कोठारी, हरीश कोटावाले, प्रतिनिधि प्रतिनिधि मुकेश तनवे, पूर्व नेता विधान वर्मा, प्रवक्ता सुनील जैन, दिनेश पलावाल, डायरेक?टर बजाज, सुधांशु जैन, प्रदीप यादव आशिष चटकेले, दीना अवशेष, नानूराम मांडले, चंद्रेश पचोरी, गोपाल सोनी, लोकेंद्र सिंह आदि समेत पार्टी के कार्यकर्ता शामिल थे।

आयोजन भारतीय संस्कृति पर आधारित आयोजनों में बच्चों को किया पुरुस्कृत

भारत विकास परिषद खण्डवा ने नववर्ष गुड़ी पड़वा पर किये विभिन्न आयोजन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भारत विकास परिषद द्वारा विगत 15 वर्षो से गुड़ीपड़वा महोत्सव खंडवा के हृदय स्थल घंटाघर पर धूमधाम से मनाया जाता है। मीडिया प्रभारी नारायण बाहेती ने बताया कि इस वर्ष भी गुड़ी पड़वा पर भारत विकास परिषद खण्डवा द्वारा सुबह 7 बजे शहर की समृद्धि एवं शांति हेतु गुड़ी पूजन व माँ भारती के पूजन का आयोजन महापौर अमृता यादव,डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ अमित सिंह, ओम प्रकाश चतुर्वेदी, श्रीमती संध्या चतुर्वेदी के आतिथ्य में एवं खण्डवा शाखा अध्यक्ष रूपेश पालीवाल, प्रांतीय संगठन सचिव डॉ शैलेन्द्र महोदय, पूर्व अध्यक्ष अनंत अरझरे, शाखा महिला उपाध्यक्ष प्रियंका पटेल,समाजसेवी सुनील जैन व सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।

सचिव देवेन्द्र सिंह सोलंकी ,कोषाध्यक्ष प्रवीण लाड़ ने बताया कि गुड़ी पूजन पश्चात घन्टाघर के चारो और बच्चो द्वारा सुंदर रंगोली सजाई गई।मुख्य भाग मंच के सामने मोनिका पालीवाल, अनुराधा गौर ,रश्मि पालीवाल, अनामिका अरझरे, प्रेरणा जैन, वर्षा महोदय, रंजीता लाड़, रश्मि आंगले, कुसुम सैनी, अरुणा जी,अनुया भाटे,सीमा सोलंकी, आदि महिला शक्ति द्वारा मनमोहक रंगोली सजाई गई। अनंत अरझरे व अध्यक्ष रूपेश पालीवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना से अवगत कराया।शाम को 7

बजे माँ भारती की आरती हेतु मोहन काशिव ,डॉ सुभाष जैन, डॉ अर्पित नीमा अत्रिवाल, डॉ अनीश अरझरे व सदस्यों व गणमान्य जनों द्वारा की गई ।विभिन्न प्रतियोगिया में भाग लेने वाले सभी बच्चो को पुरस्कृत किया गया ।परिषद के सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, रितेश मिश्रा, नारायण बाहेती, अश्विनी भाटे, हेमंत आँगले, रमेश चंद ,चंद्र शेखर सोहनी, डॉ मनीष ,संजय पालीवाल, राजेश सैनी, आशीष जैन, अविनाश वाणी, गोवर्धन गोलानी, पवन गौर,व सदस्यों द्वारा सभी को नव वर्ष की शुभकामना देकर दीप उत्सव एवं आतिश बाजी की गई।

अतिथियों ने भारतीय संस्कृति पर आधारित आयोजन व बच्चों को संस्कार शिक्षा के कार्य की सराहना की गई व 15 वर्षो से सतत सफल आयोजनों हेतु टीमवर्क की प्रशंसा करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।नववर्ष कार्यक्रम व पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन मोनिका पालीवाल, प्रियंका पटेल व शैलेन्द्र महोदय द्वारा किया गया।आयोजन में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, पुरुष सदस्यों व गणमान्य जन उपस्थित रहे। आभार सचिव देवेन्द्र सोलंकी ने माना।

चकराघाट स्थित विट्ठल मंदिर के सामने सोमवार को भी हुई गंगा आरती

सत्ता सुधार ■ सागर

नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी सह कार्यकारी निदेशक राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने व स्वच्छता के प्रति जन-जागरुकता लाने के उद्देश्य से चकराघाट स्थित विट्ठल मंदिरके सामने सोमवार को हुई गंगा जी की आरती में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया।

शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया

स्मार्ट सिटी एवं नगर निगम द्वारा ऐतिहासिक झील सहित अन्य जलस्त्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित कर पर्यावरण का संरक्षण करने हेतु नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु प्रत्येक सोमवार को चकराघाट पर गंगा आरती के आयोजन के साथ ही नेशनल क्लीन एयर प्रोगाम के अनुरूप शहर की साफ-सफाई और स्वच्छ पर्यावरण हेतु नागरिकों को जागरुक कर झील को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त करने का कार्य किया गया जा रहा है।

भजन संध्या में दी जा रही है भक्ति गीतों की प्रस्तुति-

गंगा आरती के अवसर पर प्रत्येक सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही भजन संध्या का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें शहर के भजन गायकों द्वारा भक्ति गीतों की की प्रस्तुति दी जा रही है।गंगा आरती के अवसर पर शहर की प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए मंच प्रदान किया जा रहा है।प्रत्येक सोमवार को गंगा आरती में शहर के जो भी व्यक्ति यजमान बनना चाहते हैं वे आरती के आधा घंटा पहले आरती स्थल पर संपर्क कर सकते हैं ।

छात्र जीवन, आपके भविष्य निर्माण की नींव है: कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ सागर

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए कलेक्टर ने शिक्षा, खेलकूद के साथ व्यवहारिक ज्ञान पर दिया जोर

कलेक्टर संदीप जी आर ने स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने सीएम राईज स्कूल महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय में आयोजित किए इस कार्यक्रम में छात्राओं से कहा कि छात्र जीवन,आपके भविष्य निर्माण की नींव है।छात्र जीवन के दौरान हमारे द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित अर्जित किया गया ज्ञान ही हमें एक सफल युवा के रूप में ढालता है।

उन्होंने शिक्षा,खेलकूद और व्यवहारिक ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि न केवल कक्षा में दी जाने वाली शिक्षा से हम सीखते हैं बल्कि एक ऐसी शिक्षा जो हमें व्यावहारिक, प्रेक्टिकल अनुभव दे उससे हम विषयों की सही समझ विकसित कर पाते हैं। अतः शिक्षक विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा में भागीदार बनाएं, फील्ड विजिट कराएं और छात्र-छात्राओं को मौलिक अनुभव प्रदान करें। उन्होंने विद्यालय की मेधावी छात्राओं सहित विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित भी किया और निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।उन्होंने समय के सदुपयोग की बात करते हुए छात्राओं से कहा कि वर्तमान में हम सभी मोबाइल के उपयोग से अछूते नहीं है। जरूरत है कि हम अपने फोन को इस प्रकार से उपयोग करें कि वह हमारे ज्ञान अर्जन में सारथी बने।

हम अपने समय का सदुपयोग करें और अपने विद्यालय, जिले सहित देश-प्रदेश का नाम रोशन करें।विद्यार्थियों को पुस्तक, यूनिफॉर्म आदि शत प्रतिशत वितरित करने , तय समय पर विद्यालय खोलने के दिए निर्देश कलेक्टर ने प्राचार्य और शिक्षकों को विद्यालय को तय समय पर खोलने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए शासन से प्राप्त विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक सामग्री जैसे पुस्तक, यूनिफॉर्म,अन्य किट का भी समय पर शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी,एसडीएम श्रीमती अदिति यादव ने छात्राओं से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

रंग मंच शिक्षा संस्कृति और सामाजिक चेतना का माध्यम : बुंदेला

बीना में जन्मे आदित्य बुंदेला शीघ्र ही सिनेमा के बड़े पर्दे पर आएंगे

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है जिसमें कुछ कर गुजरने की क्षमता होती है दृढ़ संकल्प और विश्वास के साथ वह आगे बढ़ता ही जाता है ऐसे ही बीना में जन्मे आदित्य बुंदेला जो विश्व रंग मंच दिवस के अवसर पर विशेष चर्चा में आए।रंगकर्मी अभिनेता आदित्य सिंह बुंदेला ने कहा कि रंग मंच शिक्षा संस्कृति और सामाजिक

चेतना का माध्यम है गुजराती हिंदी रंग मंच में नाम स्थापित कर चुके आदित्य बुंदेला ने अपनी जन्म भूमि बीना मध्यप्रदेश से निकलकर सूरत गुजरात को अपनी कर्म भूमि बनाया।सिबिल इंजीनियर आदित्य परफार्मिंग आर्ट में मास्टर है 2021 में इनका चयन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में हुआ वर्तमान में मुम्बई फ़िल्म और थिअटर में काम कर रहे है । गुजराती हिंदी के अलावा कई अंग्रेजी नाटकों में अभिनय एवं निर्देशन किया । हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय घड़ी ब्रांड कंपनी के लिए विज्ञापन में भी दिखाई दिए । मॉडलिंग के साथ ही एक फ़िल्म जो जल्द ही प्रदर्शित होगी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

दिव्यांग जनों के समक्ष पहुंचे कलेक्टर, जनसुनवाई कर हल की समस्या

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आये दिव्यांगजनों के समक्ष पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को शीघ्रता से समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।आज दिव्यांगजनों में रामबाबू चढ़ार, श्रीमती क्षमा जैन अपनी समस्या लेकर पहुंचे थे। जिनका मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, सिटी मजिस्ट्रेट श्रीमती जूही गर्ग, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती आरती यादव, सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान कुल 137 शिकायती आवेदनों को सुन गया।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतकर्ताओं को समक्ष में सुना, शिकायतों का किया निराकरण

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर ने आज कलेक्टर कक्ष में सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्तियों को समक्ष बुलाकर सुना और मौके पर ही उनकी समस्याओं का निराकरण कराया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती आरती यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।कलेक्टर संदीप जी आर ने प्रत्येक मंगलवार की भांति इस मंगलवार को भी जनसुनवाई के पश्चात लंबे समय से सीएम हेल्पलाइन शिकायत कर्ताओं की शिकायतों का निराकरण कराया और निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें और उनकी समस्याओं का निराकरण करें। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने शिकायत कर्ताओं से विस्तार से उनकी शिकायत के संबंध में जानकारी प्राप्त की और निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीम सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे रेंडम रूप से शिकायत को निकालें और शिकायतकर्ताओं से संवाद रखें। इस प्रकार से शिकायत का उचित निराकरण भी किया जा सकेगा।

ईद की नमाज पढ़कर दी, एक दूसरे को, मुबारकबाद

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

पवित्र माह रमजान में खुदा की इबादत मिली रहने के बाद ईद-उल-फितर का पर्व सोमवार को हर्ष और उल्लास से मनाया गया। शहर काजी रिजवान हाशमी ने बताया कि शहर में दो ईदगाह और पांच मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ी गई। मुख्य आयोजन नई बस्ती ईदगाह पर हुआ। सुबह 8.30 बजे बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा करने पहुंचे। नवाज पढ़ने के बाद सभी ने एक दूसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके अलावा ईदगाह के बाहर बड़ी संख्या में हिंदुओं ने भी गले लगकर ईद की बधाई दी। ईद की नमाज के दौरान स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौजूद रहा। ईद की मौके पर कौमी एकता नजर आई जिसमें अनेक दलों के नेता एवं जनप्रतिनिधि अधिकारियों ने भी मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद दी।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

आगामी त्योहारों के मद्देनज़र विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने नरसिंह मंदिर में जिले की बैठक का आयोजन किया जिसमें बीना, मंडी बामोरा,खुरई, खिमलासा,माल्थोन राहतगढ़, के सभी प्रखंडों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए बैठक की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष सुनील सिरोठिया ने की बैठक में आगामी त्यौहार राम नवमी, हनुमान जयंती एवं जानकी जन्मोत्सव पर होने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की गयी एवं सभी त्योहारों पर क्या क्या कार्यक्रम करना है उनके सन्दर्भ में दिशा निर्देश दिए गये बैठक में जिला कार्यकारणी पदाधिकारी और सदस्यएवं मात्र शक्ति व ग्रामीण क्षेत्र की कार्यकारणी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीना में 75 वर्षीय वृद्ध ने दी जान, दरगाह के पास पेड़ से लटका मिला शव

बीना(सागर)। बीना में राजीव गांधी वार्ड निवासी 75 वर्षीय रामदास कोरी का शव दरगाह के पास एक पेड़ से लटका मिला। रामदास पूर्व में रिक्शा चालक थे।सुबह जीआरपी को सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा। पूर्वी कॉलोनी से स्टेशन जाने वाले रास्ते पर स्थित पेड़ से शव जमीन से मात्र पांच फुट की ऊंचाई पर लटक रहा था।रामदास ने मजदूरी कर अपने दो बेटों और एक बेटी को शिक्षित और सक्षम किया। वह लंबे समय से अपने परिवार के साथ रह रहे थे। उनके इस कदम का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।एएसआई मूलचंद के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। जीआरपी ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूट्यूब पर वीडियो देखकर गोवंश का ऑपरेशन करना सीखा

बिना किसी मदद के अभी तक कर चुके हैं 7000 से ऊपर मुक, पशु, पक्षी का उपचार

शासन प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों ने नहीं किया ऐसे युवाओं का सम्मान?

राकेश सेन ■ बीना(सागर)

बीना में भी एक ऐसी टीम है जो निशुल्क और निस्वार्थ भाव से आवारा मुक पशु पक्षी जानवरों की सेवा कर रहे है।÷गाय माता का काटना बंद हो÷ और ÷गाय हमारी माता÷ है केवल नारों में तक ही सीमित है । किंतु कुछ युवाओं की टीम ऐसी है जिन्होंने .. संकल्प करके शहर या गांव में किसी भी भूक पशु पक्षी जानवर के घायल होने की खबर सुनते ही 10 मिनट के भीतर वह इलाज करने के लिए पहुंच जाते हैं।गो सेवा संगठन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि सड़कों में मवेशियों के जमावड़ा आम समस्या हो गई है। इससे भी बड़ी समस्या आए दिन हो रही सड़क दुर्घटना में पशुओं की मौत और बीमार मवेशियों का इलाज नहीं होना है। यथा संभव निवारण करने के लिए नगर के युवाओं ने मिलकर गौ सेवा दल का गठन किया है। समिति के सदस्य बीमार व दुर्घटना में घायल मवेशियों का इलाज करने सड़क तक पहुंचते हैं।घायलों को वाहन में रखकर गौ सेवा स्थल तक लाकर इलाज करते हैं। निस्वार्थ भाव से की जा रही सेवा में सदस्यों की संख्या लगातार बढ़त हो रही है।

बिना किसी मदद के कर रहे हैं सेवा

उन्होंने बताया कि अभी तक बिना किसी शासकीय मदद के 7000 से अधिक गौवंश का उपचार कर चुके हैं और यह सिलसिला अनवरत जारी है। गौ-सेवकों का कहना है कि कार्य में उन्हें आत्मीय सुकून मिलता है।गौ-इलाज के लिए समिति के सदस्य ही राशि संकलन कर इलाज करते हैं। प्रशासन से कोई सहयोग नहीं लेते हैं। समिति के माध्यम से गौसेवा संबंधी मवेशियों की सुरक्षा के लिए मवेशी मालिकों को भी जागरूक

संगठन के सदस्यों को गौ–सेवा करने की ऐसे मिली प्रेरणा

गौ-सेवा दल संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने बताया कि एक बार एक गाय घायल अवस्था में डली हुई थी। कई बार फोन करने के बाद भी कोई भी गाय के इलाज के लिए नहीं पहुंचा। तब मन ही मन में प्रण ले लिया कि सड़कों पर घूम रही गायों, कमजोर और घायल पशुओं की सेवा करनी है। तभी से गो-सेवा दल का गठन हुआ और धीरे-धीरे लोग जुड़ते चले गए। उन्होंने चताया कि वर्तमान में गौ-सेवा दल में 25 सदस्य हर समय सक्रिय रहते हैं। सूचना मिलने के 10 मिनट बाद ही सदस्य वहां पहुंच जाते हैं।

किया जा रहा है।घायल मवेशियों की जानकारी मिलने पर टीम किसी भी वक्त पहुंच जाती है।

गाय के अलावा अन्य पशुओं की भी करते हैं सेवा

गौ-सेवा दल के अध्यक्ष ने बताया कि गाय के अलावा उंट, सूअर, सांप, घोड़ा, मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों, बीमार, घायल मिलने की सूचना मिलते ही टीम के सदस्य तत्काल मदद के लिए पहुंच जाते हैं। उन्होंने बताया कि रुपेश यादव, छोटू यादव, अभय पाल, राजेश प्रजापति, शुभम सेन, अमित विश्वकर्मा, तमीम हाशमी, सुमित यादव, आकाश यादव, प्रिंस ठाकुर, मोहित पंजवानी, रोहित नामदेव, गोलू पटेल, लबकेश यादव, बीरेंद्र तिवारी, नितेश यादव, रिक्की जैन आदि सदस्य हर समय गौसेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

सदस्यों ने यूट्यूब की मदद से सीखा ऑपरेशन करना

जब गो सेवा संगठन अध्यक्ष से पूछा कि आप लोग जानवरों को कैसे टांके डाल देते और कैसे ऑपरेशन कर देते हैं तब गौ-सेवा दल संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि हमारी टीम के किसी भी सदस्य ने मेडिकल की पढ़ाई नहीं की है लेकिन गौवंश सहित अन्य जीवों का पूरा उपचार कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि टीम के सदस्यों ने यूट्यूब पर वीडियो देख-देखकर गौवंश का ऑपरेशन करना सीख लिया। टाके कैसे डालते यह सीख लिया और किन-किन उपकरणों की जरूरत होती है वह सभी इकड़ा कर लिए है। गौवंश के इलाज के लिए टीम के सदस्य अपने पैसे इकडे करते हैं।

नहीं किया गया किसी भी सदस्य का सम्मान

क्या कभी शासन प्रशासन या सामाजिक संगठन ने अच्छी कार्य करने पर आप लोगों का सम्मान किया गया तो राजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि हम सम्मान के भूखे नहीं है किंतु जब हम किसी जानवर पशु पक्षी का या मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति की सेवा करते हैं। तो हमें जो मानसिक रूप से खुशी मिलती है वही हमारा सम्मान है।

ब्रीफ न्यूज

लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं शुभमन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल आईपीएल में गुजरात किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। शुभमन ने भारतीय टीम में आने के बाद तेजी से सफलता की सीडियां चढ़ी हैं। शुभमन अपनी शानदार बल्लेबाज के साथ ही आलिशान जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह तेज रफ्तार वाली लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। इसी कारण उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं। इस बल्लेबाज ने हाल में ही एक और लग्जरी कार रेंज रोवर वेलार खरीदी है जिससे अब उनके कलेक्शन में एक और कार जुड़ गयी है। इस नई रेंज रोवर वेलार की कीमत तकरीबन 80 लाख रुपये है। इसमें एक मजबूत 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड फोर-सिलेंडर इंजन है, जो लगभग 247 हॉर्सपावर की प्रभावशाली शक्ति उत्पन्न करता है। यह एसयूवी आराम और प्रदर्शन का एक संतुलित मिश्रण प्रदान करती है, जो इसे शहर की ड्राइव और लंबी यात्राओं दोनों के लिए एक आदर्श वाहन बनाती है।

मिचेल के सामने नहीं टिक पाते हैं हेड

विशाखापट्टनम। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज ट्रेविस हेड आजकल सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में खेल रहे है। हैड को उनकी आक्रामक बल्लेबाज के लिए जाना जाता है क्योंकि वह बड़ी बेरहमी से विरोधी गेंदबाजों की पिटाई करते हैं पर देखने में आया है कि अपने ही हमवतन मिचेल स्टार्क के सामने उनकी एक नहीं चलती। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में भी वह मिचेल का ही शिकार बने थे। ये छठी बार है जब वह स्टार्क के शिकार बने हैं। अब तक इन दोनो के बीच आठ बार मुकाबला हुआ है। इस बार हेड ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्टार्क की बाउंसर पर शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच हो गये। जब भी ये दोनों आमने-सामने आते हैं, तो स्टार्क हावी रहे हैं। पिछले 8 मुकाबलों में, स्टार्क ने हेड को 6 बार आउट किया है। छह बार में से, स्टार्क ने हेड को चार बार बोल्ड किया है वहीं बाकी दो बार, हेड विकेटकीपर के हाथों कैच हुए हैं। हेड ने स्टार्क के पहले ओवर में 11 रन बनाए थे। पर अगले ही ओवर में स्टार्क ने ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया। ये भी देखा गया है कि हेड को बाउंसर से परेशानी होती है।

शास्त्री ने अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की, पूछा लंच में क्या खाया

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेर बने रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने आईपीएल के अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेने वाले अश्वनी की जमकर प्रशंसा की है। अश्वनी की शानदार गेंदबाजी के बल पर ही मुम्बई को 18 वें सत्र में पहली जीत मिली है। अश्वनी ने इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह, मनीष पांडे और आंद्रे रसेल जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। वहीं जब शास्त्री ने अश्वनी से पूछा कि लंच में क्या खाया था तो अश्वनी ने बताया कि मैच के पहले हुए दबाव से उन्हें भूख नहीं लगी थी। ऐसे में उन्होंने केवल एक केला खाया था।

आईपीएल 2025 के बीच विराट कोहली का बड़ा खुलासा

विराज कोहली की नजरें अब 2027 वर्ल्ड कप खेलने पर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विराट कोहली ने टीम इंडिया के साथ मिलकर हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता था। फाइनल में न्यूजीलैंड को मात देकर टीम इंडिया चैंपियन बनी थी। इस खिताब के जीतने के बाद अटकलें लगाई जाने लगी कि विराट कोहली और रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। हालांकि, ऐसा कुछ हुआ नहीं। दोनों ही खिलाड़ियों ने साफ कर दिया कि फिलहाल वनडे क्रिकेट को अलविदा कहने का उनका कोई इरादा नहीं हैं।

फिलहाल ODI छोड़ने का कोई इरादा नहीं

चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने के बाद विराट कोहली आईपीएल 2025 में शिरकत कर रहे हैं। इस बीच कोहली का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपने अगले बड़े लक्ष्य को लेकर खुलासा किया है। हाल ही में एक इवेंट में जब कोहली से उनके करियर में अगला बड़े कदम के बारें में पूछा गया तो उन्होंने साफ कर दिया कि फिलहाल उनका वनडे फॉर्मेट को छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। कोहली ने कहा कि अगला बड़ा कदम। उन्हें नहीं पता। शायद अगला वर्ल्ड कप जीतने की कोशिश करेंगे। कोहली के इस बयान के सामने आने के बाद माना जा सकता है कि वह 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप में खेलते नजर आ सकते हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद कोहली ने रोहित शर्मा के साथ टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में वह 2026 टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं होंगे। कोहली के सामने अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2027 में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप है, जो साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। साल 2011 में वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे विराट कोहली एकमात्र प्लेयर हैं, जो क्रिकेट में अभी भी एक्टिव हैं। साल 2011 के बाद से ही टीम इंडिया को वनडे वर्ल्ड कप जीतने का इंतजार हैं। साल 2023 में टीम इंडिया इस खिताब को जीतने से चूक गई थी, लेकिन अब विराट कोहली की कोशिश 2027 वर्ल्ड कप जीतने की होगी। कोहली 4 आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर चुके हैं। इसमें 2011 वनडे वर्ल्ड कप के अलावा टी 20 वर्ल्ड कप 2024 और 2 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी (2013 और 2025) शामिल हैं।

भारतीय स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने इंटरनेशनल हॉकी को कहा अलविदा

वंदना ने अपने करियर में 300 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने 1 अप्रैल को इंटरनेशनल हॉकी को अलविदा कह दिया। वंदना ने अपने करियर में 300 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले। भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को इंटरनेशनल हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 15 वर्षों तक भारतीय हॉकी के लिए अपना योगदान देने वाली कटारिया ने कहा कि वह अपने करियर के शिखर पर खेल को अलविदा कह रही हैं। 32 साल की स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने भारत के लिए 320 इंटरनेशनल मैच खेले, जो किसी भी भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी का सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड हैं। उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि आज वह भारी मन से, लेकिन कृतज्ञता के साथ इंटरनेशनल हॉकी से विदा ले रही हैं। कटारिया ने स्पष्ट किया कि उनका यह फैसला थकान या जुनून

की कमी की वजह से नहीं है, बल्कि वह अपने करियर के चरम पर रहते हुए ही खेल को अलविदा कहना चाहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि यह विदाई थकान की वजह से नहीं है, बल्कि यह इंटरनेशनल हॉकी को अपनी शर्तों पर छोड़ने का निर्णय है। वह गर्व के साथ यह कदम उठा रही हूं। भीड़ की गर्जना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गौरव हमेशा उनके साथ रहेगा।

हॉकी में दिया अहम योगदान

वंदना कटारिया ने 2009 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कई बड़े खिताब जीते। टोक्यो ओलंपिक 2020 में जब भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही थी, तब कटारिया ने एक मैच में हैट्रिक लगाकर इतिहास रचा था। संन्यास की घोषणा के दौरान कटारिया ने अपनी टीम, कोचों और मेंटर्स के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि साथी खिलाड़ियों, उनके कोचों और मार्गदर्शकों ने उनका करियर को तराशने में अहम भूमिका निभाई। उनके सहयोग और विश्वास ने उन्हें हर कठिनाई से उबरने की ताकत दी।

पिता को समर्पित किया करियर

हरिद्वार की रहने वाली वंदना कटारिया ने अपने पिता को अपने करियर की नींव बताया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उनके दिवंगत पिता उनकी चट्टान, उनके सबसे बड़े मार्गदर्शक थे। उनके बिना हॉकी खेलने का सपना कभी पूरा नहीं होता। उनके बलिदानों और प्यार ने उनके खेल को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। पिता ने उन्हें सपने देखने, लड़ने और जीतने की ताकत दी।

संन्यास के बाद भी हॉकी से जुड़ी रहेंगी

संन्यास का मतलब यह नहीं कि वंदना हॉकी से पूरी तरह दूर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उनकी कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यह एक नई शुरुआत है। वह हॉकी खेलना जारी रखेंगी, हॉकी इंडिया लीग में हिस्सा लेंगी और अन्य स्तरों पर भी खेलती रहूंगी। टर्फ पर उनके कदम अब भी पड़ेंगे, और इस खेल के लिए उनका जुनून कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वह इंटरनेशनल हॉकी से विदा ले रही हैं, लेकिन इस खेल से जुड़ी हर याद और हर सबक उनके साथ रहेगा।

धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर उठे सवाल, टीम को नहीं मिला रहा फायदा

एजेंसी ■ गुवाहाटी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल का 18 सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे शुरु के तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और उसके बाद राजस्थान रॉयल्स से हार मिली है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर भी सवाल उठे हैं। धोनी पिछले दोनो मैचों में नौवें और सातवें नंबर पर उतरे थे। वहीं प्रशंसक और पूर्व क्रिकेटर चाहते हैं कि धोनी ऊपरी क्रम में उतरते हुए लंबी पारी खेले।

इसका कारण है कि धोनी विश्व के सबसे अच्छे फिनिशर माने जाते हैं। वह निचले क्रम पर आकर आक्राम बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं पर आजकल वह काफी नीचे उतर रहे हैं। धोनी रॉयल्स के खिलाफ मैच में भी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए और 11 गेंदों में 16 रन ही बना पाये। अपनी पारी के दौरान उन्होंने एक चौका और एक छक्का भी लगाया। धोनी के बल्लेबाजी ऑर्डर में इतना नीचे उतरने से सीएसके उनका लाभ नहीं उठा पायी। इससे पहले उसे आरसीबी के हाथों चेन्नई में अपने घरेलू मैदान में भी हार मिली थी। वहीं धोनी जब सीएसके के कप्तान हुआ करते थे, तो टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी के लिए उतरते थे पर बढ़ती उम्र और घुटनों की सर्जरी के बाद वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं करते। 2023 से लेकर अब तक धोनी के आंकड़ों पर ध्यान दें तो वह बल्लेबाजी क्रम में इतना नीचे आ रहे हैं कि टीम को नुकसान हो रहा है। वहीं कुछ पूर्व क्रिकेटरों का तो ये तक मानना है कि अगर वह ऊपरी क्रम पर उतर नहीं सकते तो उन्हें संन्यास ले लेना चाहिये।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के केन्द्रीय अनुबंध में कमिंस सहित 23 खिलाड़ी शामिल

कोन्स्टास, कुहनेमैन और वेबस्टर शामिल

एजेंसी ■ सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कप्तान पैट कमिंस सहित 23 खिलाड़ियों को साल 2025-26 के लिए केन्द्रीय अनुबंध दिया है। कमिंस के अलावा जिन खिलाड़ियों को अनुबंध दिया गया है। उसमें मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास के अलावा स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को भी पहली बार अनुबंध सूची में जगह मिली है। वहीं इस अनुबंध में ऑलराउंडर आरोन हार्डी, तेज गेंदबाज सीन एबॉट और स्पिनर टॉड मर्फी जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा कूपर कोनोली और जेक-फ्रेजर मैकगर्क को भी अनुबंध में जगह नहीं मिली है। ऑस्ट्रेलिया के

मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ' कुहनेमैन ने एक बार फिर श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और हमारा मानना है कि वह अगले 18 महीनों में ब्यू वेबस्टर के साथ ही अहम भूमिका निभाएंगे।

अनुबंध सूची इस प्रकार है: जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोन्स्टास, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर और एडम जम्पा।

ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण का लक्ष्य

एजेंसी ■ विजयनगर

एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने

कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

लय हासिल करने अपनी ओर से कड़े प्रयास करने होंगे

रोहित के हाथों से चीजें निकल रहीं : मांजरेकर

एजेंसी ■ अहमदाबाद

पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक हैं। मांजरकेर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के शुरुआती दो मैच में सहज नहीं दिखे। मांजरेकर ने

कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रही। वहीं पिछले दो मैच में रोहित की टीम मुम्बई के प्रदर्शन का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, ' इस टीम से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। साथ ही कहा कि एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ मिलकर बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि यह अब भी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है और उनमें से बहुत से खिलाड़ी ऐसी पिचों पर निर्भर करते हैं जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को परेशानी आ सकती है।

रहाणे ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। रहाणे ने कहा कि इस विकेट पर टीम को करीब 190 रन बनाने थे पर हम 116 रन ही बना पाये। रहाणे ने कहा, '' हमारे बल्लेबाज विफल रहे जबकि इस पर काफी रन बनने थे। हम हमें मिले अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। हमारे गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा पर बल्लेबाज विफल रहे।

दैनिक सत्ता सुधार

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

बीएचयू में विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी कला संकाय की प्रमुख को देने के विरोध में आर्कियोलॉजी और बहुजन समाज इकाई के छात्रों ने मंगलवार को धरना शुरू कर दिया। बीएचयू कुलपति कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने कहा कि बीएचयू के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार वरिष्ठता क्रम में विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो.महेश प्रसाद अहिरवार की नियुक्ति होनी थी।

बरेली में अब दंगा नहीं, सब चंगा! कसाइयों को जहन्नुम भेजा तो सपा को परेशानी

समारोह के दौरान जमकर बरसे सीएम योगी- कहा-सपा मुखिया अखिलेश यादव को गोबर से दुर्गंध आती, अपने कृत्यों से नहीं...

- स्कूल चलो अभियान और विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत
- प्रदेश में 7700 से अधिक निराश्रित गौ आश्रय स्थल खोले गए
- हर गौवंश के लिए किसानों को 1500 रुपए माह दिए जा रहे
- चार गौवंश रखने वाले किसान को 6000 मासिक अनुदान
- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी के तहत युवा उद्यमियों को ऋण वितरण
- बरेली के पांच दरोगा और सिपाहियों को टैबलेट व स्मार्ट फोन दिए

एजेंसी ■ बरेली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली में 933 करोड़ की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश के लिए स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। साथ ही विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। साथ ही उन्होंने अत्याधुनिक जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस 2554 नई एंबुलेंस का फ्लैग ऑफ किया। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने बरेली की पहचान को झुमका के साथ जोड़ा था, हमने बरेली को नाथ कॉरिडोर देकर नाथ नगरी को उसकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है। सीएम योगी ने गाय, गंगा और दंगों का जिक्र कर सपा मुखिया पर जमकर हमला बोला। योगी ने कहा कि कहा कि सपा ने गौवंश को लावारिस छोड़ दिया था। सपा के मुखिया कहते हैं कि गोबर से दुर्गंध आती है। यही इनकी असलियत है। ये गौमाता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जहन्नुम भेजा, तो सपा को परेशानी हुई। जिनके गौ तस्करों के साथ और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौ माता की सेवा क्या जानें, उनको गोमाता के गोबर में दुर्गंध ही आएगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। गौ और गंगा भारत की परंपरा का हिस्सा हैं। नमामि गंगे परियोजना से गंगा निर्मल हुई, जिसके चलते प्रयागराज में भव्य कुंभ का आयोजन हुआ और 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

बरेली दंगा नहीं, अब स्मार्ट सिटी

सीएम योगी ने कहा कि बरेली दंगा सिटी नहीं, अब यह स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। 2017 से पहले बरेली में 5-7 दंगे आम बात थी, लेकिन पिछले आठ साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। बरेली में अब दंगा नहीं, सब चंगा है। उन्होंने दंगाइयों को चेतावनी देते हुए कहा कि दंगा करने की हिम्मत करने वालों की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। बरेली में अब निवेश का माहौल बन रहा है। डेयरी, मेडिकल और अन्य उद्योगों में निवेश हो रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

शिक्षा से कोई बच्चा वंचित न रहे

योगी ने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है। उन्होंने बरेली से पूरे प्रदेश में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। इस दौरान सीएम योगी ने बच्चों को स्टेशनरी, किताबों की किट व टॉफी इत्यादि का वितरण किया। उन्होंने कहा कि नया शैक्षिक सत्र शुरू हो रहा है। उत्तर प्रदेश के लोगों से आह्वान करता हूं कि इस अभियान से जुड़ें और सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है। अगर कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है, तो यह समाज और राष्ट्र के लिए चुनौती बन जाता है। योगी ने बरेली से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत की। संचारी रोग नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का सीएम योगी ने सम्मान किया। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस, बरेली मंडल में मलेरिया, आगरा में डेंगू, वाराणसी में कालाजार और झांसी में चिकनगुनिया जैसी बीमारियां चुनौती रही हैं। पिछले आठ वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया है, जिसके चलते गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की मौतें रुक गई हैं। मलेरिया भी लगभग नियंत्रित हो चुका है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करने के लिए जागरूकता और अभियान चलाए जा रहे हैं।

बेसिक स्कूलों का किया कायाकल्प

सीएम ने 2017 के पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय बेसिक शिक्षा परिषद की हालत खराब थी। स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर और स्मार्ट क्लास जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। एक करोड़ 34 लाख बच्चों का नामांकन था, लेकिन 60 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। आज ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 96 प्रतिशत स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फ्लोरिंग, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था हो चुकी है। पिछले साल एक करोड़ 91 लाख बच्चों को डीबीटी के जरिए 1200 रुपए प्रति बच्चा उनके अभिभावकों के खाते में भेजे गए। बच्चों को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर भी दिए जा रहे हैं, जिससे बच्चों में स्कूल जाने की उत्सुकता बढ़ी है।

हर जनपद में होगा सीएम कंपोजिट स्कूल

पीएम श्री योजना के तहत 1500 विद्यालयों का कायाकल्प किया जा रहा है। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों को 8वीं से 12वीं तक गरीब कन्याओं की शिक्षा का केंद्र बनाया जा रहा है। उबरेली के नवाबगंज में अटल आवासीय विद्यालय श्रमिकों के बच्चों के लिए उत्तम शिक्षा का केंद्र बनेगा। इसी तर्ज पर बेसिक शिक्षा परिषद ने भी हर जनपद में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 57 जनपदों में जहां पर अटल आवासीय विद्यालय नहीं खोले गए हैं, वहां पर यह मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय प्रारंभ होने जा रहे हैं।

एक ही कैंपस में शिक्षा-खेलकूद, स्किल...

योगी ने कहा कहा कि पहले चरण में जनपद स्तर पर दूसरे चरण में तहसील स्तर, तीसरे चरण में विकासखंड स्तर पर और चौथे चरण में न्याय पंचायत स्तर पर कंपोजिट विद्यालय खोलेंगे। कहा कि प्री प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक यानी नर्सरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा बच्चों को एक ही कैंपस में मिल सके, खेलकूद की व्यवस्था हो, स्किल डेवलपमेंट की व्यवस्था हो, पूरे शिक्षक हों, शिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था हो, इस कार्यक्रम को लेकर हम इस अभियान को लेकर बढ़ने जा रहे हैं।

प्रदेश को 2554 नई एंबुलेंस की सौगात

सीएम योगी ने कहा कि बरेली, बदायूं और पीलीभीत जैसे जिलों में मलेरिया और डेंगू को रोकने के लिए जलजमाव को खत्म करने, छिड़काव और लार्वा को नष्ट करने के उपाय किए जा रहे हैं। आशा वर्कर और एएनएम घर-घर जाकर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 2,554 नई अत्याधुनिक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले 108 एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम 17-19 मिनट था, जो अब सात मिनट तक आ गया है। इन नई एंबुलेंस से रिस्पांस टाइम और कम होगा।

आठ साल में 44 नए मेडिकल कॉलेज बने

सीएम योगी ने कहा कि 1947 से 2017 तक केवल प्रदेश में 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन पिछले आठ साल में 44 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज बने हैं। अब प्रदेश में 80 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज हैं, जिसमें 36 से ज्यादा निजी क्षेत्र में हैं। हर जिले में डायलिसिस, सीटी स्कैन और टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश देश में सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला राज्य बन गया है, जिसके तहत 10 करोड़ लोगों को हर साल पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है।

रामनवमी पर अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए किए जाएंगे खास इंतजाम

- तैयारी में जुटा प्रशासन, राम मंदिर ट्रस्ट के साथ की बैठक
- हनुमानगढ़ी में शेड व श्रद्धालुओं के चलने के लिए मैटिंग की व्यवस्था
- चेजिंग रूम व शौचालय की व्यवस्थाओं पर प्रशासन का फोकस रहेगा

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

रामनवमी पर रामनगरी अयोध्या में आस्था का जनसैलाब उमड़ने की संभावना को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। प्रवेश मार्ग पर होल्डिंग एरिया के साथ राम मंदिर व हनुमानगढ़ी में शेड व श्रद्धालुओ के चलने के लिए मैटिंग की व्यवस्था की जाएगी। सरयू स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चेजिंग रूम व शौचालय की व्यवस्थाओं पर प्रशासन का फोकस रहेगा। डीएम चंद्र विजय सिंह ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। हनुमानगढ़ी और रामजन्मभूमि पर शेड की व्यवस्था व श्रद्धालुओ के चलने के स्थान पर मैटिंग की व्यवस्था रहेगी, जिससे उन्हें चलने में किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

वर्धानी क्लासेज छात्रों के लिए नवरात्रि स्पेशल छात्रवृत्ति योजना 9 बच्चों को निःशुल्क पढ़ाएंगे

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेज

शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वर्धानी क्लासेज ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 9 बच्चों को 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति बिल्कुल निःशुल्क शिक्षा और बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं की समग्र तैयारी का अनूठा अवसर प्रस्तुत किया है। इस संस्थान की विशेषता सिर्फ शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास को भी बढ़ावा देता है। जिसमें अव्वल आने वाले छात्रों को फुल फीस माफी दी जाती है। यह टेस्ट NCERT और एडवांस्ड लेवल के प्रश्नों पर आधारित होता है, जिससे प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी मेहनत का उचित सम्मान मिलता है।

अभी संपर्क करें: 9144255864
ईमेल: vardhaniclasses123@gmail.com

आग से 75 बीघा गेहूं की फसल राख... लाखों का नुकसान

राजस्वकर्मियों ने सर्वे करके जुटाई जानकारी

एजेंसी ■ बाराबंकी

यूपी के बाराबंकी में मंगलवार की दोपहर गेहूं की पकी खड़ी फसल में आग लग गई। तेज हवा चलने के कारण देखते ही देखते आग से 75 बीघा फसल जल गई। आग से करीब आठ लाख रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सूचना पर पहुंचे राजस्वकर्मियों ने सर्वे करके नुकसान की जानकारी जुटाई है। घटना रामनगर तहसील क्षेत्र के कुतलूपुर पंचायत के रमवापुर गांव की है। यहां अज्ञात कारणों से गेहूं के खेत में आग लग गई। लपटें देख गांव के लोग खेत की ओर दौड़े। हवा की वजह से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कुछ ही समय में गेहूं की पकी खड़ी 75 बीघा फसल जल गई। आग से मोहम्मद ताहिर, मेराज, रियाज, रफीक, अफसर, अयोध्या प्रसाद, नफीसा, सिम्मी, ननकऊ, जगजीवन, माता प्रसाद, पाले, श्यामसुंदर, मुंशी, सागर, इंसान अली, मोहब्बत, रमापति, रामचंद्र, शोभित, चिरौंजी, अवधराम, केशवराम सहित अन्य किसानों की 75 बीघा फसल जलकर राख हो गई। किसानों ने आग बुझाने के प्रयास किए, लेकिन तेज हवा के कारण उनका प्रयास सफल नहीं हुआ। कुछ देर बाद सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया। उपजिलाधिकारी रामनगर पवन कुमार ने बताया कि राजस्वकर्मियों को मौके पर भेजा गया है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर किसानों को क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

गोरखनाथ मंदिर की बढ़ेगी सुरक्षा, बनेगी पीएसी बैरक

सरकार लगाएगी थर्मल कैमरे, बजट किया जारी

एजेंसी ■ गोरखपुर

गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और चाक-चौबंद होगी। इसके लिए मंदिर परिसर के बाहर दक्षिण की तरफ दशहरी बाग के पास उत्तर प्रदेश प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) की बैरक का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। जल्द निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इसके अलावा पूरे मंदिर परिसर में एयरपोर्ट की तर्ज पर थर्मल कैमरे लगेंगे। प्रदेश के गृह विभाग ने मंदिर की सुरक्षा प्रबंधों के लिए बजट जारी कर दिया है। पीएसी बैरक में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए आवास के साथ ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। बच्चों के लिए खेलने का मैदान और कैंटिन का निर्माण भी कराया जाएगा। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए गृह विभाग ने एडिशनल एसपी और डिप्टी एसपी का कार्यालय बनाने, कंट्रोल रूम की स्थापना करने और सीसीटीवी कैमरा सिस्टम को अपग्रेड करने की स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। इसके अलावा मंदिर परिसर में एयरपोर्ट की तर्ज पर छह थर्मल कैमरे भी स्थापित किए जा रहे हैं। इसके लिए गृह विभाग ने करीब 80 लाख की धनराशि जारी कर दी है।यही नहीं, गोरखनाथ मंदिर में प्रवेश द्वार पर फेस रिकग्निशन कैमरे लगाने की भी तैयारी चल रही है। इससे यहां आने-जाने वाले लोगों के चेहरे स्कैन हो जाएंगे। इधर, गोरखनाथ थाने के ठीक सामने से रसूलपुर दशहरी बाग की तरफ जाने वाली सड़क के पास मंदिर से सटे पुलिस अधिकारियों के लिए कार्यालय और कंट्रोल रूम का ढांचा बनकर तैयार हो गया है।

अस्सी घाटः सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ चलाई मुहिम

वाराणसी। नमामि गंगे ने अस्सी घाट पर मंगलवार को सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ मुहिम चलाई। टीम के सदस्यों के साथ पर्यटकों ने भी हाथों में स्वच्छता स्लोगन लिखी तस्वीरें और कपड़े का झोला लेकर लोगों को सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग न करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। टीम ने स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला के संयोजन में मां गंगा के घाट और तलहटी से पॉलीथिन सहित अन्य प्रदूषित कर रही सामग्रियों को इकट्ठा कर नगर निगम को सुपुर्द किया गया।

मौसम इस बार बारिश कम... हीटवेव वाले दिन बढ़ेंगे, लोगों को बचके रहने की दी जा रही सलाह

धूप और तपिश के साथ हुआ अप्रैल का आगाज

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अप्रैल की शुरुआत चिलचिलाती धूप और गर्मी के साथ हुई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस साल गर्मियों के सीजन में अप्रैल से जून के बीच पिछले वर्षों के मुकाबले अधिक तापमान और लू (हीटवेव) वाले दिनों की संख्या में बढ़ोतरी आएगी। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में मंगलवार को दिन चढ़ने के साथ ही लोगों को चिलचिलाती धूप से दो-चार होना पड़ा। दोपहर तक धूप की तपिश से लोग बेचैन दिखे। राजधानी लखनऊ समेत प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र, झांसी, आगरा जैसे इलाकों में दिन के तापमान में डेढ़ से दो डिग्री तक का इजाफा देखने को मिला।

7 दिन ज्यादा चलेगी लू: मौसम विभाग ने साल 1993 से लेकर 2016 तक के अप्रैल से जून में पड़ने वाले लू के दिनों का आंकड़ा पेश किया है। विश्लेषण में यह बात सामने आई कि इस बार गर्मियों के सीजन अप्रैल से जून के बीच में लू के दिनों की संख्या में सामान्य से 6 से 7 दोनों का इजाफा देखने को मिलेगा।

तराई में ज्यादा तपिश

मौसम विभाग का कहना है कि इस साल अप्रैल से जून के बीच में लू का ज्यादा असर विशेषतौर पर दक्षिणी और विंध्य रीजन समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में दिखेगा। सोनभद्र,मिर्जापुर, विंध्य क्षेत्र, प्रयागराज, बुंदेलखंड और तराई समेत अधिकांश इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। वहीं रातें भी पिछले वर्षों की अपेक्षा गर्म होंगी। इस साल अप्रैल से जून के बीच बारिश भी सामान्य से कम होगी।

न्यूनतम तापमान रहेगा अधिक

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के त्रिभुज कुमार सिंह का कहना है कि इस बार ला-नीनो परिस्थितियां तटस्थ स्थिति की ओर शिफ्ट हो रही हैं। बारिश भी कम होगी। इसलिए इस बार गर्मियों के सीजन में तापमान के गिरावट की वजहें नहीं हैं। अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड 10-11 सेक्टर बी इंडस्ट्रियल एरिया गोविंदपुरा भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं तृतीय तल, सी ब्लॉक, मानसरोवर काम्पलेक्स भोपाल से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-अभिषेक शर्मा*, मोबाईल न. 6261052058, सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। आर एन आई नम्बर-एमपीएचआईएन/2017/72467, मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, प्रतियां बुक कराने एवं एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें-जाहिद हुसैन-9826278877, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910